हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

E-mail:newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, सोमवार | 03 जून 2024 | वर्ष : 02 अंक : 22 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

मोदी ने तेलंगाना के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों को बधाई दी

एजेंसी

नई दिल्ली:प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तेलंगाना के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि राष्ट्र की प्रगति में दक्षिण के इस प्रदेश के योगदान पर प्रत्येक भारतीय को बहुत गर्व है।लंबे आंदोलन के बाद 2014 में आंध्र प्रदेश का पुनर्गठन कर दो राज्यों आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का गठन किया गया था। राष्ट्रपति ने राज्य पुनर्गठन विधेयक को एक मार्च, 2014 को मंजूरी दी थी और दो जून, 2014 को तेलंगाना का गठन हुआ।मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, तेलंगाना के मेरे भाइयों और बहनों को उनके राज्य स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं।प्रत्येक भारतीय को राष्ट्र की प्रगति में राज्य के योगदान पर बहुत गर्व है।उन्होंने कहा, यह राज्य एक समृद्ध इतिहास और बहुत ही जीवंत संस्कृति से भरा हुआ है। हम आने वाले समय में राज्य के विकास के लिए लगातार काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, तेलंगाना के मेरे भाइयों और बहनों को उनके राज्य स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं।

West Bengal Exit Poll: ममता के गढ़ में बीजेपी ने लगाई सेंध,

बीजेपी के लिए एग्जिट पोल के नतीजे काफी राहत भरे हैं

वर्ष 2019 के चुनाव में भाजपा ने 303 सीट जीती थी, जबकि राजग की संख्या 353 थी। कांग्रेस को 53 सीट और उसके सहयोगियों को 38 सीट मिली थीं। इस लोकसभा चुनाव में भाजपा से मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों द्वारा इंडिया गठबंधन का गठन किया गया।

एजेंसी

पश्चिम बंगाल : लोकसभा चुनाव के सातवें और आखिरी चरण में आज पश्चिम बंगाल की अंतिम नौ सीटों पर मतदान संपन्न हो गया। देश भर के लोग उत्सुकता से एग्जिट पोल के नतीजों का इंतजार करते नजर आए। चुनाव आयोग की गाइडलाइन के बाद शाम 6.30 बजे के बाद एग्जिट पोल आना शुरू हो गए। पश्चिम बंगाल में एग्जिट पोल के आंकड़ें टीएमसी की मुश्किलें बढ़ाते नजर आ रहे हैं। वहीं बीजेपी के लिए एग्जिट पोल के नतीजे काफी राहत भरे हैं। सी-वोटर ने एग्जिट पोल के आंकड़े जारी कर पश्चिम बंगाल की 42 सीटों का आंकड़ा पेश किया है। आंकड़ों के अनुसार 2024 के चुनाव में एनडीए गठबंधन के खाते में 23-27 सीटें जा सकती हैं, जबकि ममता बनर्जी की टीएमसी के खाते में 13-17 सीटें जाने का अनुमान है। इंडिया गठबंधन को 1-3 सीटें मिल सकती है। इंडिया टीवी ने अपने एग्जिट पोल में भाजपा के खाते में 22-26, तृणमूल कांग्रेस के खाते में 14 से 18, कांग्रेस के 1-2 सीटों पर कब्जा जमाने का

दावा किया है। लेफ्ट का खाता नहीं खुलने का अनुमान है।

न्यूज24 टुडेज चाणक्या के अनुसार बीजेपी को 24±5 सीट, कांग्रेस को 1 ±1 और टीएमसी को 17 ±5 सीट मिलने का अनुमान है।

जन की बात में बीजेपी को 21-26 सीटें, टीएमसी को 16-18 सीटें मिलने का अनुमान है।रिपब्लिक भारत मैट्रिज ने बीजेपी 21-25 सीट, टीएमसी को 16-20 सीटें दी हैं। बंगाल के लिए 2019 के एग्जिट पोल कितने सही थे? 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने 18 सीटें जीतकर बंगाल में स्पष्ट बढ़त बना ली थी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 22 सीटों के करीब आने के करीब थी। इस बीच कांग्रेस को सिर्फ 2 सीटें मिलीं। सर्वेक्षणकर्ताओं की भविष्यवाणियां बहुत अलग नहीं थीं। एग्जिट पोल के नतीजों में भगवा पार्टी और टीएमसी के बीच कड़ी टक्कर दिखाई गई थी, जिसमें भाजपा को 19 से 23 सीटें और तृणमूल को 19 से 22 सीटें जीतने की उम्मीद थी।बंगाल में कौन कौन पार्टियां मैदान में

राज्य सरकार कई घोटालों और भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरी हुई है, सभी की निगाहें इस पर हैं कि क्या मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टीएमसी अभी भी अधिकतम सीटें जीत सकती है या भाजपा की लहर में बह जाएगी। लोकसभा चुनावों से पहले इंडिया ब्लॉक को खारिज करने के साथ-साथ वाम मोर्चा और कांग्रेस के साथ सीट-बंटवारे के किसी भी समायोजन नहीं करके के बाद ममता राज्य में एकला चलो रे की राह पर हैं। हालांकि टीएमसी सुप्रीमो बनर्जी ने बाद में घोषणा की थी कि यदि विपक्षी गठबंधन बनने में कामयाब होता है तो उनकी पार्टी उसे "बाहर से समर्थन" प्रदान करेगी।सी-वोटर ने एग्जिट पोल के आंकड़े जारी कर पश्चिम बंगाल की 42 सीटों का आंकड़ा पेश किया है। आंकड़ों के अनुसार 2024 के चुनाव में एनडीए गठबंधन के खाते में 23-27 सीटें जा सकती हैं, जबकि ममता बनर्जी की टीएमसी के खाते में 13-17 सीटें जाने का अनुमान है।

जनता के भरोसे और एसकेएम कार्यकताओं की कड़ी मेहनत से मिली भारी जीत : मुख्यमंत्री तमांग

एजेंसी

गंगटोक। सिक्किम के मुख्यमंत्री एवं सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के प्रमुख प्रेम सिंह तमांग ने राज्य विधानसभा चुनाव में रविवार को पार्टी की शानदार जीत का श्रेय एसकेएम कार्यकताओं को कड़ी मेहनत और उनकी सरकार के प्रति लोगों के भरोसे को दिया। एसकेएम रविवार को लगातार दूसरी बार सिक्किम में सत्ता में लौटी। उसने 32 सदस्यीय विधानसभा में 31 सीट पर जीत दर्ज की। पार्टी की शानदार जीत के बाद मुख्यमंत्री तमांग ने पार्टी समर्थकों और सिक्किम के मतदाताओं को बधाई दी। उन्होंने गंगटोक के पलजोर स्टेडियम में एक सभा में कहा, ह्लयह लोगों के उस प्यार और विश्वास की वजह से है जिसे हम पिछले पांच साल सरकार में रहते हुए बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं। इसके अलावा, पार्टी कार्यकताओं ने कड़ी मेहनत की। अब हम पांच साल और सिक्किम के लोगों के लिए अपना शत प्रतिशत दे सकते हैं। तमांग ने रहेनोक और सोरेंग-चाकुंग निर्वाचन क्षेत्रों से जीत हासिल की। एसकेएम ने 2019 में 17 सीट जीती थीं और सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) को सत्ता से हटा दिया था, जो लगातार 25 साल तक राज्य में सत्ता में रही थी। सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री और एसडीएफ प्रमुख पवन कुमार चामलिंग ने पोकलोक-कामरंग और नामचेयबुंग विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा और उन्हें रविवार को दोनों ही सीट पर हार का सामना करना पड़ा। तमांग ने कहा, ह्लमैं विपक्ष को भी धन्यवाद देना चाहता हूं क्योंकि उनकी वजह से ही हमारी पार्टी और मजबूत एवं संगठित हुई है।सिक्किम के मुख्यमंत्री एवं सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के प्रमुख प्रेम सिंह तमांग ने राज्य विधानसभा चुनाव में रविवार को पार्टी की शानदार जीत का श्रेय एसकेएम कार्यकताओं की कड़ी मेहनत और उनकी सरकार के प्रति लोगों के भरोसे को दिया।

जयराम रमेश का दावा, अमित शाह ने 150 डीएम को किया कॉल,

ईसी ने कांग्रेस नेता से मांग की ली विस्तृत रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली:भारतीय चुनाव आयोग (ईसी) ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश से उनके आरोपों के संबंध में विस्तृत जानकारी मांगी है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वोटों की गिनती से कुछ दिन पहले 150 जिला मजिस्ट्रेटों को फोन किया था। चुनाव के दौरान जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर अपने संबंधित जिलों के रिटर्निंग अधिकारी होते हैं। आयोग ने कहा कि, आज तक, किसी भी जिला मजिस्ट्रेट ने किसी भी

अनुचित प्रभाव का अनुभव करने की सूचना नहीं दी है। हालांकि, एक वरिष्ठ नेता द्वारा लगाए गए आरोपों की गंभीरता को देखते हुए, चुनाव निकाय ने "बड़े सार्वजनिक हित" में मुद्दे को संबोधित करने के लिए विशिष्ट विवरण प्राप्त करने पर जोर दिया।पत्र में लिखा गया है कि वोटों की गिनती की प्रक्रिया प्रत्येक आरओ (रिटर्निंग ऑफिसर) पर एक पवित्र कर्तव्य है और एक वरिष्ठ, जिम्मेदार और अनुभवी नेता द्वारा इस तरह के सार्वजनिक बयान संदेह का तत्व पैदा करते हैं और इस प्रकार, व्यापक सार्वजनिक हित में इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

जनादेश में भरोसा करते हैं, एग्जिट पोल में नहीं : तृणमूल कांग्रेस

एजेंसी

पश्चिम बंगाल :पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों के बारे में एग्जिट पोल के पूर्वानुमानों को खारिज करते हुए तृणमूल कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि उसे जनादेश पर भरोसा है। अधिकतर एग्जिट पोल ने अनुमान जताया है कि राज्य में भाजपा को तृणमूल कांग्रेस से अधिक सीटें मिलेंगी। तृणमूल कांग्रेस के नेता शांतनु सेन ने दावा किया, ह्लज्यादातर एग्जिट पोल ने 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का अनुमान जताया था। लेकिन हम सभी जानते हैं कि वास्तविक परिणाम क्या थे - तृणमूल कांग्रेस ने दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। हम ओपिनियन पोल या एग्जिट पोल पर नहीं, बल्कि

जनादेश पर विश्वास करते हैं। तृणमूल कांग्रेस राज्य में 30 से ज्यादा लोकसभा सीटें जीतेगी। तृणमूल कांग्रेस सांसद सौगत राय, जो लगातार चौथी बार दमदम लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, ने भी एग्जिट पोल के पूर्वानुमानों को खारिज कर दिया। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने भी एग्जिट पोल को ज्यादा महत्व देने से इनकार कर दिया।

सिक्किम भारत के सबसे लंबे समय तक सीएम रहने वाले पवन कुमार चामलिंग हारे,

दो सीटों से लड़ रहे थे चुनाव

संवाददाता

नई दिल्ली: भारत के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले पवन कुमार चामलिंग और सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के प्रमुख को पोकलोक-कामरांग निर्वाचन क्षेत्र में हार का सामना करना पड़ा। दूसरी सीट नामचेयबुंग पर शुरूआती रुझान में वह पीछे चल रहे हैं। उन्हें एसकेएम के भोज राज राय ने पोकलोक-कामरांग में 3,063 वोटों के अंतर से हराया, जबकि नामचेयबंग में वह 2,256

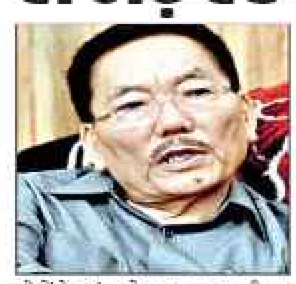

वोटों के अंतर से हार गए। एसडीएफ प्रमुख पवन कुमार चामलिंग विधायक के रूप में रिकॉर्ड नौवीं बार चुनाव लड़ रहे थे। उन्होंने दो विधानसभा क्षेत्रों - पोकलोक-कामरांग और नामचेयबुंग से चुनाव लड़ा था।74 वर्षीय चामलिंग को नामचेयबुंग विधानसभा क्षेत्र में चतुष्कोणीय मुकाबले में पूर्व नौकरशाह और एसकेएम उम्मीदवार राजू बासनेट के अलावा दो महिला उम्मीदवारों, पूजा शर्मा (भाजपा) और सेवरिन राय (सीएपी-सिक्किम) का सामना करना पड़ा। पोकलोक-कामरांग विधानसभा क्षेत्र में, एसडीएफ संरक्षक चतुष्कोणीय मुकाबले में हैं।

अरुणाचल प्रदेशँ: विधानसभा चुनाव के रुझानों में भाजपा 28, एनपीईपी 9 सीट पर आगे, भाजपा ने 10 सीटें जीतीं

एजेंसी

नई दिल्ली:ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना के रुझानों में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 38 और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीईपी) 9 सीट पर आगे है। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी। अरुणाचल प्रदेश में 60 विधानसभा सीट के लिए मतगणना रविवार सुबह छह बजे कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई। भाजपा ने 60 सदस्यीय विधानसभा में 10 सीट पहले ही निर्विरोध जीत ली हैं।अरुणाचल

प्रदेश में चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए मतदान एक साथ हुआ था। ह्लपीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) दो, ह्लराष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) दो, कांग्रेस एक और निर्दलीय उम्मीदवार दो सीट पर आगे हैं। राज्यभर में बारिश के बावजूद विभिन्न राजनीतिक दलों के सैकड़ों समर्थकों को मतगणना केंद्रों के समीप खड़े हुए देखा गया।अरुणाचल प्रदेश में चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए मतदान एक साथ हुआ था। ह्लपीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचलह्व (पीपीए) दो, ह्लराष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टीह्व (राकांपा) दो, कांग्रेस एक और निर्दलीय उम्मीदवार दो सीट पर आगे हैं।

अगर मोदी प्रधानमंत्री बने तो मैं अपना सिर मुंडवा लूंगा : सोमनाथ भारती

एजेंसी

नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सोमनाथ भारती ने शनिवार को कहा कि यदि नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते हैं तो वह अपना सिर मुंडवा लेंगे। इस बीच, पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि इस बार ह्लइंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंसह्व (इंडिया) केंद्र में एक मजबूत और

स्थिर सरकार बनाएगा।लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान संपन्न होने के बाद शनिवार को आए कई एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) में प्रधानमंत्री मोदी के लगातार तीसरी बार सत्ता में बने रहने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को प्रचंड बहुमत मिलने का अनुमान लगाया गया है।नई दिल्ली लोकसभा सीट से आप उम्मीदवार भारती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर की गई पोस्ट में कहा कि

एग्जिट पोल पर आई प्रशांत किशोर की पहली प्रतिक्रिया, बोले- बेकार की बातों पर समय बर्बाद न करें

एजेंसी

नई दिल्ली:राजनीतिक विश्लेषक प्रशांत किशोर ने एग्जिट पोल पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिसमें भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की भारी जीत की भविष्यवाणी की गई है।शनिवार को एक्स से बात करते हुए, उन्होंने जनता से चुनावी मौसम के दौरान फर्जी पत्रकारोंबड़बोले राजनेताओंऔर स्वयं-घोषित विशेषज्ञों द्वारा बेकार की बातों और विश्लेषण पर अपना समय बर्बाद न करने के लिए कहा। प्रशांत किशोर ने ले लिखा कि अगली बार चुनाव और राजनीति की बात हो तो अपना कीमती वक्त खाली बैठे फर्जी पत्रकार, बड़बोले नेताओं और सोशल मीडिया के स्वयंभू विशेषज्ञों की फि जूल की बातों और विश्लेषण पर बर्बाद मत करिए।लगभग सभी एग्जिट पोल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रिकॉर्ड तीसरा कार्यकाल हासिल करने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की प्रचंड जीत का अनुमान लगाया गया है। इंडिया टुडे-माय एक्सिस इंडिया एग्जिट पोल के मुताबिक, एनडीए को 2019 के आंकड़ों में सुधार करते हुए 361 से 401 सीटें मिलने की संभावना है। एग्जिट पोल में भविष्यवाणी की गई है कि विपक्ष के नेतृत्व वाला इंडिया गुट 131 से 166 सीटें जीतेगा। जब 4 जून को नतीजे घोषित होंगे, अगर ये आंकड़े सच हैं, तो यह पीएम मोदी के दशक लंबे शासन के निर्णायक समर्थन का प्रतिनिधित्व करेगा और विपक्षी दलों के रुख को और कमजोर करेगा।इंडिया टुडे-माई एक्सिस इंडिया चुनाव भविष्यवाणी से पता चलता है कि भाजपा कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे दक्षिणी राज्यों में महत्वपूर्ण बढ़त बना रही है। पूर्वानुमान में ओडिशा और बंगाल में भारी उलटफेर का संकेत दिया गया है, जहां भगवा पक्ष को क्रमशः नवीन पटनायक की बीजेडी और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पर जीत की उम्मीद है।प्रशांत किशोर ने बार-बार भविष्यवाणी की है कि भाजपा 2019 के अपने प्रदर्शन को दोहराएगी।

Exit Polls नहीं है, यह मोदी मीडिया पोल है',

Lok Sabha Election के अनुमानों पर बोले राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली:कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हमने अपने पीसीसी अध्यक्षों, मुख्यमंत्रियों, प्रभारियों और उम्मीदवारों से चर्चा की है, वे सभी बहुत आश्वस्त हैं। यह एग्जिट पोल सरकार के लिए एक फर्जी पोल है। इंडिया गठबंधन को 295 सीटें मिलेंगी और निश्चित रूप से सरकार बनेगी।लोकसभा चुनाव को लेकर अधिकांश एग्जिट पोलों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की प्रचंड जीत की भविष्यवाणी की गई है। हालांकि, कांग्रेस इसको लगातार खारिज कर रही है। इन सब के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह एग्जिट पोल नहीं है, यह मोदी मीडिया पोल है। यह उनका फैंटेसी पोल है। जब उनसे इंडिया गठबंधन की सीटों की संख्या के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, "क्या

आपने सिद्धू मूस वाला का गाना 295 सुना है? 295।कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हमने अपने पीसीसी अध्यक्षों, मुख्यमंत्रियों, प्रभारियों और उम्मीदवारों से चर्चा की है, वे सभी बहुत आश्वस्त हैं। यह एग्जिट पोल सरकार के लिए एक फर्जी पोल है। इंडिया गठबंधन को 295 सीटें मिलेंगी और निश्चित रूप से सरकार बनेगी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा निवर्तमान प्रधानमंत्री, जिस व्यक्ति को 4 जून को निश्चित रूप से जाना होगा, उसने इन सभी चीजों की साजिश रची है और एग्जिट पोल को प्रबंधित किया है। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल और 4 जून के नतीजों में बहुत बड़ा अंतर होगा। इंडिया गठबंधन की कल एक बैठक हुई थी, हमने संख्याओं पर विस्तार से चर्चा की, यह असंभव है कि इंडिया गठबंधन को 295 से नीचे कुछ भी मिलेगा। लगभग सभी एग्जिट पोल में एनडीए को भारी जनादेश मिलने की भविष्यवाणी की गई है, जिसमें बीजेपी अपने दम पर बहुमत हासिल करेगी। इंडिया टुडे-एक्सिस माई इंडिया ने एनडीए के लिए 361-401 सीटों का अनुमान लगाया है, जिसमें बीजेपी ने बंगाल, तेलंगाना और ओडिशा में जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि ये एग्जिट पोल सिर्फ माहौल बनाने के लिए हैं कि इंडिया गठबंधन हार गया है, यह एक मनोवैज्ञानिक खेल है। हम इसका विरोध करेंगे... हम जानते हैं कि हम 4 जून को निवर्तमान प्रधानमंत्री को अलविदा कहेंगे।

हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

E-mail:newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,सोमवार | 03 जून 2024 | वर्ष : 02 अंक : 23 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

लालू नहीं बदले, लालू का मतलब गुंडागर्दी, गुंडों को प्रश्रय देने का काम भाजपा शांति और लालू के गुंडा गुंडागर्दी के लिए मशहूर : सम्राट

विशेष संवाददाता

- पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र में अपराधियों के हमले में घायल लोगों से मिलने जाएगी भाजपा की टीम : सम्राट चौधरी
- 40 साल के राजनीतिक इतिहास में ढेला नहीं फेंका, गोली चलने से स्तब्ध : रामकृपाल यादव
- हिंसात्मक तरीके से जबरदस्ती वोट लेना दुर्भाग्यपूर्ण : रामकृपाल यादव

पटना, 2 जून। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी और पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव पर फायरिंग और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए आज कहा कि लालू नहीं बदले, लालू का मतलब गुंडागर्दी, गुंडों को प्रश्रय देने का काम है। उन्होंने लोगों को भरोसा देते हुए स्पष्ट कहा कि कुछ ही दिनों इन मामलों में कार्रवाई दिखेगी। पूरे मामले में चुनाव आयोग से भी कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में सांसद रामकृपाल यादव के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री चौधरी ने कहा कि इस चुनाव में लालू प्रसाद और उनके परिवार ने अराजकता दिखाने का काम किया है। चाहे सारण की घटना हो या पाटलिपुत्र का चुनाव यह हिंसा के रूप में जिस तरह बदलते गए, उससे साफ है कि यह परिवार पूरी तरह गुंडागर्दी पर उतर गए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पूरे बिहार में शांतिपूर्ण संपन्न हो गया, सिर्फ सारण और पाटलिपुत्र में हंगामा हुआ, जहां लालू यादव की बेटियां चुनाव लड़ रही थी। श्री चौधरी ने कहा कि बिहार के लोकतंत्र को शर्मसार करने वाले लालू यादव और उनका परिवार हिंसा के बल पर चुनाव जीतना चाहता है। हम लड़ेंगे। इनकी गुंडागर्दी का भाजपा

के कार्यकर्ताओं ने प्रतिकार किया जो आज अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की तारीफ की उन्होंने कहा कि जिस तरह भाजपा प्रत्याशी पर गोलियां चलाई गई वह काला अध्याय है। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद बिहार को 2005 के पहले की ओर ले जाना चाहते हैं जहां हथियार के बल पर बूथ कब्जा कर चुनाव जीता जाता था। ऐसे लोगों को अपराधी के बल पर राजनीति करते पहले भी बिहार के लोगों ने देखा है। उप मुख्यमंत्री ने कल की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जब रामकृपाल जी पर गोली चली तो उन्होंने फोन कर सिर्फ इतना कहा कि क्षेत्र में शांति स्थापित होनी चाहिये। उन्होंने न्याय और कार्रवाई तक कि बात तब नहीं की थी। भाजपा शांति और लालू के गुंडा गुंडागर्दी के लिए मशहूर हैं उन्होंने कहा कि लालू नहीं बदले, लालू का मतलब गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार, गुंडों को प्रश्रय देने का काम है। उन्होंने कहा कि कल चुनाव के दौरान जहां पर भी घटनाएं हुई हैं वहां और इन घटनाओं में घायल लोगों से मिलने भाजपा की टीम जाएगी और उन लोगो से मिलकर फीडबैक लेगी। इधर , प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए रामकृपाल यादव ने पूरी घटना का सिलसिलेवार विवरण दिया। उन्होंने कहा कि वे आज तक कभी भी सुरक्षा घेरे में नहीं रहा। उनकी सुरक्षा जनता और कार्यकर्ताओं ने ही की है। उन्होंने कहा कि उन्हें जानकारी मिली थी कि नियम के विरुद्ध तिनेरी गांव के पास चुनाव के दौरान एक मतदान केंद्र पर स्थानीय विधायक रेखा देवी अपने लोगों के साथ पहुंची थी और भाजपा के समर्थकों ने जब इसका प्रतिकार किया तब उनलोगों के साथ मारपीट की गई। वे पूरी घटना जानने और कार्यकर्ताओं से मिलने पहुंचे थे। जब वे लौट रहे थे, तब तीन गोली चलाई गई। एक कार्यकर्ता की जमकर पिटाई की गई। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी उनपर हमले हुए और कई कार्यकर्ताओं को पीटा गया। उन्होंने बताया कि वे गोली चलने से स्तब्ध हैं। हिंसात्मक तरीके से जबरदस्ती वोट लेना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उन्हें न्याय मिले।

एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि स्थानीय विधायक दोपहर में बूथ में पहुंची थी, अगर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कुछ गलत किया था तो उस समय प्राथमिकी क्यों नहीं दर्ज करवाई। मेरे प्राथमिकी दर्ज कराने के बाद रात को क्यों दर्ज कराई। उन्होंने साफ कहा कि उन्होंने झूठा मुकदमा दर्ज किया है। इस प्रेस वार्ता में महामंत्री ललन मंडल, राजेश वर्मा, एमएलसी राजेन्द्र गुप्ता और प्रदेश मीडिया संयोजक दानिश इकबाल भी उपस्थित रहे।

मीसा भारती को बुखार, पिता लालू यादव के घर में कर रहीं आराम; चार जून तक बधाई से किया इनकार

संवाददाता

पटना: सातवें एवं अंतिम चरण के मतदान की समाप्ति के बाद पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र से इंडिया गठबंधन समर्थित राजद प्रत्याशी डॉ. मीसा भारती रविवार को दिन भर अपने पिता लालू प्रसाद के दानापुर स्थित घर में रहीं। वे बुखार से पीड़ित होने के बावजूद आवास पर मिलने के लिए आ रहे लोगों से बीच-बीच में मुलाकात भी करती रही। करीब दो महीने की लगातार भागदौड़ एवं चुनाव प्रचार अभियान से होने वाली थकावट एवं कमजोरी उनकी बातों में साफ दिख रही थी। पाटलिपुत्र में मीसा भारती ने बीजेपी के रामकृपाल यादव के खिलाफ चुनाव लड़ा।

डॉ. मीसा भारती ने तीसरी बार पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ रही हैं उन्होंने चुनाव के प्रचार और अन्य प्रक्रियाओं के के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा कि मौसम की परेशानी को छोड़ दें तो इस बार मैं चुनाव नहीं लड़ रही थी बल्कि जनता स्वयं चुनाव लड़ रही थी। मौजूदा सांसद के खिलाफ लोगों में जबरदस्त आक्रोश था। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों से संसदीय क्षेत्र में कोई विकास कार्य नहीं किए जाने पर जनता के मन में नाराजगी थी। डॉ. मीसा भारती ने जीत की अग्रिम बधाई देने वाले लोगों को रोका और कहा कि चार जून के बाद वे बधाई दें, तबतक मतगणना केंद्रों पर नजर रखने को कहा। उन्होंने बताया कि क्षेत्र से मिलने वाले लोग आकर मतदान के दिन की सूचनाएं दे रहे थे। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक विधानसभा क्षेत्र को छोड़कर शेष विधानसभा

क्षेत्रों में मतदान को धीमा किया गया था। इनमें दानापुर, मनेर, मसौढी विधानसभा क्षेत्र भी शामिल है। उन्होंने कहा कि मतदाता अपना मत व्यक्त कर चुके हैं, मतगणना का इंतजार है। चार जून के बाद सबको अपनी स्थिति का पता चल जाएगा। उन्होंने अपनी जीत का भरोसा जताते हुए कहा कि इस बार जनता चुनाव लड़ रही थी लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर कई न्यूज चैनल्स और एजेंसियों ने एग्जिट पोल किए हैं। जिसमें एनडीए को प्रचंड बहुमत मिलता दिख रहा है। वहीं इंडिया अलायंस बैकफुट पर नजर आ रही है। वहीं बिहार में भी एनडीए को कुछ के नुकसान के साथ महागठबंधन पर बढ़त बनाते हुए दिखाया है। इन एग्जिट पोल पर अब लालू यादव की पार्टी वे आरजेडी ने सवाल उठाए हैं। और कई गड़बड़ियां भी गिनाई हैं। आरजेडी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि नमूनों के एग्जिट पोल के नमूने देखिए। बिहार में छखद(फ) कितनी सीट पर लड़ रही है और इंडिया टुडे कितनी सीट पर जिता रहा है ? छखद पांच सीट पर लड़ रही और वह एग्जिट पोल बता रहा वह छह सीट जीत रही है। वहीं झारखंड में उढक(ट) कितनी सीट पर लड़ रही है और ये महाशय कितनी सीट दे रहे हैं ? उढक(ट)मात्र एक सीट पर लड़ी एग्जिट पोल तीन सीट दे रहा है इसी तरह जी न्यूज एग्जिट पोल को देखिये। हरियाणा में लोकसभा की कुल सीटें 10 हैं और एग्जिट पोल में 16-19 सीटें अकेले एनडीए को मिलती दिखायी जा रही है। हिमाचल प्रदेश में गिनती की कुल सीटें 4 हैं और जी न्यूज एनडीए को 6-8 सीटें देने पर आमादा है।

सपने में पीएम पद की शपथ...जीतन राम मांझी का इंडिया गठबंधन पर करारा तंज

संवाददाता

पटना: बिहार में एनडीए के साथी जीतन राम मांझी ने इंडिया गठबंधन पर तीखा तंज कसा है। मांझी ने अपने एक्स अकाउंट पर शनिवार हुई इंडिया अलायंस की मीटिंग पर निशाना साधा है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा है कि चार जून की दोपहर तक इंडिया गठबंधन यह तय नहीं कर पाया कि हार का ठीकरा किसके सिर पर फोड़ना है। इसके आगे जीतन राम मांझी ने बधाई देते हुए यह भी लिख दिया कि आ रहे हैं मोदी जी ही। गौरतलब है कि शनिवार को आए एग्जिट पोल्स में एनडीए की सरकार बनती दिखाई दे रही है। जीत का सपना देखने का दावा

गौरतलब है कि एक जून को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर इंडिया गठबंधन के दलों की एक बैठक हुई थी। इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। जिसमें से एक फैसला गठबंधन के नेताओं को एग्जिट पोल से जुड़े टीवी कार्यक्रमों में भेजने का था। जीतन राम मांझी ने इसी बैठक को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने अपनी एक्स पोस्ट में लिखा कि कल हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में यह तय नहीं हो पाया कि हार का ठिकरा किस पर फोड़ना है। हां, यह तय जरूर हुआ कि 4 जून की दोपहर तक इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दलों के नेता जीत का सपना देखते हुए सपने में ही खुद प्रधानमंत्री पद की शपथ दिला लें। इसके आगे उन्होंने लिखा कि वैसे आ रहे हैं मोदी जी ही। जीत की अग्रिम बधाई गौरतलब है कि एक जून को अंतिम चरण के चुनाव के बाद एग्जिट पोल के आंकड़े सामने आए हैं। लगभग सभी एग्जिट पोल में अगली सरकार भी एनडीए की ही बनती बताई जा रही है। कुछ एग्जिट पोल में तो एनडीए को चार सौ से अधिक सीटें मिलने के भी दावे किए गए हैं। वहीं, इंडिया गठबंधन 150 सीटों से आगे जाता दिखाई नहीं दे रहा है। इस बीच राहुल गांधी समेत इंडिया गठबंधन के कई नेताओं ने दावा किया है कि उन्हें 295 सीटें मिल रही हैं। बिहार में एनडीए के साथी जीतन राम मांझी ने इंडिया गठबंधन पर तीखा तंज कसा है। बिहार के पूर्व सीएम मांझी ने अपने एक्स अकाउंट पर शनिवार हुई इंडिया अलायंस की मीटिंग पर निशाना साधा है पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र में सातवें चरण के तहत शनिवार को वोटिंग हुई। शाम में पाटलिपुत्र के कैंडिडेट और भाजपा नेता रामकृपाल यादव के काफिले पर गोलियां बरसाई गई। बदमाशों ने चार गोलियां चलाई।

सच्चाई में है दम, सच लिखते है हम !

News Indo Gulf

NEWS INDO GULF

Portal Channel and YouTube Channel

देश और दुनिया की सभी ताजा खबर देखने के लिए अभी चैनल को सब्सक्राइब करें

हिन्दी, इंग्लिश, गुजराती,बंगला,मराठी तथा पंजाबी और उर्दू में भी खबर को देख सकते हैं।

Asst. Editor: - Rohit Kumar Mob - 7367093936

Website- newsindogulf.com , Face book page, Twitter, Instagram Telegram, YouTube पर हमारे खबर को देख सकते हैं।

देहदान और नेत्रदान का संकल्प ही होगी सुशील मोदी की सच्ची श्रद्धांजलि : डॉक्टर हरेंद्र सिंह

पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत सुशील मोदी की पुण्य स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया

संवाददाता
शकील हैदर

पटनाःलक्ष्य लाइब्रेरी परिसर में दधीचि देहदान समिति के बैनर तले स्मृति सभा का आयोजन शक्ति नगर स्थित लक्ष्य लाइब्रेरी परिसर में दधीचि देहदान समिति के बैनर तले जिला अध्यक्ष संजीव चौधरी के नेतृत्व मैं दधीचि देहदान समिति के प्रदेश के संरक्षक सह पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत श्री सुशील मोदी की पुण्य स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया मौके पर उपस्थित पदाधिकारी प्रबुद्ध लोगों के अलावा स्थानीय सामाजिक संगठनों के लोगों के द्वारा पहले 2 मिनट मौन रखकर दिवंगत नेता के मृत आत्मा की शांति की प्रार्थना की गई, फिर लोगों ने बारी-बारी से उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर संस्था के संरक्षक डॉ हरेंद्र सिंह सीपीएस के अध्यक्ष ने कहा कि अंगदान और नेत्रदान का संकल्प लेकर ही हम दिवंगत नेता के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं। उन्होंने दधीचि देहदान समिति को समाज के लिए उपयोगी बताया जिले के सभी लोगों को इस संगठन से जुड़ने का अनुरोध किया। यह संस्था धर्म और जाति से ऊपर उठकर काम कर रही है। डॉक्टर शंभू कुमार नेत्र विशेषज्ञ ने कहा की हम सब को नेत्रदान और अंगदान करना चाहिए। समिति के अध्यक्ष संजीव चौधरी ने जिले वासियों से जीत जी रक्तदान और मरणोपरांत अंगदान करने का संकल्प पत्र भरने का अनुरोध किया। डॉक्टर पार्थ गौतम ने कहा की हम सब को सुशील मोदी के मार्गदर्शन पर चल कर उनके अधूरे सपने को पूरा करना है मौके पर विभिन्न सामाजिक संगठन, रेड क्रॉस सोसाइटी के अमन राज, परनव सिंह, भाजपा नेता अभय कुमार सिंह, समाजसेवी मनोरंजन सिंह के अलावा कामाख्या सिंह, वैश्य महासभा से सुधाकर प्रसाद विशाल जी, डाबर जी, रोटी बैंक के अभय पांडे, विपिन कुमार सक्षम कुमार, आदित्य कुमार, विद्या विहार के यशवंत कुमार सहित लक्ष्य लाइब्रेरी सभी छात्र उपस्थित थे।

छपरा। शक्ति नगर स्थित लक्ष्य लाइब्रेरी परिसर में दधीचि देहदान समिति के बैनर तले जिला अध्यक्ष संजीव चौधरी के नेतृत्व मैं दधीचि देहदान समिति के प्रदेश के संरक्षक सह पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत सुशील मोदी की पुण्य स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मौके पर उपस्थित पदाधिकारी प्रबुद्ध लोगों के अलावा स्थानीय सामाजिक संगठनों के लोगों के द्वारा पहले 2 मिनट मौन रखकर दिवंगत नेता के मृत आत्मा की शांति की प्रार्थना की गई, फिर लोगों ने बारी-बारी से उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी इस मौके पर संस्था के संरक्षक डॉ हरेंद्र सिंह सीपीएस के अध्यक्ष ने कहा कि अंगदान और नेत्रदान का संकल्प लेकर ही हम दिवंगत नेता के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं।उन्होंने दधीचि देहदान समिति को समाज के लिए उपयोगी बताया जिले के सभी लोगों को इस संगठन से जुड़ने का अनुरोध किया।

फॉर्म17 C नहीं उपलब्ध कराने का आरोप, भाकपा माले ने की चुनाव आयोग से शिकायत

संवाददाता

भाकपा माले ने बिहार में लोकसभा चुनाव के दौरान ज्यादातर बूथों पर फार्म 17सी उपलब्ध नहीं कराने का आरोप लगाया है। पार्टी ने दिल्ली और पटना में चुनाव आयोग से इसकी शिकायत की है। साथ ही 17सी सार्वजनिक करने की मांग की है। दिल्ली में माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य, केंद्रीय कमेटी सदस्य राजीव डिमरी ने शिकायत की। पटना में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को पोलित ब्यूरो सदस्य संजय शर्मा और मीडिया प्रभारी कुमार परवेज ने ज्ञापन सौंपा। माले ने आरोप लगाया है कि सातवें चरण के चुनाव में पीठासीन अधिकारी की ओर से आरा, काराकाट व नालंदा लोकसभा क्षेत्र और अगिआंव (सु.) विधानसभा उपचुनाव में ज्यादातर बूथों पर 17सी फॉर्म उपलब्ध नहीं कराया गया। इन क्षेत्रों के उम्मीदवारों ने भी सम्बन्धित आरओ को पत्र लिखकर 17सी फॉर्म उपलब्ध कराने की मांग की है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के दौरान फॉर्म 17सी सुर्खियों में रहा था। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया है कि वह निर्वाचन आयोग को ईवीएम का आंकड़ा दो से तीन साल तक सुरक्षित रखने और मतगणना से पहले चरणवार मतदान का रिकॉर्ड जारी करने का निर्देश दे।

मधुबनी, सरकारी अस्पतालों में प्रशिक्षण के माध्यम से स्वच्छता एवं गुणवत्ता सुधार पर जोर

संवाददाता
अबु बक्कर

मधुबनीः सरकारी अस्पतालों में स्वच्छता और गुणवत्ता सुधार के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र सीएचसी कलुआही, एसडीएच झंझारपुर, पीएचसी अंधराठाढ़ी, एसडीएच जयनगर, और सीएचसी खुटौना में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में पीडीसीए, 5र, सिक्स सिग्मा, स्पिल प्रबंधन (उल्टी, रक्त और पारे का प्रबंधन), बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, मोपिंग तकनीकें, कायाकल्प और लक्ष्य की चेकलिस्ट ओरिएंटेशन, एएनएम/जीएनएम को लीडर के रूप में तैयार करना, नीडल स्टिक इंजरी मैनेजमेंट, ममता वर्कर्स का सशक्तिकरण, हाथ धोने के 6 कदम, एफआईएफओ, एक्सपायरी दवाइयों का प्रबंधन, दवाओं की आपूर्ति श्रृंखला, पीपीई किट की महत्ता और उपलब्धता जैसे महत्वपूर्ण विषयों को कवर किया गया इस प्रशिक्षण का नेतृत्व पिरामल स्कूल ऑफ लीडरशिप के मुदित पाठक ने किया, जिन्होंने इन पांच ब्लॉकों में कर्मचारियों को गुणवत्ता सुधार के लिए संवेदनशील किया और मरीजों को बेहतर सेवाएं देने के लिए जागरूक किया। मधुबनी के सिविल सर्जन डॉ. नरेश कुमार भिमसरिया, जो हमेशा से गुणवत्ता सुधार पर जोर देते रहे हैं, ने भी इस अवसर पर बात की। उन्होंने बताया कि इस तरह के प्रशिक्षण से हमारे लाभार्थियों को किसी भी प्रकार की कमी महसूस नहीं होनी चाहिए और हमारे कर्मचारी उचित सेवाएं प्रदान कर सकें। मधुबनी जिला जिसमें अभी एक स्वास्थ्य संस्थान के पास कायाकल्प सर्टिफिकेशन है जो कि लउकाही है, इस प्रकार की ट्रेनिंग्स के साथ हम लोग लक्ष्य, एनक्यूएएस, कायाकल्प जैसे सर्टिफिकेशन को आसानी से और जल्दी तैयारी कर सकते हैं। स्टाफ्स को इन सर्टिफिकेशंस के बारे में ट्रेनिंग्स में बताया गया। इन क्वालिटी से संबंधित सर्टिफिकेशंस को कैसे हम ले सकते हैं उसके बारे में भी बताया गया। मुदित पाठक ने हर अस्पताल में जाकर वहाँ का निरीक्षण किया और वहाँ के स्टाफ्स को बताया कि कैसे वे अपनी सेवाओं को सुधार सकते हैं, जिससे हमारे मरीजों को सुविधा मिले और वे अस्पताल में सुरक्षित महसूस करें।

काउंटिंग के दिन सिवान मे ट्रैफिक मे होगा बदलाव आनदर ओवरब्रिज से शेखर सिनेमा हॉल तक नो पार्किंग, बड़े वाहनों पर पर रहेगी नो एंट्री।

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज,2 जून रविवार। सिवान डीएवी पीजी कॉलेज मे सुबह 4जून से मतगणना होगी। आर्य कन्या स्कूल, राजेंद्र स्टेडियम, डीएवी कॉलेज पर ड्रॉप गेट बनाया गया है शहर मे शांति व्यवस्था कायम रहें इसको लेकर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। वही शहर मे 4 जून को बड़े वाहनों पर नो एंट्री रहेगी।

इस दिन शहर मे आनदर ओवरब्रिज से शेखर सिनेमा तक नो पार्किंग रहेगा। मतगणना केंद्र के अंदर सिर्फ जिला पदाधिकारी, मतगणना प्रेक्षक, पुलिस अधीक्षक, सहायक निर्वाची पदाधिकारी अपनी वाहन लेकर जा सकते है। और विशेष परिस्थिति मे कुछ वाहन जा सकते है। फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस वहा मौजूद रहेंगे। और डॉक्टर की टीम भी मौजूद रहेगा। जिले के शहर से लेकर गावो तक शांति व्यवस्था के लिए स्टेटिक्स मजिस्ट्रेट की निगरानी मे पैदल पुलिस गस्ती, और ड्रोन कैमरा से निगरानी कर शहर के पब्लिक के छतों पर रखे ईट, पत्थर को भी हटवाया जा रहा है। ताकि कोइ अशांति भंग न हो सके।

लालू के युवराज..., रामकृपाल यादव पर हमले को लेकर भड़के गिरिराज सिंह; सरकार से उठाई बड़ी मांग

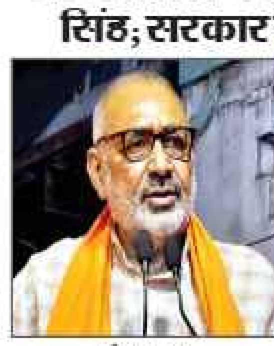

संवाददाता

रामकृपाल यादव पर हमले को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की प्रतिक्रिया सामने आई है। गिरिराज सिंह ने इसके लिए इशारों-इशारों में तेजस्वी यादव पर निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री ने कहाकि लालू यादव के युवराज बिहार में गुंडागर्दी का राज बनाने की कोशिश में लगे हैं। उन्होंने कहाकि भगवान की कृपा से रामकृपाल यादव की जान बच गई, नहीं तो उनकी मौत तक हो सकती थी। साथ ही सरकार से गुजारिश की कि वह रामकृपाल यादव की सिक्योरिटी भी बढ़ाई जाए।उत्पात मचाते हैं आरजेडी के लोगगौरतलब है कि शनिवार की शाम मसौढ़ी इलाके में रामकृपाल यादव के ऊपर हमला हुआ था। इस दौरान उनके काफिले पर फायरिंग भी हुई थी। रामकृपाल यादव ने पुलिस को दी गई एफआईआर में लिखा है कि हमलावरों ने उनके एक समर्थक का सिर भी पिस्टल की बट से फोड़ दिया है।इसको लेकर ही गिरिराज सिंह ने टिप्पणी की है। उन्होंने कहाकि मसौढ़ी में लोग पहले से ज्यादा डरे हुए थे कि यहां पर आरजेडी के लोग उत्पात मचाते थे। गिरिराज सिंह ने कहाकि सारण में भी राजद की गुंडागर्दी देखने को मिली थी।बता दें कि पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र में रामकृपाल यादव के सामने लालू यादव की बेटी मीसा भारती हैं। रामकृपाल यादव का कहना है कि तिनेरी गांव के पास एक मतदान केंद्र पर स्थानीय विधायक रेखा देवी के मतदान केंद्र में जाने की सूचना मिली थी। इस पर भाजपा समर्थकों ने हंगामा भी किया था। इसके बारे में जानकारी होने पर रामकृपाल यादव वहां पहुंचे थे।

एसएसबी 47th मानव तस्करी रोधी ईकाई एवम प्रयास जुवेनाइल एड सेन्टर पूर्वी चम्पारण के संयुक्त तत्वावधान में

15 वर्षीय पश्चिम बंगाल की नाबालिग लड़की को काठमांडू नेपाल ले जा रहे मानव तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता
कफील एकबाल

भारत नेपाल सीमा रक्सौल 2 जून शनिवार को एसएसबी 47 ई मानव तस्करी रोधी ईकाई क्षेत्रक मुख्यालय एवम प्रयास जुवेनाइल एड सेन्टर पूर्वी चम्पारण के संयुक्त तत्वावधान में भारत से नेपाल की ओर जा रहे। एक व्यक्ति के साथ एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़की को संदेह के आधार पर सम्पर्क में लिया गया। काउंसलिंग के दौरान नाबालिग लड़की द्वारा बताया गया कि दो माह पहले सोसल मीडिया (फेसबुक)के माध्यम से दोस्ती हुई उसके बाद फोन से बाते हुआ करती थीं घर वाले इसके बारे में नहीं जानते थे इस व्यक्ति द्वारा हमे बार बार नौकरी व शादी के लिए घर से भागने के लिए बोला जाता था मै इस व्यक्ति के झांसे में आकर दिनांक 28/5/24 को अपने घर वाले को बिना बताए हुए घर से भागी हूं। यह व्यक्ति नौकरी और शादी का झांसा देकर आज काठमांडू नेपाल ले जा रहा था । अगली प्रक्रिया करते हुए हरैया ओपी रक्सौल में प्रयास जुवेनाइल एड सेन्टर पूर्वी चम्पारण की जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई मानव तस्कर पश्चिम बंगाल का रहने वाला है।जिसका काल्पनिक नाम पूजन रॉय, उम्र 25 वर्ष लगभग, थाना, दासपुर, जिला, पश्चिम मेदनीपुर, पश्चिम बंगाल। नाबालिग लड़की काल्पनिक नाम मीरा चटोपध्याय विष्णुपुर थाना , जिला दक्षिण 24 परगना , की रहने वाली है। किसकी अगली प्रक्रिया हेतु हरैया ओपी रक्सौल में सुपुर्द किया गया हरैया ओपी रक्सौल द्वारा नाबालिग लड़की को चाइल्ड लाइन रक्सौल को जिला बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए सौपा गया। मौके पर मानव तस्करी रोधी ईकाई इंस्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा, अरविंद दिवेदी, अनिल कुमार शर्मा,प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर पूर्वी चंपारण से जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी ,राज गुप्ता समाजिक कार्यकर्ता,एवं टिम, आदी उपस्थित थें।

जैसे जैसे मतगणना का समय नजदीक हो रहा है प्रत्याशी और कार्यकर्त्ता का धड़कन तेज हो रहा है

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल 4 जून रविवार। जब देश मे चुनावी बिगुल बजा तब से नेता और कार्यकर्ता अपने अपने पार्टी और प्रत्यासी के पक्ष मे मतदान करने का अपील और क्षेत्र भ्रमन कर रहे थे। चुनाव खत्म होने के बाद चुनावी गणित सह मात का खेल एकत्रित करने मे मसगुल थे। लेकिन अब मतगणना में अब कुछ ही घंटे रह गए है। जैसे जैसे मतगणना का समय नजदीक हो रहा है। नेता और सक्रिय कार्यकर्ता की बेचैनी और असमंजस की इस्थिति उत्पन्न हो रही है। हार होगी या जीत अपने अपने उम्मीदवार और पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के प्रार्थना पूजा अर्चना करने मे मसगुल नजर आ रहे है। अब आने वाला 4 जून को स्थिति अस्पष्ट हो जाएगी। किनका बीपी समान्य और किनका बीपी हाई रहेगा। और 4 जून को अगले 5 वर्षो तक के लिए केंद्र सरकार का चुनावी चैप्टर बंद हो जायेगा।

लू लगने से महाराजगंज निवासी आइसक्रीम विक्रेता की मौत

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल 2 जून रविवार। महाराजगंज नगर पंचायत वार्ड 7 निवासी योगेन्द्र पाण्डेय 47 वर्ष की संदिहास्पद परिस्थिति में मौत हो गई। बता दे की श्री योगेन्द्र पाण्डेय कई वर्षो से आइसक्रीम बेच कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। इस तपिश धूप मे वह अपनी जीविका चलाने हेतू घर से आइस क्रीम बेचने निकला था लेकिन लू लगने से उसकी मौत हो गई। उक्त व्यक्ति काफी गरीब था। इसके परिवार मे छोटे छोटे बच्चे और पत्नी है वहीं पत्नी का रो रो कर बुरा हाल था। अब परिवार का भरण पोषण कैसे चलेगा। उक्त घटना को सुन कर वर्तमान सांसद जर्नादन सिंह सिग्रीवाल, पूर्व विधायक हेमनरायण साह पहुंच कर आर्थिक मदद दी। और जिला पदाधिकारी मुकुल कुमार गुप्ता को घटना से अवगत कराया और सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता के लिए गुहार किए। इस मौके पर वार्ड पार्षद कामाख्या नारायण सिंग, अवधेश सिंह, अमरजीत सिंह संजय सिंह राजपूत, कृष्ण प्रसाद, अभय सिंह मौजूद थे। मिली जानकारी के अनुसार योगेन्द्र पाण्डेय (47) वर्ष जो कई वर्षो से आइसक्रीम बेचकर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। उनकी मौत शुक्रवार को लू लगने से हो गई। उनकी मौत की सूचना मिलने पर शुक्रवार को देर रात निर्वतमान सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, पूर्व विधायक हेमनारायण साह ने योगेन्द्र पांडेय के घर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

ब्रीफ न्यूज

4 जून को काउंटिंग से पहले रिहर्सल, बिहार में 40 केंद्रों पर मतगणना, थ्री लेयर सिक्योरिटी

संवाददाता

राज्य की सभी 40 लोकसभा सीटों की मतगणना मंगलवार को होगी। मतों की गिनती के लिए 40 केन्द्र बनाए गए हैं। सभी केंद्रों पर तीन परत में सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है। तीनों परत में अलग-अलग स्तर के सुरक्षा बल तैनात हैं। पहली पंक्ति में ज्यादातर केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवान रहेंगे। दूसरी परत में बीसैप या जिला बल के जवान और तीसरी परत में स्थानीय और जिला बल के जवान की मिली-जुली तैनाती सोमवार तक पूरी तरह से दिखेगी। जिला बल के जवान बाहरी परिसर में, बीसैप के जवान मतगणना केन्द्रों के प्रवेश द्वार पर जबकि केन्द्रीय सुरक्षा बलों के जवान मतगणना स्थल पर सुरक्षा की कमान संभालेंगे। इन्हीं के जिम्मे ईवीएम की सुरक्षा भी है।संवेदनशील और अधिक महत्व वाले केंद्रों पर शुरू की दो परतों में केंद्रीय सुरक्षा बल की तैनाती की जाएगी। इसके लिए सभी जिलों को पर्याप्त संख्या में बल तैनात कर दिए गए हैं। चुनाव कराने के लिए बाहर से बुलाई गई केंद्रीय सुरक्षा बलों की 153 कंपनियों को भी संबंधित जिलों में ही रोक दिया गया है। जहां केंद्रीय बलों की कमी है, वहां दूसरे स्थान या जहां संख्या अधिक है, वहां से इन्हें भेज दिया गया है। ताकि मतगणना केंद्रों पर तैनाती में इनकी कोई कमी महसूस नहीं हो।इसके अतिरिक्त बीसैप के भी सभी जवानों की तैनाती आवश्यकता के अनुरूप कर दी गई है।मतगणना कार्य को सुचारू तरीके से संचालित करने के लिए सभी जिलों को सोमवार को पूर्वाभ्यास करने का निर्देश दिया गया है। चुनाव को लेकर पुलिस की तरफ से नियुक्त नोडल पदाधिकारी एडीजी जितेंद्र सिंह गंगवार के स्तर से जारी इस निर्देश में कई बातों का ध्यान रखने के लिए कहा गया है।सभी जिला प्रशासन को कहा गया है कि मतगणना केंद्र और इसके आसपास के इलाके में सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, किसी आपात स्थिति से निपटने की पूर्व से तैयारी से लेकर अन्य सभी छोटी-बड़ी बातों का रिहर्सल 3 जून को कर लें। इससे पता चल जाए कि तैयारी मुकम्मल है या नहीं। चूक की कहीं कोई गुंजाइश बनती है, तो उसे तुरंत दूर ली जाए। मतगणना के दिन किसी तरह की चूक नहीं हो, इसका ध्यान सभी जिला को खासतौर से रखने के लिए कहा गया है।निर्वाचन आयोग के स्तर से जारी सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए कहा गया है।सभी मतगणना केंद्रों पर धारा- 144 लागू रहेगी। इस वजह से इसके बाहर और करीब 200 मीटर के दायरे में किसी तरह का हुजूम या लोगों का जमघट नहीं लगने दिया जाएगा। साथ ही किसी उम्मीदवार के जीतने के बाद कोई विजय जुलूस या मार्च नहीं निकाला जाएगा। विजय जुलूस के लिए निर्वाचन आयोग के तय मानदंडों के आधार पर अनुमति लेनी होगी।

डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा को एग्जिट पोल पर भरोसा, बोले- फिर एक बार मोदी सरकार

संवाददाता

बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री और बीजेपी नेता विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि आम चुनाव से जुड़े तमाम पूर्वानुमानों ने जनादेश की दिशा स्पष्ट कर दी है। यह साफ हो चुका है कि मोदी जी के नेतृत्व को एक बार फिर जनता का अपार समर्थन और आशीर्वाद मिलने जा रहा है। देश को बांटकर सत्ता की रोटी सेंकने वालों की हार तय है। उन्होंने नरेंद्र मोदी का विरोध करने के लिए बिना नाम लिए लालू यादव, राहुल गांधी, तेजस्वी यादव समेत इंडिया गठबंधन के नेताओं पर हमला किया।

रविवार को जारी बयान में नीतीश सरकार के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इन अनुमानों ने यह भी बता दिया है कि 'अबकी बार 400 पार' महज नारा भर नहीं था बल्कि जमीन से उठी जनभावनाओं की आवाज थी। मोदी सरकार के 10 वर्षों के काम ने देश के हर नागरिक को छूने का प्रयास किया। इस क्रम में सरकार की नीतियों के प्रभाव और प्रसार पर सहमति या असहमति हो सकती है, लेकिन उन नीतियों के पीछे किए जा रहे ईमानदार प्रयास पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। ईमानदार प्रयास करने की मोदी जी के नेतृत्व यही खूबी आज जनता के दिलों पर राज कर रही है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग अपनी गिरेबान में झांकने के बजाय मोदी जी पर व्यक्तिगत आक्षेप करने में जुटे रहे। वे न तो कोई वैकल्पिक नेतृत्व सामने रख पाए और न ही देश चलाने की कोई नीतिगत एजेंडा लेकर आ सके। उनका सारा प्रयास इसी दिशा में लगा था कि भ्रम, भय और भेद का माहौल बनाकर मोदी सरकार की लोकप्रियता को किस प्रकार कुंद किया जाए। आरोप लगाया कि उनके अहंकारी नेता अपने-अपने दल के नेताओं और कार्यकर्ताओं तक को तो हाशिये पर रखकर चल रहे थे तो गठबंधन और देश का भविष्य कहां से तय कर पाते।

केके पाठक की छुट्टी मंजूर, 28 दिनों के लीव पर रहेंगे

बिहार के शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक से जुड़ी एक अहम खबर है। सरकार ने केके पाठक की छुट्टी की अर्जी को मंजूरी दे दी है। केके पाठक 28 दिनों की छुट्टी पर चले गए हैं। वे 3 जून से 30 जून तक लीव पर रहेंगे। सीएम के प्रधान सचिव एस सिद्धार्थ को शिक्षा विभाग के एसीएस का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से इसकी अधिसूचना जारी कर दी गयी है। केके पाठक के काम करने के तरीके से विपक्ष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की खिंचाई कर रहे थे तो बीजेपी और जेडीयू के नेता भी उनसे नाराजगी जता रहे थे।केके पाठक के छुट्टी पर जाने का मामला बेहद दिलचस्प है। दरअसल अत्यधिक गर्मी के बावजूद केके पाठक बिहार के स्कूलों को बंद नहीं क रहे थे। जब सैंकड़ों की संख्या में छात्र छात्राएं और शिक्षक बीमार होने लगे तो पाठक ने स्कूल की टाइमिंग में थोड़ा बदलाव कर दिया। दूसरी ओर राजनैतिक गलियारे से स्कूलों को बंद करने की मांग की गयी। इस पर नीतीश कुमार ने स्कूलों को 8 जून तक लिए बंद कर दिया। उसके बाद केके पाठक ने रुख बदल लिया। अचानक उन्होंने लंबी छुट्टी का आवेदन दिया था। जिसे सरकार ने मंजूर कर उन्हें छुट्टी पर जाने की सहमति दे दी है।अब सवाल उठ रहा है कि केके पाठक अब शिक्षा विभाग में लौटेंगे या नहीं। जानकार बताते हैं कि केके पाठक अपना फैसला वापस नहीं लेते। सरकार ने उन्हें साइडलाइन करते हुए स्कूलों को बंद किया। राजभवन की ओर से भी मुख्य सचिव को पत्र लिखकर गर्मी में स्कूलों को बंद करने की बात कही थी।

संक्षिप्त समाचार

15 घंटे बाद मुजफ्फरपुर-देवरिया रोड हुआ चालू

मुजफ्फरपुर/सरैया, एजेंसी। जैतपुर थाना क्षेत्र के धनुपरा में गुरुवार की रात आंधी-पानी से सड़क पर पेड़ गिरने के कारण करीब 15 घंटे तक आवागमन बाधित रहा। मुजफ्फरपुर-देवरिया रोड में धनुपरा मध्य विद्यालय के समीप पेड़ गिरने की वजह से बिजली का तार भी टूट गया था। शुक्रवार दोपहर पुलिस ने पेड़ को सड़क से हटवाकर आवागमन शुरू कराया। उधर, टूटे बिजली के तार की मरम्मत के लिए कर्मियों को घंटों मशक्कत करना पड़ा। वहीं, धनुपरा सब स्टेशन व आरोपुर पावर सब स्टेशन से करीब 12 घंटे तक आपूर्ति ठप रही। हालांकि, धनुपरा पीएसएस को तो कर्मियों ने 12 घंटे बाद शुरू करवा दिया, लेकिन आरोपुर पीएसएस की बिजली आपूर्ति दोपहर तक ठप थी।

भैंस को नहलाने गई किशोरी की डूबने से मौत

मुजफ्फरपुर/मुशहरी, एजेंसी। थाना क्षेत्र के आथर गांव स्थित तालाब में भैंस को नहलाने गई किशोरी की डूबने से मौत हो गई। उसकी पहचान रजवारा पंचायत के मानिकपुर के अरुण रजक की पुत्री प्रीति कुमारी (14) के रूप में की गई है। आसपास के लोगों ने किशोरी को तालाब से निकाला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। इधर, थानेदार रंजीत कुमार ने बताया कि किशोरी के शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

अजय बने हरनाही पंचायत के उपमुखिया

मुजफ्फरपुर/मोतीपुर, एजेंसी। प्रखंड मुख्यालय सभागार में शुक्रवार को बीडीओ संजीव कुमार की अध्यक्षता में कार्यकारिणी की बैठक हुई। पर्यवेक्षक के रूप में वरीय उपसमाहर्ता विजय कुमार ने उपमुखिया कौशल्या देवी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मत विभाजन कराया, जिसमें हरनाही पंचायत के उपमुखिया पद पर अजय कुमार को विजयी घोषित किया गया। बैठक में 12 वार्ड सदस्यों और मुखिया ने भाग लिया। उपमुखिया कौशल्या देवी के खिलाफ 12 वार्ड सदस्यों एवं एक सदस्य के रूप में मुखिया ने मतदान किया, जबकि दो मत रद्द हुआ। वरीय उपसमाहर्ता ने बताया कि छह सदस्यों ने निवर्तमान उपमुखिया के खिलाफ मत दिया है। अजय कुमार को छह मत मिला, जबकि सुनंदा देवी को पांच मत मिला, दो मत रद्द हो गया। मुखिया फूलकुमारी देवी ने अजय कुमार को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर बीडीओ संजीव कुमार जेएसएस ओमप्रकाश गुप्ता, प्रमोद कुमार मौजूद थे। मुखिया फूलकुमारी देवी, प्रमिला देवी, चुल्हाई महतो, स्तान राम, रिंकू देवी, विजा साह, विपिन मिश्रा आदि ने बधाई दी है।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक जख्मी

मुजफ्फरपुर/मोतीपुर, एजेंसी। थाना क्षेत्र के महमदपुर बलमी चौक के समीप एनएच 27 पर शुक्रवार की रात एक बाइक ने दूसरी बाइक में ठोकर मार दी, जिसमें एक बाइक पर सवार पूर्वी चंपारण जिले के पिपरा के प्रमोद पटेल के पुत्र पिंटू कुमार और छोटेलाल प्रसाद के पुत्र राकेश कुमार जख्मी हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों सीएचसी में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए एसकेएमसीएच रेफर कर दिया। बताया जाता है कि शहर से एक ही बाइक सवार होकर दोनों जा रहे थे, तभी पीछे से दूसरा बाइक सवार ने ठोकर मार दी। थानाध्यक्ष राजन कुमार पांडे ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त एक बाइक को जब्त कर लिया गया है। शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

मैसूरू बेंगलुरु मुजफ्फरपुर ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन के बढ़ाए गए फेरे

नवगछिया, एजेंसी। कटिहार बरौनी रेलखंड में समर स्पेशल ट्रेन के परिचालन में वृद्धि का निर्णय रेल मंत्रालय के द्वारा लिया गया है। रेल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन सं 06221 मैसूरु-मुजफ्फरपुर प्रत्येक सोमवार को 24 जून तक कटिहार, नवगछिया, खगड़िया के रास्ते मुजफ्फरपुर तक जाएगी। वहीं ट्रेन सं 06222 मुजफ्फरपुर से प्रत्येक गुरुवार को खुलेगी जो नवगछिया कटिहार के रास्ते मैसूरु तक 27 जून तक चलेगी।

राजद सुप्रीमो लालू यादव ने परिवार संग डाला वोट
राबड़ी देवी बोलीं- 400 पार इंडिया अलायंस

पाटलिपुत्र, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के आखिरी और सातवें चरण का चुनाव जारी है। बिहार की 8 सीटों पर वोटिंग चल रही है। इस बीच आरजेडी सुप्रीमो लालू यादवने परिवार संग वोट डाला। लालू यादव पत्नी राबड़ी देवी और बेटी रोहिणी आचार्य के साथ पाटलिपुत्र के वेटरनरी कॉलेज के बूथ नंबर 171 पर अपना वोट डाला। इस दौरान मीडिया का हुजूम बूथ पर मौजूद रहा।

राजद चीफ लालू यादव मीडिया से बातचीत किए बिना ही गाड़ी में बैठ गए। हालांकि पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने कहा कि इंडिया अलायंस 400 पार पहुंच रहा है। और गठबंधन की प्रचंड जीत हो रही है। लालू की बेटी रोहिणी आचार्य में पहली बार पाटलिपुत्र में वोट डाला। और मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि उनका वोट मणिपुर की महिलाओं के सम्माने के लिए है। आपको बता दें पाटलिपुत्र लोकसभा सीट से लालू यादव की बड़ी बेटी मीसा भारती आरजेडी प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रही हैं। उनका मुकाबला एनडीए समर्थित बीजेपी प्रत्याशी रामकृपाल यादव से है। वहीं रोहिणी आचार्य सारण लोकसभा सीट से आरजेडी प्रत्याशी हैं। जहां पर वोटिंग हो चुकी है।

पाटलिपुत्र में 20 लाख 76 हजार 252 वोटर है। महिला वोटरों की संख्या पाटलिपुत्र में जहां 9 लाख 82 हजार 443 है। वहीं 10 लाख 86 हजार 861 पुरुष मतदाता हैं। यहां भाजपा के रामकृपाल यादव का सीधा मुकाबला राजद की मीसा भारती से होगा। इनके साथ ही कुल 22 उम्मीदवार पाटलिपुत्र लोकसभा सीट के लिए हो रहे चुनाव में अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। मनेर, दानापुर, फुलवारी, बिक्रम, पालीगंज और मसौढ़ी विधानसभा इसके अधीन आते हैं। इसका अधिकांश इलाका ग्रामीण क्षेत्रों में पड़ता है।

सीयूएसबी में तम्बाकू निषेध की ली गई शपथ

गया, एजेंसी। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) में एक विशेष शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। जन सम्पर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन सीयूएसबी के नशा मुक्त भारत अभियान के नोडल ऑफिसर डॉ. प्रिय रंजन ने किया। यहां डॉ. प्रिय रंजन ने अन्य प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं को नशा सेवन नहीं करने की शपथ दिलवाई। उन्होंने बताया कि तम्बाकू के सेवन से लोक-परलोक दोनों बिगड़ जाते है। गले में कैंसर की भयानक रोग 95 त खैनी खाने वाले को होता है। डॉ. रंजन ने बताया कि इस वर्ष का विश्व तम्बाकू निषेध दिवस थीम बच्चों को तंबाकू उद्योग की हस्तक्षेप से बचाना है । इस अवसर पर प्रो. विजय कुमार शर्मा, प्रो. अनिल कुमार सिंह झा, डॉ. हरेश नारायण पाण्डेय, डॉ. जितेन्द्र राम, डॉ. आदित्य मोहंती सहित विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक और विद्यार्थी भी उपस्थित थे।

चुनाव ड्यूटी के दौरान बिगड़ गई थी तबीयत, अस्पताल जाने के दौरान दम तोड़ा

हीट स्ट्रोक से पोलिंग ऑफिसर समेत दो की मौत

आरा (भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के दो अलगक्कअलग थाना क्षेत्रों में लू (हीट स्ट्रोक) के कारण पोलिंग ऑफिसर समेत दो की मौत हो गई है। पहली घटना चरपोखरी थाना क्षेत्र के बगही गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को चुनाव ड्यूटी में तैनात पोलिंग ऑफिसर जुड़ी है। इलाज के लिए आरा चरपोखरी पीएचसी लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मृतक चौरी थाना क्षेत्र के डीलिया गांव निवासी स्व. सुरेश साव के 34 वर्षीय पुत्र सुदामा कुमार है। वह सहार सीएचसी में ऑफिस असिस्टेंट के पद पर कार्यरत थे। इसके अलावा अगिआंव विधानसभा क्षेत्र के बगही गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में पोलिंग ऑफिसर 3 के पद पर चुनाव ड्यूटी तैनात में थे। मृतक के छोटे भाई लवकुश कुमार ने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर वे बगही गांव से प्राथमिक विद्यालय में पोलिंग ऑफिसर 3 के पद पर चुनाव ड्यूटी में थे। उसी दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई। कर्मचारी द्वारा ने इलाज के लिए चरपोखरी पीएचसी ले गए। जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया।

स्थानीय थाने को दी गई सूचना

सूचना स्थानीय थाना को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया। पुलिस की समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृतक की मौत लू-लगने से प्रतीत होता है। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई और दो बहन में बड़ा था। परिवार में पत्नी सबिता देवी और दो पुत्र समर और अंकुश है।

इसके अलावा जगदीशपुर थाना क्षेत्र के हरीगांव गांव में लू-लगने के कारण एक बुजुर्ग किसान की मौत हो गई। मृतक स्व.राम नरेश चौबे के 63 वर्षीय पुत्र बृज भूषण चौबे हैं जो किसान थे। मृतक के दामाद ने बताया कि वह गांव में ही घर के बाहर बैठे हुए थे। तभी हीट स्ट्रोक के कारण उनकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने सूचना परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे। सूचना स्थानीय थाना को दी। फिर शव का पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया।

अग्निवीर भर्ती लिखित परीक्षा का रिजल्ट जारी, सबसे ज्यादा जीडी में चयनित

पटना, एजेंसी। सेना भर्ती बोर्ड ने गुरुवार को देर रात अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अग्निवीर बहाली लिखित परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया। जोनल भर्ती बोर्ड मुख्यालय दानापुर के अधीन मुजफ्फरपुर, गया, कटिहार, भर्ती मुख्यालय दानापुर और रांची का परिणाम जारी किया गया है। इसमें मुजफ्फरपुर सेना भर्ती बोर्ड के अधीन आठ जिलों के 6143 अभ्यर्थियों ने पहले चरण में बाजी मारी है। 10 से 19 जुलाई के बीच मुजफ्फरपुर भर्ती बोर्ड के अधीन मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर, दरभंगा, समस्तीपुर, मधुबनी, पूर्वी व पश्चिमी चंपारण के युवाओं के लिए शारीरिक दक्षता और मेडिकल जांच प्रक्रिया चक्कर मैदान में होगी। इसे लेकर सेना भर्ती बोर्ड अभ्यर्थियों के लिए नया एडमिट कार्ड भी जारी करेगी। बहाली की तैयारी में मुजफ्फरपुर सेना भर्ती बोर्ड जुट गया है। जल्द ही जिला प्रशासन से मिलकर बहाली प्रक्रिया को लेकर बैठक करेगा।

भर्ती बोर्ड-- बहाली -- केंद्र तारीख

मुजफ्फरपुर -- मुजफ्फरपुर -- 10 से 19 जुलाई

गया -- गया -- 25 जून से 02 जुलाई

रांची -- रांची/हजारीबाग -- 27 जुलाई से 06 अगस्त

कटिहार -- कटिहार -- 15 से 30 नवंबर

आरओ (मुख्यालय) -- दानापुर 10 से 20 दिसंबर

आरओ (मुख्यालय) -- दानापुर 10 से 20 दिसंबर (वूमन पुलिस)

वूमन मिलिट्री पुलिस के लिए 25 का चयन

मुजफ्फरपुर के चार, दरभंगा के दो और समस्तीपुर के एक केंद्र पर ऑनलाइन लिखित परीक्षा के लिए अग्निवीर के जेनरल ड्यूटी (जीडी), टेक्निकल, कार्यालय सहायक/एसकेटी, ट्रेड्समैन (08वां व 10वां), अग्निवीर वूमन मिलिट्री पुलिस और सिपाही फार्मा के लिए करीब 15 हजार से अधिक अभ्यर्थी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराए थे। इसमें मुजफ्फरपुर सेना भर्ती बोर्ड के अधीन सर्वाधिक अग्निवीर जीडी में 4688, टेक्निकल में 432, अग्निवीर वूमन मिलिट्री पुलिस में 25, ऑफिस सहायक में 121, नर्सिंग सहायक में 46 और सिपाही फार्मा में 46 अभ्यर्थी आगे की प्रक्रिया के लिए चयनित हुए हैं। इसके अलावा ट्रेड्समैन से 953 सफल हुए हैं।

दो बाइक की टक्कर में जीजा-साले की मौत

दोनों बेगूसराय जा रहे थे, हादसे में दूसरा बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर में 2 बाइक के बीच टक्कर हो गई। हादसे में जीजा-साले की मौत हो गई। इसके अलावा एक अन्य बाइक सवार घायल हुआ है। मृतक पहचान खानपुर थाने के धरमपुर रेवरी निवारी मंडल राय का पुत्र विवेक राय और बेगूसराय जिले के तेघड़ा निवासी देवन राय का पुत्र डब्लू कुमार है। जबकि जख्मी जिले के सरायरंजन थाने के बरबट्टा गांव के बच्चू दास का पुत्र हरेरामदास है। जिसे प्राथमिक उपचार के बाद पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया गया है। मृतकों की पहचान जेब से मिले आधारकार्ड से हुई। घटना उजियारपुर थाने के सातनपुर बहिरा चौर की है।

एक की अस्पताल जाने के दौरान मौत

खानपुर के रेवरी गांव निवासी विवेक कुमार अपने साले डब्लू के साथ एक ही बाइस से ससुराल बेगूसराय के तेघड़ा जा रहे थे। इसी दौरान उजियारपुर थाने के एनएच-28 पर सातनपुर बहिरा चौर में सामने से आ रही बाइक से टक्कर हो गई। घटना में तेघड़ा निवासी डब्लू कुमार की मौत मौके पर ही हो गई। जबकि विवेक राय की मौत सदर अस्पताल में उपचार के दौरान हो गई। एक ही परिवार के दो लोगों की मौत की सूचना के बाद परिवार के लोगों के बीच मातम छा गया।

जख्मी की स्थिति नाजुक

जख्मी सरायरंजन थाने के बरबट्टा गांव निवासी बच्चू दास के पुत्र हरेराम दास की स्थिति नाजुक बनी हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया गया है। जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। हरेराम का कहना है कि उनके साथ एक और बाइक सवार युवक था। वो कहां है इसके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उजियारपुर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि हादसे में दो लोगों की मौत हुई है। दोनों के परिजन को जानकारी दी गई है। जख्मी का उपचार चल रहा है। घटना को लेकर एक मामला दर्ज किया गया है।

अवनीश हत्याकांड के बाद गांव में मातम का माहौल, पसरा सन्नाटा

मुजफ्फरपुर/अकबरनगर, एजेंसी। थाना क्षेत्र के भवनाथपुर गांव निवासी महेश्वरी राय के 37 वर्षीय पुत्र अवनीश कांत राय की हत्या के दूसरे दिन भवनाथपुर गांव में सन्नाटा पसरा रहा। गम में पास पड़ोस व गोतिया के घरों में चूल्हे तक नहीं जले। मृतक की पत्नी कावेरी देवी रह रहकर बेहोश हो रही थी। वहीं घटना के दूसरे दिन गांव में तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं। पुलिस हर बिंदुओं पर जांच पड़ताल कर रही है।

सुल्तानगंज घाट पर बड़े बेटे ने दी मुखाग्नि

गुरुवार की देर रात पुलिस ने अवनीश के शव की पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौप दिया। जिसके बाद मृतक का बड़े बेटे 11 वर्षीय ओजस ने सुल्तानगंज घाट पर पिता को मुखाग्नि दी। दूसरे दिन मृतक के भाई से मिलने जदयू के कई नेता घर पर पहुंचे।

शुक्रवार को अकबरनगर थाना प्रभारी रोहित रितेश के नेतृत्व में अवनीश हत्याकांड के आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अकबरनगर और आसपास के इलाकों में छापेमारी की, लेकिन पुलिस को कोई सफलता नहीं मिली। पुलिस ने एक दो दिनों में अपराधियों को गिरफ्तार करने की बात कही। थानाप्रभारी रोहित ने बताया कि हत्याकांड को लेकर गंभीरता से जांच की जा रही है। साथ ही घटना में प्रयुक्त साक्ष्य की खोजबीन की जा रही है।

मृतक के घर के आसपास सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है। जिसके फुटेज से कुछ साक्ष्य मिल सकते हैं। बताया जा रहा है कि घटना के पूर्व युवक को बासा से बुलाकर अपराधी ने ले गये, जिसके बाद घटना को अंजाम दिया गया है।

कैम्ब्रिज एजुकेशन लैब अब देश के दूसरे और तीसरे दर्जे के शहरों तक पहुंचेगी

पटना, एजेंसी। कैम्ब्रिज एजुकेशन लैब ने अब देश के दूसरे और तीसरे दर्जे के शहरों तक पहुंचने की योजना बनाई है। इसके लिए कैम्ब्रिज एजुकेशन लैब यानी सीईएल ने देश के स्कूलों के साथ समझौते करने शुरू कर दिए हैं। कैम्ब्रिज एजुकेशन लैब ने अब 9वीं से 12वीं कक्षा के भारतीय छात्रों के लिए एप्टीट्यूड टेस्ट शुरू किया है, जो खास तौर पर टियर 2 और टियर 3 शहरों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसमें शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को कैम्ब्रिज की एक सप्ताह की एक्सप्लोरेशन ट्रिप के लिए पूरा फंड दिया जाएगा, जिसका उद्देश्य छात्रों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करना है। इसके अलावा, कैम्ब्रिज एजुकेशन लैब ने फिनलैंड और जापान के लिए अपना अगला टूर और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में विश्व स्तर पर प्रसिद्ध वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. सू ब्रिंडली के नेतृत्व में एक बेहद किफायती शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किया है। लगातार दूसरे साल अपनी सफलता की कहानी दोहराते हुए कैम्ब्रिज एजुकेशन लैब ने तीन देशों में दो और शैक्षिक दौरा शुरू किया और उसे सफलतापूर्वक पूरा भी किया है। सुयश भट्ट द्वारा स्थापित, जो कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और वर्तमान में फेलो हैं, सफलतापूर्वक ने 2023 में भारतीय स्कूल नेताओं के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय और फिनलैंड के बेहद सफल दौरे आयोजित किए थे। यह पहल दुनिया भर के छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और उद्यमियों सहित सभी प्रकार के शिक्षार्थियों के लिए महत्वपूर्ण आलोचनात्मक सोच और उनके कौशल को और विकसित करने के लिए बुद्धिमानी से डिज़ाइन किए गए प्रोग्राम पेश करती है।

शिक्षकों पर फिर चला केके पाठक का डंडा, एसीएस के निर्देश पर 886 का काटा गया वेतन

पटना, एजेंसी। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के के पाठक ने लंबी छुट्टी का आवेदन दे दिया है। 3 जून से 30 जून तक वह अवकाश पर रहेंगे। लेकिन उसके पहले उनके कड़े फैसले का एक और नतीजा सामने आया है। गोपालगंज में केके पाठक के ऐक्शन की जोर-जोर से चर्चा है। वहां 886 शिक्षकों का एक दिन का वेतन एसीएस के निर्देशानुसार काट लिया गया है जिसकी राशि करीब 13 लाख है। शिक्षा विभाग में इससे हड़कंप मच गया है. बिहार के शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए केके पाठक को याद किया जाएगा। पिछले

1 साल से अपने काम को लेकर पाठक बहुत चर्चा में हैं। हालांकि कुछ निर्णय के कारण उनकी काफी आलोचना भी हुई। अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग का प्रभार लेते ही पाठक अपनी कार्यशैली को लेकर चर्चा में आ गए। फिर उनका डंडा उन शिक्षकों पर चला है। जिन्होंने अपनी ड्यूटी निभाने में कोताही बरती गोपालगंज में 886 शिक्षकों का वेतन काट लिया है। विभाग ने पिछले 10 माह में शिक्षकों पर की गई कार्रवाई का आंकड़ा जारी किया है। जारी आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2023 से लेकर मई 2024 तक 10 महीने में विभाग ने 886 शिक्षकों पर कार्रवाई करते हुए इनके वेतन से कुल 13 लाख रुपये काट विभाग के अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान स्कूल से गायब पाए गए शिक्षकों पर यह कार्रवाई हुई. इनका एक-एक दिन का वेतन काटा गया।

इस कार्रवाई से शिक्षकों में हड़कंप मचा हुआ है। हालांकि वेतन कटौती का यह आंकड़ा पिछले माह की अपेक्षा अब कम हुआ है। डीपीएम अनुराग कुमार ने बताया कि अप्रैल माह में जहां 240 शिक्षकों का वेतन काटा गया, वहीं मई में 29 तारीख तक करीब 150 शिक्षकों पर यह कार्रवाई की गई। कहा जा रहा है कि निरीक्षण का दौर जारी रहेगा और सेवा में कोताही करने वाले शिक्षकों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई चलती रहेगी।

दूसरों की सलाह पर ही न करें बदलाव

हमारी आदत है कि हम प्रोत्साहन को देखकर प्रतिक्रिया करते हैं। वर्ष 2011 में एक शोध हुआ कि कैसे समाज में सक्रिय लोग अपने व्यवहार में बदलाव लाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो लोग इस बात को लेकर ज्यादा परेशान रहते हैं कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। जो लोग अवसाद में होते हैं, वे अपने बारे में ज्यादा बेहतर जानते हैं, बजाय उनके जो अवसादग्रस्त नहीं हैं।

कैरियर बनाने के दौरान कई बार हमें सफल होने के लिए लोग सलाह देने लगते हैं। ऐसे लोगों का मानना रहता है इनकी वजह से हम खुद के प्रति रक्षात्मक हो जाते हैं और ऐसा व्यवहार करने लगते हैं, जैसे हम कुछ गलत काम कर रहे हों और हमें अपना रवैया या तौर-तरीका सुधारने की बहुत आवश्यकता है। यहां पर यह कहना सही नहीं होगा कि दूसरों के नजरिये या सुझाव हमेशा बेकार होते हैं पर हमें कोई भी बात आंख बंद कर स्वीकार नहीं करनी चाहिये हो सकता है जो बदलावा एक के लिए ठीक रहते हैं वह जरूरी नहीं दूसरे के लिए भी सफल ही रहें।

भीड़ से अलग होना

एक क्षण के लिए सोचें कि हम जीवन को लेकर अलग तरीके से व्यवहार करते हैं, हमारी शुरुआत अलग होती है और हमारे जीवन के अनुभव भी अलग ही होते हैं।

सलाह देना बन रहा चलन

लोगों को बदलाव की सलाह देना आजकल का चलन बनता जा रहा है। जरूरत से ज्यादा भावनाएं दर्शाने पर आप पर स्वभाव को लेकर एक प्रकार का ठप्पा लग सकता है।

दूसरों के लिए बदलने की जरूरत नही

हमारी आदत है कि हम प्रोत्साहन को देखकर प्रतिक्रिया करते हैं। वर्ष 2011 में एक शोध हुआ कि कैसे समाज में सक्रिय लोग अपने व्यवहार में बदलाव लाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो लोग इस बात को लेकर ज्यादा परेशान रहते हैं कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। जो लोग अवसाद में होते हैं, वे अपने बारे में ज्यादा बेहतर जानते हैं, बजाय उनके जो अवसादग्रस्त नहीं हैं।

एकदम बदलाव संभव नही

खुद को बदलना रातोंरात संभव नहीं होता, ना तो यह नए हेयर स्टाइल से संभव है और न ही वजन घटाने से या मस्तमौला दिखने से। बेशक इन बातों से हमें अच्छा महसूस हो सकता है, लेकिन हमारी आदतें और जीवनशैली वही रहेंगी और रह-रह कर तब तक उभर कर सामने आती रहेंगी, जब तक हम उन पर पूरी तरह से काबू नहीं पा लेते। दूसरे हमें स्वीकार करें, इस दिशा में प्रयास करते हुए कई बार हम यही नहीं समझ पाते कि ऐसा करके हम तनाव में आ रहे हैं या राहत महसूस करते हैं?

कैरियर बनाने के दौरान धैर्य से बनते हैं काम

कैरियर बनाने के दौरान कई बार हम जो सोचते हैं, परिस्थितियां उसके एकदम विपरीत हो जाती हैं। ऐसे में धैर्य से काम लेने वालों को ही अपनी मंजिल मिलती है। हालात मुश्किल हैं और ऐसे में परिस्थिति को संभालने के बजाए हम बेचैन हो जाएंगे तो बनता काम भी बिगड़ जाता है। हालात को स्वीकारना और विपरीत परिस्थिति में भी दृढ़ता के साथ आगे बढ़ना हिम्मत की बात होती है। ऐसे ही लोग अपनी मंजिल पा सकते हैं।

मुश्किल हालात रखें ये ध्यान

हर किसी का काम करने, सोचने-समझने का तरीका अलग होता है। कुछ तुरंत कदम उठा लेते हैं, तो कुछ हर तरह से सोच-समझकर आगे बढ़ते हैं। किस हालात में हम कैसी प्रतिक्रिया देंगे, क्या कदम उठाएंगे, यह इस पर भी निर्भर है कि हम क्या चाहते हैं? ,'हमारे जीवन की गुणवत्ता इस बात का दर्पण है कि हम खुद से क्या सवाल पूछते हैं।'

धैर्य रखना आसान नहीं होता। जो रखते हैं, वे जानते हैं कि उसका उन्हें फायदा ही हुआ है। सब्र की वजह से कई मुश्किल सवाल स्वयं हल हो जाते हैं और कई बड़े काम बिगड़ने से बच जाते हैं। ,'धैर्य, शांति से यह स्वीकारना है कि हमारे काम उन तरीकों से भी पूरे हो सकते हैं, जो सोचे नहीं थे।'

कठिन हालात में भी अच्छे व्यवहार का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। बेचैन होकर बिफरना, छोटी सी बात पर रिश्तों से मुंह मोड़ लेना या अपने जरा से फायदे के लिए दूसरों का बड़ा नुकसान कर देना बड़ा ही आसान होता है इससे आप कई रास्ते बंद कर लेते हैं। मुश्किल है तो उसे बचाए रखना, जो दरअसल आप हैं। कहा जाता है कि अच्छे स्वभाव वाला व्यक्ति वो सब पा लेता है, जो पाने की वह इच्छा रखता है।

सफलता के लिए बनाएं योजना

हर व्यक्ति सफल होना चाहता है पर यह भी जाना लेना चाहिये कि सफलता का कोई शॉर्ट कट नहीं होता और इसके लिए हमें लक्ष्य तय कर योजना बनानी होती है। अगर योजना सही नहीं रही और प्रयास ठीक से नही किये गये तो सब धरा का धरा रह जाएगा। इसलिए सफलता के लिए लक्ष्य तय करते समय इन बातों का ध्यान रखें। इसके साथ ही अगर किस कारण वश सफलता नहीं मिलती है तो दूसरा वैकल्पिक लक्ष्य भी होना चाहिये।

प्रेरित रहने की जरुरत

किसी भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरणा की जरूरत होती है। बिना इसके किसी भी लक्ष्य को हासिल नहीं किया जा सकता है। इसलिए, लक्ष्य बनाते करते समय यह तय करें कि आपका लक्ष्य आपको प्रेरित करता है या नहीं। इसके लिए, आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आपका गोल आपके लिए कितना महत्वपूर्ण है और उसे हासिल करने से आपको क्या लाभ मिलेंगे? यदि आपको परिणाम में रुचि नहीं है या उन्हें हासिल करने से आपको कोई लाभ नहीं होगा,तो काम के प्रति आपके उदासीन होने की संभावनाएं ज्यादा हैं। इसलिए, ऐसा लक्ष्य बनायें जिसे आप अपने जीवन में प्राथमिकता देते हों।

लक्ष्य अपने अनुसार तय करें

यदि आप एक ऐसा लक्ष्य निर्धारित करना चाहते हैं जो सफलता के लिए आपको प्रेरित करता हो, तो खुद से सवाल करें कि आपका लक्ष्य आपके लिए मूल्यवान और महत्वपूर्ण क्यों है और इसका जवाब लिख लें। यह आपको न केवल दूसरों को समझाने में बल्कि खोए हुए आत्मविश्वास को पुनः हासिल करने में भी मदद करेगा। आपको अपने लक्ष्य और ऑब्जेक्टिव्स को लेकर स्पष्ट होना चाहिए जिन्हें आप अपनी सफलता के लिए निर्धारित करते हैं। लक्ष्य और ऑब्जेक्टिव्स के बारे में किसी भी तरह का भ्रम आपको सही रास्ते से भटका सकता है। यदि ऐसा नहीं होता है, तो फिर से सोचें और अपने लक्ष्य को निर्धारित करते समय स्पेसिफिक और क्लियर रहें।

क्षमता के अनुसार ही लक्ष्य बनायें

अपनी सफलता को आंकने के लिए, टास्क, उनको पूरा करने का समय तथा अन्य जरूरी फैक्टर्स को भी शामिल करें। यदि गोल के रूप में आप अपने खर्च को कम करना चाहते हैं तो सफल होने पर उसका आकलन कैसे करेंगे? निश्चित ही जब आप खर्च में कटौती को मापने में सक्षम होंगे।
अपनी क्षमता के अनुसार ही लक्ष्य बनायें। ऐसा लक्ष्य न रखें जिसे हासिल करने की सम्भावना कम हो। इसके अलावा यह तय करें कि आप उसे हासिल करने में समर्थ हैं या नहीं।
असफलता का आपके आत्मविश्वास पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए, ऐसे लक्ष्य बिलकुल न रखें जिन्हें आप हासिल कर ही नहीं सकते हैं।
आपका लक्ष्य आपके करियर के अनुरूप ही होना चाहिए। इससे करियर में अपने लक्ष्य हासिल करने के आवश्यक फोकस विकसित करने में मदद मिल सकती हैं। इसलिए, इन्हें तय करते समय अपने जीवन और करियर को ध्यान में रखें और उसके अनुसार ही अपना लक्ष्य सेट करें।

समय सीमा भी रखे

लक्ष्य हासिल करने की निश्चित समयसीमा होनी चाहिए। यदि आप अपने लक्ष्य को हासिल करने की समय सीमा नहीं तय करते हैं तो आप असफल हो सकते हैं। अपने गोल और ऑब्जेक्टिव्स को केवल अपने दिमाग में न रखें बल्कि उन्हें कागज पर लिखने का प्रयास करें। इससे अपने गोल और ऑब्जेक्टिव्स पर केन्द्रित रहने में मदद मिलेगी। अपने गोल और ऑब्जेक्टिव्स लिखने के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करें जिनसे दृढ़ता मिलती हो। इससे अपने गोल हासिल करने के लिए आपको प्रेरणा मिलेगी।
लक्ष्य तय किए बिना,करियर के किसी मुकाम को हासिल नहीं किया जा सकता है। उन्हें हासिल करने के लिए, ऐसे छोटे-छोटे लक्ष्य पहले तय करें, उन्हें हासिल करने के बाद आगे बढ़े। इससे राह बनती चली जाएगी।
कई बार हम लक्ष्य तय करने के बाद उसे कैसे पाना है उसकी योजना बनाना ही भूल जाते हैं। ऐसा तब होता है जब तय रणनीति और योजना पर केंद्रित होने की जगह हमारा ध्यान परिणामों पर ज्यादा केंद्रित जाता है। जिसके कारण हम अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं।

त्वचा की समस्याओं से राहत के लिए करें ये उपाय

गर्मियों का मौसम अपने साथ स्किन (त्वचा) की कई समस्याओं को साथ लेकर आता है। गर्मियों की तेज चिलचिलाती धूम और गर्म हवाएं त्वचा को बुरी तरह नुकसान पहुंचाती हैं। गर्मी का मौसम शुरू होते ही कई लोगों में पिगमेंटेशन, सन बर्न, रैशेज की समस्या आम हो जाती है जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, उनकी त्वचा ज्यादा गर्मी पड़ने से झुलस जाती है और रंगत भी काली पड़ने लगती है। ऐसे में कुछ टिप्स अपना कर आप त्वचा संबंधित कई समस्याओं से बच सकती हैं।

मुंहासे- गर्मी के मौसम में ज्यादा पसीना आने से त्वचा के पोर्स में तेल और बैक्टीरिया जमा होने लगते हैं, जिससे मुंहासे निकलने लगते हैं। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप दिन में दो बार चेहरे को ठंडे पानी से जरूर धोएं।

ड्राई स्किन- गर्मी के मौसम में ज्यादा पसीना आने, एसी रूम में बैठने और स्विमिंग पूल में ज्यादा देर तक रहने से स्किन ड्राई हो जाती है। ड्राई स्किन की समस्या से बचने के लिए नियमित तौर पर मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल जरूर करें। ड्राइनेस से बचने के लिए माइल्ड फेस वॉश और माइल्ड साबुन का ही इस्तेमाल करें।
स्किन एलर्जी- कई लोगों को धूप में निकलने से स्किन एलर्जी हो जाती है। त्वचा पर लाल चकते पड़ने लगते हैं, जिनमें खुजली भी होती है। इससे बचने के लिए जितना हो सके धूप में जाने से बचें। जब भी बाहर जाएं खुद को अच्छी तरह से कवर जरूर कर लें। ज्यादा एलर्जी होने पर डॉक्टर से संपर्क करना ना भूलें।
सनबर्न से बचने के लिए धूप में निकलने से पहले सनस्क्रीन जरूर लगाएं। बता दें, सनस्क्रीन का असर दो घंटे तक ही रहता है। इसलिए धूप में निकलते वक्त इस बात का ध्यान जरूर रखें। गर्मियों में बाहर जाते समय ऐसे कपड़े ही पहनें, जिससे शरीर पूरी तरह ढक जाए।

मुंहासों से राहत पाने करें ये उपाय

मुंहासें सुंदरता को बिगाड़ने के साथ-साथ आपके आत्मविश्वास को भी कम करते हैं। अगर आप भी मुंहासों से परेशान हैं और घरेलू उपायों के जरिये इन्हें ठीक करना चाहती हैं तो परेशान न हों। इसके लिए कई प्रकार के उपाय हैं।

बेकिंग सोडा

मुंहासों की समस्या दूर करने के लिए सबसे पहले बेकिंग सोडा को पानी के साथ मिलाकर उसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने से मुंहासों की समस्या से आसानी से राहत मिल सकती है। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाकर सूखने दें। जब यह अच्छे से सूख जाए तो चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

विटामिन ई

मुंहासों के गहरे निशान ठीक करने के लिए विटामिन ई के कैप्सूल एक बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। इसके लिए विटामिन ई का कैप्सूल तोड़कर उसे मुंहासों के दाग पर लगाएं। इस उपाय को आप दिन में एक बार इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसा करने से आपको कुछ दिनों में ही असर दिखने लगेगा।

नींबू का रस

नींबू जैसे खट्टे फलों में सिट्रिक एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है। सिट्रिक एसिड जलन कम करने, दाग के निशान मिटाने और स्किन में पड़ने वाली झुर्रियों को दूर करने में बेहद फायदेमंद माना जाता है। नींबू का रस मेलानिन के उत्पादन को रोककर त्वचा की रंगत निखारने में भी मदद करता है।

मलाई से त्वचा निखारें

क्या आप जानती हैं मलाई त्वचा को खूबसूरत बना सकती है। सेहत के लिए फायदेमंद मलाई त्वचा को खूबसूरत बनाने में भी बेहद लाभकारी होती है। मलाई से त्वचा की रंगत को निखारने के साथ किस प्रकार स्वस्थ बनाया जा सकता है वह इस प्रकार है। मलाई त्वचा के लिए बेस्ट मॉइस्चराइजर के तौर पर काम करती है। कुछ मिनटों तक चेहरे पर मलाई से मसाज करने से त्वचा के डैमेज टीश्यूज ठीक हो जाते हैं, जिससे त्वचा स्वस्थ बनती है।

मलाई सिर्फ त्वचा को मॉइस्चराइज ही नहीं करती है, बल्कि इससे चेहरे पर निखार भी आता है। इसके लिए मलाई में थोड़ा सा शहद मिक्स कर के चेहरे पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा पर चमक आएगी। आपको जानकर हैरानी होगी कि मलाई त्वचा की रंगत को भी निखारती है। मलाई में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन पर मौजूद टैनिंग को दूर कर के त्वचा को प्राकृतिक तरीके से निखारती है। कुछ लोगों के चेहरे पर अधिक काले धब्बे होते हैं, जिनपर कई महंगी क्रीम भी असरकारी नहीं होती है। लेकिन अब आप अपने धब्बों से राहत पा सकते हैं। इसके लिए धब्बों पर मलाई लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। जल्दी असर चाहती हैं तो मलाई में थोड़ा सा नींबू का रस मिला कर लगाएं। मलाई के सूखने पर ताजे पानी से मुंह धो लें। फर्क साफ नजर आने लगेगा। रोजाना चेहरे पर मलाई लगाने से चेहरा लंबे समय तक जवां बना रहता है।मलाई में मौजूद प्रोटीन और विटामिन त्वचा में कोलेजन के प्रोडक्शन को बढ़ाता है, जिससे त्वचा जवां नजर आती है।

गर्मी में चर्म रोगों का खतरा ज्यादा

गर्मी के मौसम में चर्म रोगियों की तादाद में तेजी आ जाती है। बढ़ती गर्मी, प्रदूषण और रहन सहन के तौर तरीकों में आए बदलाव के कारण चर्म रोग तेजी से बढ़ते हैं। एक अध्ययन के मुताबिक आज शहरी और ग्रामीण इलाकों में 10 में से 7 लोग चर्म रोगों से परेशान दिखवाई देंगे।

पसीना

गर्मियों में त्वचा के अधिकतर रोग पसीने से संबंधित होते हैं। चिपकी हुए जगह (जांघ, बगल आदि) में पसीने के एकत्र होने और गंदगी जमा होने से फफूंद पनपने लगती है। शुरुआत में कालापन, लालपन, फुंसियां या फिर चकते बन सकते हैं। ध्यान न देने पर खुजली, एलर्जी या फिर जलन हो सकती है। छोटे बच्चों , दूध पीते नवजात में ज्यादा पसीना आने से घमौरी या फिर फोड़े फुंसी हो सकते हैं।

यह सावधानी रखें

पसीने से छुटकारे के लिए ढीले ढाले साफ सुथरे कपडे पहनें। हो सके तो दो बार स्नान करें। पूरी तरह सूखने के बाद ही अंतःवस्त्र पहनें। अपना साबुन तौलिया अलग रखें। घर में किसी को चर्म रोग है तो उनके कपड़े धोने के लिए अलग व्यवस्था करें।

यह न करें

डॉक्टर से संपर्क करें। अपने मन से दवा न लें क्योंकि बाजार में मिलने वाली अधिकतर क्रीम में स्टेरॉइड होता है जो संक्रमण को थोड़े समय तक दबा देता है परन्तु इससे संक्रमण ज्यादा बढ़ सकता है इसलिए डॉक्टर से दवा लें।

कैसे करें बचाव

धूप में ना निकलें। पूरी बांह के कपड़े पहनें। कैप का इस्तेमाल करें। शुष्क त्वचा पर ज्यादा साबुन या हार्ड फेस वाश का इस्तेमाल न करें। जिन लोगों को धूप से एलर्जी है वो लोग अपनी त्वचा के लिए उपयुक्त सनस्क्रीन दो से तीन बार लगाएं। पानी खूब पीएं। गर्मी से कई लोगों की बिना ढकी चमड़ी शुष्क हो जाती है। अल्ट्रावायलेट किरणें और प्रदूषण से एलर्जी आम बात है।

स्ट्रॉबिरी फेस पैक से निखरेगी त्वचा

स्ट्रॉबेरी खाने में तो स्वादिष्ट होता ही है यह सुंदरता भी निखारता है। स्ट्रॉबेरी में उपलब्ध एंटी-ऑक्सीडेंट गुण स्वादिष्ट होन के साथ त्वचा में कसाव और दमक लाने का काम भी करते हैं। स्ट्रॉबेरी के कुछ ऐसे ही फेस पैक की सहायता से आप सेहत के साथ अपने सौन्दर्य में भी निखार सकती हैं।

स्ट्रॉबिरी फ्रेश क्रीम मास्क

इस मास्क को बनाने से पहले सबसे पहले आपको चाहिए स्ट्रॉबेरी प्यूरी। इस प्यूरी में फ्रेश क्रीम (ड्राई स्किन) और दही (ऑयली स्किन) के साथ एक चम्मच शहद मिला लें। अब इस मास्क को 10 मिनट के लिए चेहरे पर लगा छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धोकर साफ कर लें। यह चेहरे से मुंहासों को दूर कर स्किन पर चमक और निखार लाता है।

स्ट्रॉबिरी फेस मास्क

इस फेस मास्क को बनाना बेहद आसान है। इसे बनाने के लिए आपको 3 से 4 स्ट्रॉबेरी की प्यूरी बनानी है। अब इस प्यूरी को 15 मिनट के लिए ऐसे ही अपने चेहरे पर लगा रहने दें। 15 मिनट बाद मास्क के सूखने पर चेहरे को सादे पानी से धो लें। इस मास्क का इस्तेमाल करने पर आपके चेहरे पर चमक के साथ कसाव भी आएगा।

स्ट्रॉबिरी और चॉकलेट मास्क-

स्ट्रॉबेरी को मसलकर उसका पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट में शहद के साथ कोको पाउडर मिलाकर उसका पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगा छोड़ दें। यह मास्क प्राकृतिक तरीके से चेहरे की मृत त्वचा की परत उतारता है। शहद में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण स्किन को मुलायम बनाता है जबकि स्ट्रॉबेरी और कोको स्किन में चमक लाने का काम करते हैं.

स्ट्रॉबिरी और नींबू मास्क

त्वचा में चमक लाने के लिए स्ट्रॉबेरी और नींबू से बना मास्क लगाएं। यह आपकी त्वचा से टैन को दूर करके रंगत को निखारने का काम करता है। इस मास्क को बनाने के लिए स्ट्रॉबेरी पेस्ट में एक चम्मच नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर 10 मिनट के लिए इस मास्क को लगाएं। थोड़ी देर बाद चेहरे को गुनगुने पानी से साफ कर लें।

संक्षिप्त समाचार

ज्ञानवापी में पूजा के अधिकार पर एक और मुकदमा

वाराणसी, एजेंसी। सिविल जज सीनियर डिवीजन हितेश अग्रवाल की कोर्ट में शुक्रवार को ज्ञानवापी पर एक नया वाद दाखिल किया गया है। कोर्ट ने इसे मूलवाद के रूप में दर्ज कर प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया है। साथ ही तीन जुलाई को लिखित कथन दाखिल करने और सुनवाई के लिए नौ जुलाई की तिथि नियत की है। बाद में वाद को अगली सुनवाई के लिए सिविल जज सीनियर डिवीजन (चतुर्थ) की कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया। केस में अंजुमन इंतेजामिया कमेटी और काशी विश्वनाथ मंदिर बोर्ड ट्रस्ट को प्रतिवादी बनाया गया है। प्रतापगढ़ निवासी पत्रकार सौरभ सिंह सोमवंशी, कौशांबी के सामाजिक कार्यकर्ता विजय कुमार सिंह, इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता राणा प्रताप सिंह व सुप्रीम कोर्ट की एडवोकेट रीना एन. सिंह ने अधिवक्ता आरके सिंह के माध्यम से कोर्ट में वाद दाखिल किया है। कहा है कि ज्ञानवापी तीर्थस्थल है। यहां से कभी गंगा बहती थीं, जिसका अस्तित्व एक कुएं के रूप में आज भी विद्यमान है। यह ज्ञानवापी परिसर के अंदर है। इसका वर्णन स्कंद पुराण में है। आदिविश्वेश्वर, नंदी महाराज अन्य देवी देवताओं को उनसे अलग किया गया। साथ ही भगवान के भक्तों से दूर रखा जा रहा है। सर्वे में सारे प्रमाण आ गये है। ज्ञानवापी परिक्षेत्र से मस्जिद को हटाकर हिंदुओं को सौंपा जाए। मुस्लिम कब्जे से मुक्त कराया जाए। ताकि भगवान की पूजा-पाठ, राग-भोग और आरती सुचारु रूप से सम्पन्न हो सके।

छत्तीसगढ़ में तेजी से चढ़ रहा पारा, 47 डिग्री पार हुआ तापमान, सुबह से ही चल रही गर्म हवाएं

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में तेज गर्मी और सूरज की तपिश से गर्म हवाएं चल रही है। इसका असर यह हो रहा है कि सुबह के नौ बजे ही पारा चढ़ने लगा है। मई महीना जाते-जाते सुबह नौ बजे मैक्सिमम टेंप्रेचर 37 डिग्री दर्ज किया गया। यह तापमान बीते 29 मई का था। ऐसे में सुबह नौ बजे ही घर से बाहर निकलने पर तेज धूप जलाने लग रही है। इसके अलावा दिन चढ़ने पर 11 बजे टेंप्रेचर 40.4 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम को लेकर जानकारों का मानना है कि 15-20 साल पहले जो तापमान सुबह के 11 बजे होता था वह अब नौ बजे होने लगा है। बदलते मौसम को लेकर मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग ने मौसम का पैटर्न बदल दिया है। हमारी रोजमर्रा की आदतें, पराली जलाने, दुनिया में चल रहे युद्ध, व्हीकल्स, एयरकंडीशन, ग्रीन हाउस गैसेस का बढ़ना और प्री मानसून एक्टिविटी का कम होना ग्लोबल वार्मिंग के रीजन है। ग्रीन हाउसेज गैसों के बढ़ने से एक्सट्रीम वेदर कंडीशन पूरी दुनिया में बढ़ रही हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में मौसम को लेकर बात करें तो, छत्तीसगढ़ में बीते 3-4 दिनों से पारा 47 डिग्री पहुंच रहा है। वहीं सुबह 9 से ही तापमान बढ़कर 38 डिग्री पहुंच रहा है। प्रदेश में आज सुबह से गर्म हवाएं चलने की कारण लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। निकलकर काम निपटाने होते हैं, लेकिन 9 बजे से ही गर्मी के चलते लोगों को राहत की सुबह नहीं मिल पा रही है।

जनसुनवाई के दौरान बिगड़ी मंत्री जवाहर सिंह बेढम की तबीयत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी है। जनसुनवाई के दौरान गृहराज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम की तबीयत बिगड़ गई। शहर के एक निजी होटल में शुक्रवार को जनसुनवाई के दौरान अचानक गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम की तबीयत खराब हो गई। तुरंत मौके पर ही चिकित्सक को बुलाया गया। चिकित्सक ने स्वास्थ्य जांच की तो पता चला कि गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह का तेज गर्मी और लगातार व्यस्तता के चलते ब्लड प्रेशर बढ़ गया है। ऐसे में चिकित्सक ने मंत्री को आराम करने की सलाह दी है। दरअसल में शुक्रवार दोपहर को शहर के सारस चौराहा स्थित एक निजी होटल में गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम जनसुनवाई कर रहे थे। इस दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। तुरंत डॉक्टर को मौके पर बुलाया गया, जिसके बाद उन्होंने मंत्री जवाहर सिंह बेढम का ब्लड प्रेशर चेक किया, जिससे पता चला कि मंत्री का ब्लड प्रेशर बढ़ गया है। ऐसे में तुरंत उन्हें दवाई दी गई, जिसके बाद उनकी तबीयत सामान्य हुई। डॉ. गजेंद्र ने बताया कि लगातार दौरे, जनसुनवाई, गर्मी और थकान की वजह से बीपी बढ़ गया था. मंत्री को पहले से ही ब्लड प्रेशर की समस्या थी।

हीटवेव से हुई मौतों पर भजनलाल के दो मंत्रियों में टकराव, किरोड़ी लाल के दावे पर उठाए सवाल

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान में हीटवेव से हुई मौतों के आंकड़ों पर भजनलाल सरकार के दो मंत्रियों में टकराव हो गया है। दोनों ही मंत्री एक-दूसरे की बात को काट रहे है। आपदा प्रबंधन मंत्री किरोड़ी लाल मीणा का कहना है कि हीटवेव से 12 लोगों की मौत हो गई है। इन सभी के लिए मुआवजा के ऐलान भी कर दिया है। जबकि स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर का कहना है कि हीटवेव से सिर्फ 6 लोगों की मौत हुए है। बता दें राजस्थान में हीटवेव के कारण हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक अब तक 50 से ज्यादा लोगों की हीटवेव से मौत हो चुकी है। जबकि आपदा प्रबंधन मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के मुताबिक 12 लोगों की मौत हुई जिनके लिए उन्होंने

मुआवजे का ऐलान किया है।

कांग्रेस ने भी उठाए सवाल: पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा का कहना है कि भीषण गर्मी और हीट वेव के प्रबंधन में पूरी तरह विफल रही भाजपा सरकार अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद मृतकों को मुआवजा देने से बचने के लिए मौत के आंकड़े छिपाने का पाप कर रही है। एसएमएस अस्पताल से चौंकाने वाली सूचना है, जहां हीट वेव से मौत के बाद करीब 40 अज्ञात लोगों के शव मोर्चरी में हैं, हर दिन करीब 20-25 अज्ञात लोगों के शव मोर्चरी में आ रहे हैं। लेकिन सरकार मुआवजा देने से बचने के लिए मौत के अलग-अलग कारण बताकर 3 दिन के भीतर पोस्टमार्टम करके मामलों को निपटा रही है। पुलिस की कार्रवाई, परिवार को ढूंढने और समाचार पत्र में सूचना प्रकाशित करने की प्रक्रिया में करीब 7 दिन लग जाते हैं। जिसके पश्चात डेड बॉडी को डिस्पोज किया जाता है। ये आंकड़े सिर्फ एसएमएस अस्पताल के हैं, पूरे प्रदेश के हालात भयावह एवं चिंताजनक है। सरकार सिर्फ 5 लोगों की हीट वेव से मौत बता रही है।

यूपी में पंचायतीराज विभाग की नई व्यवस्था, चेहरा देखकर ही खुलेंगे पंचायत के कम्प्यूटर

लखनऊ, एजेंसी। अब ग्राम प्रधान या पंचायत सचिव के घर पर या उनके किसी अन्य ठिकाने पर पंचायतीराज विभाग के कम्प्यूटर काम नहीं करेंगे बल्कि यह कम्प्यूटर प्रत्येक ग्राम सचिवालय में ही संचालित होंगे। यह कम्प्यूटर तभी काम करेंगे जब ग्राम पंचायत सहायक अपने रजिस्टर्ड मोबाइल फोन से पंचायत गेट-वे ऐप पर क्यूआर कोड प्रमाणित कर लॉगिन करेंगे। यानि ग्राम पंचायत सहायक का चेहरा देखकर ही कम्प्यूटर खुलेगा। इससे ग्राम सचिवालय में उनकी उपस्थिति भी सत्यापित होगी।

बीती 24 मई को पंचायती राज निदेशक अटल कुमार राय ने यह पत्र सभी जिला पंचायतीराज अधिकारियों को जारी किया है। इसमें निर्देश दिए गए हैं कि सभी पंचायत सहायक द्वारा अपने मोबाइल फोन पर पंचायत गेट-वे मोबाइल एप और पंचायत गेट-वे पोर्टल पुन इंस्टाल करें। इस आदेश के मुताबिक पंचायत सहायक/एकाउंटेंट-कम-डाटा इण्ट्री आपरेटर द्वारा ही अपने रजिस्टर्ड मोबाइल फोन से पंचायत गेट-वे ऐप पर क्यूआर कोड प्रमाणित कर लॉगिन किया जा सकेगा। पंचायत सचिवालय में स्थापित कम्प्यूटर सिस्टम से ही सभी भुगतान किये जा सकेंगे। पंचायतीराज विभाग के अफसरों का कहना है कि अब पंचायत सचिवालय में ही कम्प्यूटर संचालित होंगे। पंचायतीराज विभाग की नई व्यवस्था ग्राम प्रधानों को रास नहीं आ रही है। राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा का कहना है कि पंचायत का भुगतान गेटवे से करने के विस्तृत निर्देश चिंतित करने वाले हैं।

दिल्ली में आधी रात को धू-धूकर जला कश्मीरी गेट मेट्रो थाना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कश्मीरी गेट मेट्रो थाने में देर रात आग लग गई। अधिकारियों ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस घटना किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। करीब डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। यह आग कैसे लगी फिलहाल इसकी सही वजह पता नहीं चल सकी है। शुरूआती तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि देर रात करीब 12-45 बजे आग लगने के बारे में एक कॉल आई, जिसके बाद 12 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन थाने का एक हिस्सा आग में क्षतिग्रस्त हो गया, जिसमें मालखाना भी शामिल है जहां मुकदमों से संबंधित सामान को रखा जाता है। आग की कूलिंग का काम चल रहा है। आईजीएल की पाइप लाइन में आग से हड़कंप वहीं, दिल्ली के साकेत स्थित पर्यावरण कॉम्प्लेक्स में आईजीएल (इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड) की गैस पाइपलाइन में भी शुक्रवार देर रात तकनीकी खराबी के चलते आग लग गई। गैस पाइपलाइन में आग लगने से कुछ ही देर में आग फैल गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग को दी। आग लगने की सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल की दो गाड़ियों ने 20 मिनट में आग पर काबू पा लिया। एक अन्य मामले में हरकेश नगर स्थित जंगल में संदिग्ध परिस्थिति में आग लग गई। आग लगने के चलते जंगल में लगे छह से अधिक पेड़ जल गए। दक्षिणी दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि साकेत स्थित पर्यावरण कॉम्प्लेक्स में आइजीएल की गैस पाइपलाइन जा रही है। गुरुवार रात करीब पौने दो बजे गैस पाइपलाइन में आग लग गई।

हिमाचल में कंगना, अनुराग ठाकुर, सुक्खू समेत कई दिग्गज नेताओं ने किया मतदान

मंडी, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश में लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में 4 लोकसभा सीटों पर सुबह 7 बजे से वोटिंग जारी है। हिमाचल में मंडी लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार कंगना रनौत, विक्रमादित्य सिंह, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ,केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अनुराग ठाकुर समेत कई दिग्गज नेताओं ने मतदान किया है।

मंडी लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार कंगना रनौत ने कहा, मेरी सभी से अपील है कि लोकतंत्र के महापर्व में वे बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। मोदी जी की लहर पूरे हिमाचल प्रदेश में है। पीएम मोदी ने इस बार करीब 200 रैलियां की हैं। उनका लोहा पूरा देश और प्रदेश मानता है। मुझे अवश्य यहां से आशीर्वाद मिलेगा... 400 पार में हिमाचल की भी 4 सीटें रहेंगी।

केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अनुराग ठाकुर ने कहा, मैंने मतदान कर दिया है। आप सभी भी जल्द से जल्द मतदान करके अपना योगदान दें। दुनिया उम्मीद भरी नजरों से भारत की तरफ देख रही है। विकसित भारत बनाना है। हम सभी को अपना योगदान करना है। जनता का पूरा आशीर्वाद मिलने वाला है। हम लोकसभा की सभी 4 सीटें

जीतेंगे। हिमाचल प्रदेश उपचुनाव में सभी 6 विधानसभा सीटें भी हम जीतने वाले हैं। कुछ राजनीतिक दलों ने चुनावी नतीजों से पहले ही हार मान ली है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा, ...जनता ने एक ही बात ध्यान में रखी है कि मोदी की गारंटी मतलब गारंटी पूरी होने की गारंटी। देश सुरक्षित है, देश मजबूत हाथों में है। मोदी जी के नेतृत्व में एक मजबूत सरकार चल रही है और देश को आत्मनिर्भर बना रहे हैं...कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में तुष्टीकरण की बात की। असल धर्मनिरपेक्ष मोदी जी हैं। जिन्होंने सभी योजनाएं दीं और कभी नहीं कहा कि किसी धर्म को दिया और किसी धर्म को नहीं दिया। विक्रमादित्य सिंह ने कहा, आज बहुत अच्छा दिन है पूरे क्षेत्र से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। केवल विक्रमादित्य सिंह नहीं बल्कि पूरे मंडी क्षेत्र के 14 लाख लोगों की जीत होगी। मिलकर हम विकास कार्यों को आगे लेकर जाएंगे। मेरा निवेदन है कि ज्यादा से ज्यादा लोग मतदान करने आएं।

432 लोगों को तीन महीने में मिलेंगे पीएम आवास योजना के फ्लैट; जीडीए सचिव कर रहे निगरानी

नई दिल्ली, एजेंसी।
प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को तीन महीने में डासना प्रोजेक्ट के मकानों पर कब्जा देने की तैयारी है। डासना में चल रहे प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य का निरीक्षण प्रभारी मुख्य अभियंता लगातार कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता परखने के साथ ही जल्द काम पूरा करने के निर्देश दिए। जीडीए डासना में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 432 मकान तैयार कर रहा है। यह प्रोजेक्ट एक मार्च 2019 को शुरू हुआ था, जबकि इसका निर्माण कार्य समाप्त होने की समयावधि 30 जून 2023 तय की गई थी।

14,074 वर्ग मीटर में फैले इस प्रोजेक्ट में भवनों का स्ट्रक्चर बनकर तैयार हो चुका है। यहां तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है। प्रभारी मुख्य अभियंता मानवेंद्र सिंह इस प्रोजेक्ट का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने यहां

मकानों के निर्माण में प्रयोग होने वाली सामग्री की जांच की। साथ ही तैयार मकानों में लगी सामग्री को भी परखा। इस दौरान उन्होंने ठेकेदार से एक महीने में इन मकानों को तैयार करने के लिए कहा। बता दें कि चार मंजिला इमारत में तैयार हो रहे भवनों का कारपेट एरिया 22.67 वर्ग मीटर है जबकि इसका सुपर एरिया 34.07 वर्ग मीटर है। इन भवन में दो कमरे, कुकिंग स्पेस, बाथरूम, डब्लूसी, बरामदा है।

सचिव खुद कर रहे निगरानी: प्रधानमंत्री आवास योजना प्रोजेक्ट की निगरानी जीडीए सचिव खुद कर रहे हैं। वह लगातार निर्माणाधीन प्रोजेक्ट का निरीक्षण करते हैं। ताकि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता में कोई कमी ना रह सके। उन्होंने संबंधित ठेकेदारों और अधिकारियों को भी हिदायत दे रखी है कि निर्माण कार्य में लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जीडीए साढ़े तीन हजार मकान बनवाएगा: जीडीए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पांच प्रोजेक्ट तैयार कर रहा है। मधुबन-बापूधाम, डासना, प्रताप विहार, नूरनगर और निवाड़ी में चल रहे प्रोजेक्ट में कुल 3,496 मकान बनेंगे। प्राधिकरण ने सभी प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। हालांकि सभी प्रोजेक्ट ऐसे हैं, जिनमें काम करने की गति धीमी है। वहीं, निजी बिल्डर भी 2805 फ्लैट तैयार कर रहे हैं।

अमित शाह ने राजकोट अग्निकांड को लेकर की बैठक, कोर्ट ने 4 आरोपियों को 12 दिन की रिमांड पर भेजा

राजकोट, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को छोटे से प्रवास पर राजकोट पहुंचे। यहां उन्होंने 'ट्रआरपी गेम जोन' अग्निकांड हादसे को लेकर नगरीय निकाय और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की। अधिकारियों के साथ उनकी यह बैठक उनके सोमनाथ रवाना होने से पहले दोपहर को राजकोट के हवाई अड्डे पर हुई, इसके बाद वे वेरावल जिले के प्रभास पाटन में स्थित सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए निकल गए। इसी मामले में गुरुवार को गिरफ्तार 4 अधिकारियों को अदालत ने 12 दिन की रिमांड पर भेज दिया।

बैठक के दौरान शाह ने भीषण आग से निपटने के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा की। बैठक में राजकोट नगर निगम आयुक्त डी.पी. देसाई, पुलिस आयुक्त ब्रजेश कुमार झा और जिला कलेक्टर प्रभा जोशी शामिल हुए। यह बैठक लगभग 40 मिनट तक चली। 25 मई को हुए इस अग्निकांड में 27 लोगों की जान चली गई थी।

उधर इसी हादसे को लेकर राजकोट क्राइम ब्रांच द्वारा गुरुवार को गिरफ्तार किए गए नगर नियोजन अधिकारी मनसुख सागथिया, सहायक नगर नियोजन अधिकारी मुकेश मकवाना और गौतम जोशी तथा फायर स्टेशन अधिकारी रोहित विगोरा को शुक्रवार को राजकोट की एक अदालत ने 12 दिन की रिमांड पर भेज दिया। पुलिस जांच में अग्निकांड को लेकर राजकोट नगर निगम के इन चार अधिकारियों की जिम्मेदारी सामने आई है। जिसके बाद पुलिस में इनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले, पुलिस ने बिना आवश्यक अनुमति के संचालित किए जा रहे टीआरपी गेम जोन के प्रबंधक और चार मालिकों को गिरफ्तार किया था।

जलसंकट के लिए हरियाणा को जिम्मेदार बताने पर केजरीवाल के बयान पर नायब सरकार के मंत्रियों ने घेरा

चंडीगढ़, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली में जल संकट के लिए हरियाणा सरकार को जिम्मेदार बताने वाले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बयान पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की ओर से मोर्चा संभालते हुए कृषि मंत्री कंवरपाल गुर्जर, सिंचाई मंत्री अभय यादव, पंचायत राज्यमंत्री महिपाल ढांडा, परिवहन मंत्री असीम गोयल और भाजपा के मुख्य प्रवक्ता जवाहर यादव ने आंकड़ों के साथ केजरीवाल सरकार को आईना दिखाया है। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी का आरोप है कि इस साल मई से ही हरियाणा ने यमुना में दिल्ली के हिस्से का पानी रोक दिया। इसके कारण जलस्तर घट गया है।

कृषि मंत्री बोले, दिल्ली में पानी की व्यवस्था सुधारें: हरियाणा के कृषि मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने केजरीवाल को दिल्ली में पानी की व्यवस्था सुधारने की नसीहत दे

डाली। उन्होंने कहा कि हरियाणा पहले ही 350 क्यूसिक पानी ज्यादा दे रहा है। दिल्ली सरकार पानी किल्लत को लेकर ड्रामेबाजी कर रही है।

दिल्ली को 1049 क्यूसिक पानी दे रहा हरियाणा: सिंचाई राज्यमंत्री: सिंचाई राज्यमंत्री अभय यादव ने कहा कि दिल्ली का अधिकार 719 क्यूसिक पानी का है, जबकि हरियाणा उसे 1049 क्यूसिक पानी दे रहा है। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जो याचिका दायर की है, उसका हरियाणा तथ्यों के साथ जवाब देगा। अभय यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव के समय मुद्दों का राजनीतिकरण किया जाता है। जिस तरह हरियाणा अपने संसाधनों से पानी का प्रबंधन करता है, उसी तरह दिल्ली भी अपना प्रबंधन ठीक करे। पंचायत राज्यमंत्री महिपाल ढांडा ने दावा किया कि दिल्ली का पानी माफिया जनता तक पानी पहुंचने नहीं दे रहा है। दिल्ली में तस्करों को पता है कि सबसे ज्यादा कमाई पानी से होती है। दिल्ली को हरियाणा पर आरोप लगाने की बजाय यह पता लगाना चाहिए कि दिल्ली का पानी कहां जा रहा है। कौन पानी चोर हैं, जो पानी की तस्करी करते हैं।

एसवाईएल का पानी पंजाब से दिलाएं केजरीवाल : भाजपा: भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता जवाहर यादव ने कहा कि दिल्ली सी.एम. अरविंद केजरीवाल सिर्फ ड्रामा करते हैं वे सिर्फ हरियाणा पर कम पानी देने के आरोप लगाते हैं। पानी प्रकृति की देन है, जो पीछे से पानी आता है, वही दिया जाता है, हरियाणा पानी नहीं बनाता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार पर नरवाना ब्रांच के रखरखाव के 204 करोड़ रुपए हरियाणा के बकाया है, जो उसने अभी तक नहीं दिए हैं। केजरीवाल अगर हरियाणा से पानी मांगते हैं, तो राजीव लोंगोवाल समझौते के तहत हरियाणा को पंजाब से भी पानी दिलवाएं। एस.वाई.एल. का का पानी दक्षिण हरियाणा के महेंद्रगढ़-रेवाड़ी और भिवानी का हक है, केजरीवाल उसे पंजाब से दिलवाएं। केजरीवाल को आंकड़ों के हिसाब से स्थिति साफ करनी चाहिए। पहले दिल्ली को कितना पानी मिलता था, अब दिल्ली को कितना पानी मिलता है। पानी की निगरानी के लिए दिल्ली और हरियाणा के अधिकारियों की एक संयुक्त कमेटी है, जो हर घंटे पानी का डाटा एकत्रित करती है। उन्होंने कहा कि आरोप दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लगा रहे हैं, जबकि दिल्ली के अधिकारी कुछ नहीं बोल रहे। केजरीवाल अपनी गलतियों को छिपाने का काम कर रहे हैं, जो छिप नहीं रही है।

पानी के लिए हुई अव्यवस्था के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार : सुशील गुप्ता: आम आदमी पार्टी के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष डा. सुशील गुप्ता ने शुक्रवार को बयान जारी कर प्रदेश में पानी की किल्लत को लेकर हरियाणा सरकार को नसीहत दी। उन्होंने कहा कि आज पूरे हरियाणा में पानी के लिए मारामारी हो रही है। इस मिस मैनेजमैंट के लिए सीधे तौर पर हरियाणा सरकार जिम्मेदार है। हरियाणा के कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां पानी की एक बूंद भी नहीं पहुंच रही। तापमान 50 डिग्री पहुंचने के बावजूद हरियाणा सरकार ने पानी के इक्वल डिस्ट्रीब्यूशन के लिए कोई कदम नहीं उठाए है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की गलती का खामियाजा जनता भुगत रही है। दिल्ली में पानी की भरपूर कमी है और चारों तरफ से पानी रुक गया है। इसके बावजूद भी आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार मैनेजमैंट कर रही है। दिल्ली सरकार समर एक्शन प्लान लेकर पानी पहुंचाने का काम कर रही है। जिसके तहत पानी का इस्तेमाल कैसे करें, पानी का डिस्ट्रीब्यूशन कैसे करें। टैंकर माफिया को खत्म किया और पानी की वेस्टेज को कैसे खत्म किया। हरियाणा सरकार को भी दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार से सीखना चाहिए।

फार्मास्युटिकल निर्यात के लिए भारत की नजर ब्रिटेन-अमेरिका पर

बेल्जियम, नीदरलैंड और ब्रिटेन में रोड शो करने की है योजना

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025 में भारत की नजर 31 अरब डॉलर के फार्मास्युटिकल निर्यात पर है। इसके लिए ब्रिटेन और अमेरिका उसका लक्ष्य हैं। वित्त वर्ष 2024 में भारत ने 27.9 अरब डॉलर के औषधि उत्पादों का निर्यात किया था जो एक साल पहले की तुलना में 9.6 फीसदी ज्यादा था। फार्मास्युटिकल एक्सपोर्ट्स प्रमोशन काउंसिल के महानिदेशक उदय भास्कर ने कहा कि समूह का लक्ष्य ब्रिटेन को एक अरब डॉलर का फार्मास्युटिकल निर्यात करना है जहां जेनेरिक दवा की मांग बढ़ी है। उन्होंने बताया कि हम इसको लेकर नवंबर या उसके आसपास बेल्जियम, नीदरलैंड और ब्रिटेन में रोड शो करने की भी योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक वित्तीय सहायता वाली ब्रिटेन की नैशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) कमी के कारण नुस्खों के अनुसार तुरंत दवा देने में असमर्थ है और उसका उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल की लागत कम करना है। इससे जेनेरिक दवाओं की मांग बढ़ेगी। वित्त वर्ष 2025 में ब्रिटेन निर्यात का आशाजनक केंद्र है। वित्त वर्ष 2024 में ब्रिटेन को भारत का दवा निर्यात पिछले साल की तुलना में 21.1 फीसदी बढ़कर 78.432 करोड़ डॉलर हो गया है। पिछले वर्ष 8.28 फीसदी तक की गिरावट के बाद इसमें इजाफा हुआ। भारत के औषधि निर्यात में ब्रिटेन की हिस्सेदारी 2.82 फीसदी है। भारतीय दवा निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 31 फीसदी है और बाजार भी बढ़ रहा है। दवाओं की कमी के कारण वित्त वर्ष 2024 में अमेरिका को भारतीय निर्यात में पिछले साल के मुकाबले 15.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। भास्कर ने कहा कि अमेरिका भारतीय दवा विनिर्माताओं के लिए एक मजबूत शक्ति बना रहेगा क्योंकि वहां 90 फीसदी से ज्यादा नुस्खे सस्ती जेनेरिक दवाओं वाले होते हैं। साल 2022 में अमेरिका में दिए गए 10 में से चार नुस्खों के लिए भारतीय कंपनियों ने सप्लाई की थी।

पेट्रोलियम क्रूड पर लगाने वाले विंडफॉल टैक्स में हुआ बदलाव

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने पेट्रोलियम क्रूड पर अप्रत्याशित कर को 5,700 से घटाकर 5,200 (62.33) प्रति मीट्रिक टन कर दिया है। नई दरें 1 जून 2024 से प्रभावी हो गई हैं। भारत सरकार ने इस लेकर 31 मई को एक नोटिफिकेशन जारी की। भारत सरकार हर दो हफ्ते पर विंडफॉल टैक्स में बदलाव करती है। भारत सरकार की आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर सेंड को शून्य पर बरकरार रखा गया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्यों में गिरावट को देखकर ऐसा किया गया है। तेल विपणन करने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के अनुसार दिल्ली में विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत 6,673.87 रुपये प्रति किलोलीटर (6.5 प्रतिशत) घटकर 94,969.01 रुपये प्रति किलोलीटर रह गई। इसके पहले एक मई को इसकी कीमत में 749.25 रुपये प्रति किलोलीटर या 0.7 प्रतिशत की मामूली वृद्धि की गई थी। मुंबई में एटीएफ दर 95,173.70 रुपये प्रति किलोलीटर से घटकर 88,834.27 रुपये प्रति किलोलीटर रह गई। स्थानीय करों के आधार पर हर राज्य में कीमतें अलग-अलग होती हैं। भारत सरकार ने 16 मई को पेट्रोलियम पर विंडफॉल टैक्स को 8,400 से घटाकर 5,700 रुपये प्रति मीट्रिक टन कर दिया था। इसके पहले विंडफॉल टैक्स को 9,600 से घटाकर 8,400 रुपये प्रति मीट्रिक टन किया गया था।

भारत ने पहली बार एक जुलाई 2022 को विंडफॉल टैक्स अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया था। इसके साथ ही वह उन देशों में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाते हैं। तेल की पिछले दो सप्ताहों की औसत कीमतों के आधार पर कर दरों की समीक्षा हर पखवाड़े की जाती है। तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 69 रुपये घटाकर 1,676 रुपये कर दी। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक मई को 19 रुपये तथा एक अप्रैल को 30.5 रुपये की कटौती की गई थी। हालांकि, घरेलू उपयोग में आने वाली रसोई गैस (14.2 किलोग्राम) सिलेंडर की कीमत 803 रुपये प्रति सिलेंडर ही रहेगी।

एयर इंडिया का विमान 24 घंटे देरी से उड़ा, डीजीसीए ने नोटिस थमाकर पूछा देरी क्यों हुई?

नई दिल्ली।

बीते कुछ दिनों से एयर इंडिया को लेकर कई विवाद सामने आए हैं। अब दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में हुई 'अत्यधिक' देरी की वजह से एयर इंडिया की खूब किरकिरी हो रही है। अब इस लेट-लतीफी पर डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) भी सख्त हो गया है। डीजीसीए ने उड़ानों में अत्यधिक देरी और यात्रियों को समुचित देखभाल में नाकाम रहने के लिए एयरलाइन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही देरी से उड़ान के लिए कारण बताने को कहा है।नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उड़ानों में देरी और यात्रियों को हुई असुविधा के इस मामले का संज्ञान लिया है। उसी के बाद एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। डीजीसीए ने नोटिस में कहा कि एयर इंडिया के खिलाफ कई बार यात्री सुविधा से जुड़े मानकों का ध्यान न रखे जाने के मामले उसके संज्ञान में आ चुके हैं। डीजीसीए का कहना है,एयर इंडिया बार-बार यात्रियों का ध्यान रख पाने में नाकाम हो रही है। वह यात्रियों को एयरलाइंस की तरफ से दी जाने वाली सुविधाओं के प्रावधानों का भी पालन नहीं कर रही है। एयर इंडिया को यह बताना होगा कि उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए।डीजीसीए ने इस नोटिस में 30 मई को दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को की उड़ान एआई 183 और 24 मई को मुंबई से सैन फ्रांसिस्को की उड़ान एआई 179 में हुई अनावश्यक देरी का जिक्र करते हुए जवाब मांगा है। एयर इंडिया की दोनों उड़ानें केबिन के अंदर तापमान नियंत्रित न होने की वजह से काफी देरी से संचालित हुई थीं और यात्रियों को बहुत असुविधा का सामना करना पड़ा था। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-183 को 30 मई की दोपहर करीब 3:20 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सैन फ्रांसिस्को के लिए रवाना होना था। लेकिन, यह अगले दिन ही उड़ान भर सका। सैन फ्रांसिस्को जाने वाला विमान तय समय पर एयरोब्रिज में लग गया था। लेकिन, दो घंटे तक यह उड़ा नहीं। इसका एयर कंडीशनिंग सिस्टम भी काम नहीं कर रहा था।दो घंटे बाद यात्रियों को विमान से बाहर निकाला गया। चूंकि, इन यात्रियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत विमान से बाहर नहीं निकाला गया था, लिहाजा इनको टर्मिनल में प्रवेश करने की इजाजत नहीं दी जा सकती थी।

अडानी का स्टॉक 3 साल में 92 से 726 पर पहुंचा, ब्रोकरेज ने दी पैसा लगाने की सलाह

नई दिल्ली।

अडानी पावर लिमिटेड के शेयर ने पिछले कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार में नया रिकार्ड हाई बनाया। इंट्राडे में यह अडानी स्टॉक 79750 रुपये पर पहुंच गया। बाद में यह 8.82 फीसदी की तेजी के साथ 756.65 रुपये पर बंद हुआ। अडानी पावर एक मल्टीबैगर स्टॉक है। इस शेयर ने तीन साल में निवेशकों को 670 फीसदी रिटर्न दिया है। ब्रोकरेज हाउसेज ने इस शेयर में आगे और तेजी आने का अनुमान जताया है। शुक्रवार को शेयरों में आई तेजी के साथ ही अडानी पावर का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 2.92 लाख करोड़ रुपये हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में 19.58 करोड़ रुपये मूल्य के कुल 2.74 लाख शेयरों की खरीद-फरोख्त हुई। अडानी पावर स्टॉक का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स 67.1 है। जो यह बताता है कि यह शेयर अभी न तो 'ओवरबॉट' जोन में है और न ही 'ओवरसोल्ड' जोन में है। अभी यह शेयर अपने 10,20,30,50,100 और 200 दिन की मूविंग एवरेज से ऊपर ट्रेड कर रहा है। इससे पता चलता है कि यह स्टॉक अभी बुलिश जोन में ट्रेड कर रहा है। स्टॉक्सबॉक्स के टेक्निकल एनालिस्ट कुशल गांधी ने अडानी पावर शेयर को खरीने की सलाह दी है। गांधी ने इसका टार्गेट प्राइस 790 रुपये तय किया है और निवेशकों को 655 रुपये पर स्टॉप लॉस रखने को कहा है। सैमको सिक्योरिटीज ने भी अडानी पावर पर बुलिश है। ब्रोकरेज ने निवेशकों को 'बाय ऑन डिप' रणनीति अपनाने की सलाह दी है। ब्रोकरेज का कहना है, भारत की बिजली की मांग इस सीजन में 260 गीगावॉट तक पहुंचने की उम्मीद है। बिजली खपत बढ़ने से अडानी पावर जैसी कंपनियों को मांग पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ाना होगा। थर्मल पावर की क्षमता में इजाफा करने से अडानी पावर को इस बढ़ी मांग का फायदा होगा।

बीएसई ने एआईपीएल में एसएंडपी डॉव जोन्स इंडेक्स की पूरी हिस्सेदारी की अधिग्रहण

नई दिल्ली। प्रमुख शेयर बाजार बीएसई लिमिटेड ने एशिया इंडेक्स प्राइवेट लिमिटेड (एआईपीएल) में एसएंडपी डॉव जोन्स इंडेक्स की पूरी इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया है। साथ ही एआईपीएल एक्सचेंज की अब पूरी अनुषंगी कंपनी बन गई है। एआईपीएल एसएंडपी डीजेआई और बीएसई के बीच एक संयुक्त उद्यम था और यह लोकप्रिय सूचकांक सेंसेक्स की गणना और रखरखाव के लिए जाना जाता है। बीएसई ने कहा कि एआईपीएल उन ग्राहकों को अपनी सेवाएं प्रदान करता रहेगा जो उसके सूचकांकों या आंकड़ा उत्पादों की सदस्यता लिए हुए है।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतें 72 रुपये तक घटीं

लगातार तीसरे माह कीमतों में कमी आई

नई दिल्ली ।

व्यवसायिक उपयोग वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें कम हुई हैं। तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 72 रुपये तक घटा दिये हैं। जून महीने के पहले ही दिन हुई इस घोषणा से इस सिलेंडर का उपयोग कर रहे व्यवसायियों को लाभ होगा, घटी हुई कीमतें आज से ही प्रभावी होंगी। कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में लगातार तीसरे माह कटौती की गयी है। वहीं कंपनियों ने 14.2 किलो वाले घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और ये पहले की तरह ही हैं।

दिल्ली में कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें 69.50 रुपए कम हुई हैं। अब राष्ट्रीय राजधानी में यह 1676 रुपए मिलेगा। वहीं कोल्कता में सिलेंडर के रेट 72 रुपए तक कम हुए है। अब यहां सिलेंडर 1787 रुपए में मिलेगा। वहीं मुंबई में सिलेंडर के दाम 69.50 रुपए कम हुए हैं और ये 1629 रुपये में मिलेगा। चेन्नई में सिलेंडर 1840.50 रुपए का हो गया है। वहीं चंडीगढ़ में 19 किलो का कमर्शियल सिलेंडर अब 1697 रुपये में मिलेगा जबकि पटना में इसकी कीमतें 1932 रुपये हो गयी हैं। मध्यप्रदेश के भोपाल में 1704 रुपये तो उत्तर प्रदेश के लखनऊ में 19 किलोग्राम का कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 2050 रुपये में मिलेगा। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का रेट लगातार तीसरे महीने घटाया गया है। 1 मई को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम 19 रुपए तक कम किए थे। मई में सिलेंडर के दाम नई दिल्ली में 1745.50 रुपए, कोलकाता में 1859 रुपए, मुंबई में सिलेंडर का दाम 1698.50 रुपये, चेन्नई में सिलेंडर 1911 रुपए थे जबकि अप्रैल में कमर्शियल सिलेंडर के दाम में करीब 30 रुपये से अधिक की कमी की गई थी। तब दिल्ली में इसकी कीमत 1764.50 रुपये, कोलकाता में 1879 रुपये और मुंबई में 1717.50 रुपये, चेन्नई में 1930 रुपये हुई थीं।

आरबीआई ने बैंक पर ही लगाया 88.70 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। देश का सबसे बड़ा बैंक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सभी बैंकों पर नजर और उनके कामकाज की जानकारी रखता है लेकिन कोई बैंक उसके बनाए नियमों की अनदेखी करता है तो आरबीआई उस बैंक पर जुर्माना लगाता है। इसी कड़ी में आरबीआई ने कुछ रेगुलेटरी नॉर्म्स का पालन न करने पर एसबीएम बैंक (इंडिया) पर 88.70 लाख रुपए का जुर्माना ठोका है। रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंक पर जुर्माना आरबीआई की लाइसेंस से जुड़े शर्तों का नॉन-कंप्लायंस पर लगाया गया है। इसके अलावा लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) के तहत लेनदेन को तत्काल प्रभाव से रोकने के निर्देश भी दिए हैं। बैंक को दो अलग-अलग नोटिस जारी किए गए है, जिनमें उसे कारण बताने को कहा गया है। नोटिसों पर बैंक के उत्तर, उसके द्वारा किए गए जवाब के बाद आरबीआई ने पाया कि एसबीएम बैंक (इंडिया) के खिलाफ आरोप सही पाए गए हैं, जिसके लिए मॉनिटरी पेनल्टी लगाया जाना जरूरी है। बैंक ने लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम के तहत भी कुछ लेनदेन किए, जबकि आरबीआई ने ऐसे लेनदेन को तत्काल प्रभाव से रोकने का निर्देश था। आरबीआई ने कहा कि जुर्माना रेगुलेटरी कंप्लायंस में कमियों पर आधारित है और इसका उद्देश्य बैंक अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी लेनदेन या समझौते की वैधता पर कोई प्रभाव डालना नहीं है।

ज्यादा टैक्स मिलने से केंद्र का राजकोषीय घाटा संशोधित अनुमान से कम रहा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024 में ज्यादा टैक्स मिलने से केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा संशोधित अनुमान से भी कम रहा है। संशोधित अनुमान में जीडीपी का 5.8 फीसदी राजकोषीय घाटा रहने की बात कही गई थी लेकिन आंकड़ा जीडीपी का 5.6 फीसदी रहा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार केंद्र के राजस्व और व्यय में 16.54 लाख करोड़ रुपए का अंतर आया जबकि बजट में यह अंतर 17.86 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान था। पिछले वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटा जीडीपी का 5.9 फीसदी रहने का शुरुआती अनुमान था, जिसे अंतरिम बजट में घटाकर 5.8 फीसदी कर दिया। जब केंद्र सरकार कमाई से ज्यादा खर्च कर देती है तो खजाने को घाटा होता है। वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध कर प्राप्तियां 23.27 लाख करोड़ रुपए थी जो अनुमान से ज्यादा रहीं। इस दौरान सरकार का कुल खर्च 44.43 लाख करोड़ रुपए रहा, जो बजट राशि का 99 फीसदी है। इस बीच अप्रैल में अप्रत्याशित राजस्व खर्च करने के कारण 2.1 लाख करोड़ रुपए का राजकोषीय घाटा हो गया, जो पूरे साल के लक्ष्य का 12.5 फीसदी है। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025 में राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 5.1 फीसदी या 16.85 लाख करोड़ रुपए पर रोकने का लक्ष्य है। 2025-26 में घाटा जीडीपी के 4.5 फीसदी पर रोकने के लिए यह जरूरी है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि बढ़िया कर मिलने और आरबीआई से उम्मीद से बहुत ज्यादा अधिशेष मिलने के कारण चालू वित्त वर्ष में खजाने की स्थिति अच्छी रहेगी।

लग्जरी कारों की रेंटल बाजार में बढ़ी मांग, 40फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश के लग्जरी कारों का रेंटल बाजार में मांग बढ़ी है। मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली जैसे शहरों में, जहां एग्जीक्यूटिव ट्रैवलर ज्यादा हैं। टेक सेक्टर से जुड़े मिलेनियल्स और जेन जेड जैसे युवा इस मांग को ज्यादा बढ़ा रहे हैं। खास मौकों और घरेलू यात्राओं के लिए महंगे और सुविधाओं से लैस वाहन किराए पर लेते हैं। युवा शादी, पार्टी, जन्मदिन और छुट्टियों में लग्जरी कार किराए पर लेना पसंद करते हैं। मर्सिडीज जीएलई, बीएमडब्ल्यू एस सीरीज और मर्सिडीज एस क्लास जैसे मॉडल का किराया 10,000 रुपये से शुरू होकर 50,000 रुपये तक होता है। मर्सिडीज मेबैक, रेंज रोवर वोग और रोल्स रॉयस जैसी अल्ट्रा-लग्जरी या स्पोर्ट्स कारों का किराया 50,000 से लेकर 5 लाख रुपये तक है। लग्जरी कार रेंटल कंपनी लक्सोराइड्स ने अप्रैल 2024 तक दिल्ली से ऋषिकेश, वृंदावन और जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के साथ ही चंडीगढ़ से मनाली और चंडीगढ़ से लद्दाख जैसे मार्गों पर बुकिंग में पिछले साल से 40फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

हुण्डई ने खोला फास्ट चार्जिंग स्टेशन, सभी गाड़ियां होंगी चार्ज

नई दिल्ली। हुंडई की इलेक्ट्रिक गाड़ियों को अब चार्ज करने की समस्या नहीं होगी। कंपनी ने अपना पहला 180 किलोवाट डीसी फास्ट चार्जिंग स्टेशन खोला है। यह चन्नई के स्पेंसर प्लाजा मॉल में खोला है। इसमें 150 किलोवाट और 30 किलोवाट के दो कनेक्टर दिए गए हैं। हुंडई पूरे तमिलनाडु में 100 से अधिक हाई-स्पीड ईवी सेंटर खोलने की तैयारी में है। यह चार्जिंग स्टेशन गाड़ियां चार्ज करते समय ग्राहकों को खुशी देने के लिए कॉफी शॉप, रेस्टोरेंट और बाजारों के पास बनाया जाएगा। कंपनी ईवी फास्ट चार्जिंग स्टेशन पर हुंडई ही नहीं अन्य कंपनियों की इलेक्ट्रिक गाड़ियां भी चार्ज हो सकेंगी।मॉय हुंडई एप मे इस चार्जिंग सेंटर को लोकेट करने की सुविधा है। साथ ही ऐप में प्री-बुकिंग की सुविधा दी है। ऐप के जरिए पैसे का भुगतान भी किया जा सकता है। आप मॉय हुंडई ऐप से चार्जिंग स्टेशनों को ढूंढ सकते हैं, वहां जाने का रास्ता देख सकते हैं। बुक कर सकते हैं। ऑनलाइन पेमेंट कर सकते हैं और गाड़ी चार्ज हो रही है या नहीं, ये भी देख सकते हैं।

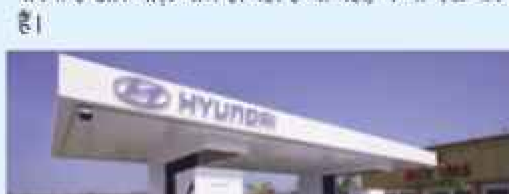

देश की अर्थव्यवस्था ने भरी रफ्तार, 8.2प्रतिशत की दर से बढ़ी जीडीपी ग्रोथ

(एजेंसी)

लोकसभा चुनाव के सातवें चरण की वोटिंग से ठीक दिन पहले इकोनॉमी के मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। देश की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2023-24 की मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। इसके साथ ही पूरे वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी-मार्च 2024 में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही जो एक साल पहले की समान तिमाही में 6.2 प्रतिशत थी। हालांकि अक्टूबर-दिसंबर, 2023 की तुलना में मार्च तिमाही की वृद्धि रफ्तार में नरमी आई है। दिसंबर तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था 8.6 प्रतिशत की उच्च दर से बढ़ी थी। जीडीपी निश्चित अवधि में देश की भौगोलिक सीमा के भीतर उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को बताता है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में देश की जीडीपी 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। वित्त वर्ष 2022-23 में जीडीपी वृद्धि दर सात प्रतिशत रही थी। एनएसओ ने अपने दूसरे अग्रिम अनुमान में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रहने की संभावना जताई थी।

आर्थिक मोर्चे पर भारत के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी चीन की आर्थिक वृद्धि दर जनवरी-मार्च तिमाही में 5.3 प्रतिशत रही है।

मजबूत शहरी मांग से मिली इकोनॉमी को मजबूती

इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा खर्च और मजबूत शहरी मांग ऐसे दो प्रमुख फैक्टर है, जिससे भारत की इकोनॉमी मजबूत बनी हुई है। यही कारण है कि भारतीय रिजर्व बैंक को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 में अर्थव्यवस्था लगभग 8प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।

अंबानी को पीछे छोड़ अडानी बने एशिया के सबसे अमीर इंसान

-गौतम अडानी की नेटवर्थ में 5.45 अरब डॉलर की तेजी

नई दिल्ली।

भारत में वैसे तो अमीरों की संख्या कम नहीं हैं। यहां एक से बढ़कर एक अमीर रहते हैं। जिसमें मुकेश अंबानी और गौतम अडानी का नाम सबसे ऊपर आता है लेकिन यह दोनों ही एशिया की अमीरों की सूची में ऊपर नीचे होते रहते हैं। अब अमीरों की सूची में फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। गौतम अडानी अब एशिया के सबसे बड़े रईस बन गए हैं। उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ दिया है। ब्लूमबर्ग बिलियनर्स इंडेक्स के मुताबिक को अडानी की नेटवर्थ में 5.45 अरब डॉलर की तेजी आई जिसके साथ ही उनकी नेटवर्थ 111 अरब डॉलर पहुंच गई। अडानी दुनिया के अमीरों की सूची में 11वें और एशिया में पहले नंबर पर आ गए हैं। दूसरी ओर मुकेश अंबानी 109 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 12वें और एशिया में दूसरे नंबर पर हैं। अडानी शुक्रवार को सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अरबपति थे। इस साल उनकी नेटवर्थ में 26.8 अरब डॉलर की तेजी आई। पिछले साल जनवरी में एक रिपोर्ट के कारण अडानी ग्रुप के शेयरों में गिरावट आई थी लेकिन उन्होंने काफी हद तक इसकी भरपाई कर ली है।

अडानी ग्रुप के शेयरों में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को काफी तेजी रही। कारोबार के दौरान इनमें 14 फीसदी तक तेजी आई। ग्रुप की होल्डिंग कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर सात फीसदी बढ़कर 3416.75 पर बंद हुआ। अडानी पोर्ट्स का शेयर भी चार फीसदी से ऊपर जाकर 1,440 रुपए पर बंद हुआ। अडानी पावर में कारोबार के दौरान 14 फीसदी तेजी आई और अंत में नौ फीसदी तेजी के साथ 759.80 पर बंद हुआ। इसी तरह अडानी टोटल गैस का शेयर भी नौ फीसदी की तेजी के साथ 1,044.50 रुपए पर पहुंच गया। अडानी विल्मर में तीन फीसदी और अडानी ग्रीन एनर्जी तथा अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में दो फीसदी की बढ़त हुई। एनडीटीवी में आठ फीसदी, अंबुजा सीमेंट और एसीसी में दो फीसदी तेजी रही।

बानी की तरह, मुझमें भी महत्वाकांक्षा की प्रबल भावना है: अमनदीप सिद्धू

मुंबई : सोनी सब के नए शो बादल पे पॉव है जल्द ही लॉन्च होने वाला है, दर्शक बानी की सरल लेकिन उत्साही दुनिया के बारे में और जानने के लिए तैयार हैं, जिसकी भूमिका अमनदीप सिद्धू निभा रही है। रवि दुबे और सरगुन मेहता द्वारा निर्मित यह शो पंजाब की पृष्ठभूमि पर आधारित है। शो एक मेहनती और दृढ़ संकल्पित लड़की, बानी की कहानी प्रस्तुत करता है, शो के लॉन्च से पहले अमनदीप कहती हैं : जो ज़िंदगी द्वारा उसके सामने लाने वाली हर बाधा को पार करने के लिए तैयार है। एक सरदारनी होने के नाते पंजाब पर आधारित शो का हिस्सा बनना निश्चित रूप से मेरे लिए काफी फायदेमंद है। यह ऐसी कहानी है जो सभी बाधाओं के बावजूद सपनों को साकार करने पर जोर देती है।

प्रकृति एवं पर्यावरण में जहर घोलने से बढ़ी जानलेवा गर्मी

ललित गर्ग

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। खासकर ऐसे समय में जब हरियाणा व राजस्थान में पारा पचास पार करके गंभीर चुनौती का संकेत दे रहा है। स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है।

लोकसभा चुनाव के प्रचार की गर्मी भले ही समाप्त हो गयी हो लेकिन प्रकृति से जुड़ी गर्मी सौ-डेढ़ सौ वर्षों का रिकार्ड तोड़ते हुए कहर बरपा रही है। दिल्ली का पारा 50 डिग्री से तो ज्यादा ही रहा है। देश के 17 से अधिक शहरों में तापमान उच्चतम स्तर पर चल रहा है। यह एक तरह का प्राकृतिक आपातकाल है। हीटवेव या यों कहें कि लू के थपेड़ों ने जनजीवन को मौत के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। लू या हीटवेव या तापघात के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में मौत के समाचार भी आ रहे हैं। तस्वीर का एक पहलू यह है कि अभी तक सही मायने में हमारे देश में हीटवेव को डिजास्टर मैनेजमेंट में पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है। वैज्ञानिक बता रहे हैं कि शहरों में हीट आइलैंड बन रहे हैं, जिसके लिए मुख्य रूप से सीमेंट-तारकोल और कृत्रिम वातानुकूलित (एसीवाली) जीवनशैली जिम्मेदार है। कंक्रीट और तारकोल के जंगलों का विस्तार करने को जब तक हम अपनी जरूरत समझते रहेंगे तब तक हरे-भरे जंगलों को कटने से कोई नहीं रोक सकेगा। दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर देश जब तक जीडीपी से विकास को मापेगा, बेहिसाब औद्योगीकरण एवं शहरीकरण की होड़ रहेगी, तब तक पर्यावरण असंतुलन एवं गर्मी का प्रकोप ऐसे ही विनाश का कारण बनता रहेगा।

इस बार बढ़ती गर्मी ने सारे रेकॉर्ड तोड़ दिये हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। राजधानी दिल्ली के एक इलाके में अधिकतम पारा 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो देश के इतिहास का सबसे ज्यादा तापमान है। राजस्थान के चुरु और फलोदी आदि का पारा तो 50 के आसपास या ऊपर ही चल रहा है। जैसलमेर आदि स्थानों पर गर्मी इतने तेज है कि धरती तवे की तरह तप रही है, लोगों ने पापड़ सेक कर या आमलेट बनाते हुए दृश्य सोशल मीडिया पर दिखाये हैं। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर होते जा रहे है। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल हो रहा है। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की ओर ध्यान देना होगा नहीं तो आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास को भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं।

विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम नहीं बल्कि गरीबी मारती है।

जलवायु परिवर्तन का असर अब ज्यादा स्पष्ट तौर पर दिखने लगा है। अगर गर्मी पड़ रही है तो पिछले कई दशक के रिकॉर्ड तोड़ रही है। अगर बारिश हो रही है तो कुछ घंटों में ही पूरे मॉनसून की बरसात के बराबर पानी गिर रहा है। सर्दी भी साल-दर-साल नए रिकॉर्ड बना रही है। कुल मिलाकर हर मौसम अब अप्रत्याशित क्रूरतम रुख दिखा रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, अल नीनो और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की दोहरी मार के कारण धरती के तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इससे धरती पर मौजूद सभी जीव-जंतुओं, वनस्पति और इंसानों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। अनेक लोगों की भीषण गर्मी में जान चली गयी, बिहार की स्कूली छात्राएं बड़ी संख्या में बेहोश हो गयी। इन जटिल स्थितियों को देखते हुए गर्मी के मौसम में काम के घंटों का निर्धारण एवं स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों की अवधि मौसम की अनुकूलता के अनुरूप ही होनी चाहिए। आसन्न संकट को महसूस करते हुए दीर्घकालीन रणनीति, इस चुनौती से निपटने के लिये बनाने की जरूरत है।

दुनियाभर में अगले 20 साल के भीतर कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग में कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा शृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है। एशिया के अलावा यूरोप व अमेरिकी देशों में भी तापमान में अप्रत्याशित बदलाव नजर आ रहा है।

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। खासकर ऐसे समय में जब हरियाणा व राजस्थान में पारा पचास पार करके गंभीर चुनौती का संकेत दे रहा है। स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगह धारा 144 लागू की गई है, जो इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारें भी जल के नाम पर राजनीति करती है। दिल्ली के अनेक इलाकों में बढ़ती गर्मी के साथ जल आपूर्ति एक बड़ी समस्या बनी हुई है। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को पानी से बुझाना चाहते हैं। विभिन्न प्रांतों के बीच का यह विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है, जनजीवन से खिलवाड़ कर रहा है। जीवनदायक वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त में दे रखी है। पानी, हवा एवं प्यार और आज वे ही विवादास्पद, दूषित और झूठी हो गयी हैं। इस तरह की तुच्छ एवं स्वार्थ की राजनीति करने वाले नेता क्या गर्मी एवं जल-समस्याओं का समाधान दे पायेंगे?

संपादकीय

मोदी का यह मौन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के शायद एकमात्र ऐसे नेता हैं जिनके किसी भी कृत्य पर, किसी भी वक्तव्य पर, किसी भी विचार और अभिव्यक्ति की किसी भी भंगिमा पर सामान्य प्रतिक्रिया नहीं होती। प्रतिक्रियाओं की हिलोर उठती है जो एक तरफ इनके अनुयायियों, प्रशंसकों और भक्तों को उत्साहित, प्रफुल्लित और उमंगित कर देती है तो दूसरी ओर उनके निंदकों को चिढ़ा देती है, उनमें विरोध पैदा करती है और कभी-कभी दुर्दमनीय गुस्सा भी पैदा करती है। शायद इस समय मोदी दुनिया के एकमात्र नेता होंगे जिनकी इतनी कटु आलोचना की गई हो। मोदी बड़े ठहरे हुए अंदाज में स्वयं को दी गई गालियों की संख्या और प्रकृति का जिक्र करते हैं और यह भी कहते हैं कि यह गालीप्रूफ हो चुके हैं। उनकी मुद्रा से लगता भी यही है कि वे सचमुच गालीप्रूफ हो चुके हैं। अब चुनाव के दौर में एक-एक दिन में कई-कई रैलियों को अनथक संबोधित करने के बाद और विरोध तथा समर्थन की अनेकानेक प्रतिक्रिया उत्पन्न करने के बाद प्रचार की समाप्ति पर उन्होंने 48 घंटे मौन व्रत साधना कन्याकुमारी के विवेकानंद स्मारक पर करने का निर्णय लिया तो उनका यह भला सा लगने वाला कदम भी विपक्षियों को कुरेदे बिना नहीं रह सका।

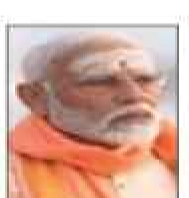

बहुत से लोग जो प्रधानमंत्री को एक ही तर्ज पर, एक ही भाषा में, लगभग एक जैसी विषयवस्तु के ईर्द-गिर्द मोटे-तगड़े, कटु-कर्कश वाक प्रहार करते ऊब गए थे, उन्होंने सचमुच राहत की सांस ली कि कम-से-कम 48 घंटे उन्हें शांति के प्राप्त होंगे। कायदे से विपक्ष को भी उस चुप्पी पर चैन की सांस लेनी चाहिए थी कि भले ही चुनाव के अंत में ही सही कुछ घंटे तो शांति मिल ही रही है, लेकिन 'झड़े में कूड़ा' फेंक दिया। कहा कि मोदी मौन रहकर कैमरे के जरिये अपना प्रचार कर रहे हैं, वो तप नहीं तमाशा कर रहे हैं और कुछ ने तो ये कह दिया कि हार के डर से भगवान की शरण में गए हैं। बहरहाल, विपक्ष का जो काम है वह कर रहा है लेकिन देश के लोग कामना कर सकते हैं कि जिस शिला पर कभी विवेकानंद ने तपस्या की थी उसी तरह से मोदी भी ध्यान-साधना समाप्ति के पश्चात ऐसे भारत की संकल्पना लेकर लौटेंगे जो सर्वसमावेशी हो, जिसकी शैली भद्रतापूर्ण लोकतांत्रिक हो, जिसकी व्यावहारिकता निंदा, आलोचना, आरोप-प्रत्यारोप की न होकर परस्पर समझदारी, सहयोग और सहकार की हो। मोदी ऐसी साधना कर रहे हों तो सफल हों।

चिंतन-मनन

समानता का संदेश

पैगंबर मोहम्मद साहब ने मक्का विजय के बाद एक नीग्रो गुलाम बिलाल को पवित्र काबा की छत पर चढ़कर नमाज के लिए अजान देने का हुक्म दिया। बिलाल ने कुछ ही समय पहले इस्लाम अपनाया था। जब वह पवित्र काबा की छत पर चढ़ा तो कुछ कुलीन अरब नागरिक चिल्लाकर बोले, ओह! बुरा हो उसका, वह काला हब्शी अजान के लिए पाक काबा की छत पर चढ़ गया।

अश्वेतों के प्रति यह पूर्वाग्रह देख पैगंबर मोहम्मद साहब परेशान हो गए। उन्होंने कहा, ऐ लोगो! यह याद रखो कि सारी मानव जाति केवल दो श्रेणियों में बंटी है। पहली धर्मनिष्ठ, खुदा से डरने वाली, जो खुदा की दृष्टि में सम्मानित है। दूसरी जो उल्लंघनकारी, अत्याचारी, अपराधी, निर्दयी और कठोर है, जो खुदा की नजर में गिरी हुई है। संसार के सभी लोग एक ही आदमी की औलाद हैं।

अल्लाह ने आदम को मिट्टी से पैदा किया था। इसकी सत्यता का प्रमाण पवित्र कुरआन में इन शब्दों में दिया गया है :ऐ लोगो! हमने तुमको एक मर्द और एक औरत से पैदा किया और तुम्हारी विभिन्न जातियां और वंश बनाए, ताकि तुम एक दूसरे को पहचानो। असल में अल्लाह की निगाह में तुममें सबसे अधिक सम्मानित वह है, जो अल्लाह से सबसे ज्यादा डरने वाला है। अल्लाह पूरी तरह खबर रखने वाला है।

मोहम्मद साहब ने अपने अनुयायियों को हमेशा रूप-रंग, जाति-नस्ल, ऊंच-नीच या किसी भी किस्म के भेदभाव से दूर रहने को कहा। इन उपदेशों से अरब प्रभावित हुए और उन्होंने उनका पूरी तरह पालन किया। उन्होंने इस्लाम अपनाने वाले गुलाम नीग्रो लोगों से अपनी बेटियां ब्याह कर उनसे सम्मानजनक संबंध बनाए।

क्या भारत में वरिष्ठ नागरिक होना गलत है?

क्या हमारे लिए अपना पूरा जीवन दांव पर लगा देने वाले वरिष्ठ नागरिकों का हमारी नजरों में कोई मूल्य नहीं?

कुछ दिन पहले की बात है, मैं अपने घर से बाहर गली में टहल रहा था, मैं क्या देखता हूं कि एक बुजुर्ग सज्जन सड़क के बीच कैंडी बेच रहे हैं, जो ठीक से चल भी नहीं पा रहे हैं। टेका लेकर चलने में एक छड़ी उनकी मदद कर रही थी। चेहरा कुछ जाना-पहचाना सा लग रहा था। मैं भीतर तक हिल गया, जब मुझे याद आया कि वे कौन हैं। वे हाई स्कूल के समय के मेरे गणित के शिक्षक थे। उन्हें इस हालत में देखकर मुझे गहरा सदमा लगा। मैं उसके पास गया और जैसे ही मैंने अपना परिचय दिया, उनके चेहरे के गंभीर भाव धीरे-धीरे बदलने लगे, और एक फीकी-सी मुस्कान उनके चेहरे पर दिखी। मेरे भीतर उसके साथ अधिक समय बिताने के लिए उत्सुकता काफी बढ़ गई और मैंने उन्हें सुझाव दिया कि हम पास के पार्क में थोड़ी देर साथ बैठते हैं। मैंने उन्हें सबसे पास वाली बेंच तक पहुँचने में मदद की और हम बैठ गए। शुरुआत में कुछ अनौपचारिक बातचीत के बाद, मेरी जिज्ञासा मुझ पर हावी हो गई और मैं पूछने से खुद को नहीं रोक सका, ?सर, क्या वजह है, जो आप इस हाल में हैं??

मेरा प्रश्न सुनते ही उनके चेहरे के भाव एक बार फिर बदलने में क्षण भर का भी समय नहीं लगा, इस बार उनके झुर्रीदार चेहरे पर गहरी उदासी छा गई। उन्होंने मुझे बताया कि मुझे और मेरी पत्नी को कुछ वर्ष पहले एक दुर्घटना का सामना करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप मेरा एक पैर टूट गया और मेरी पत्नी की दर्दनाक मृत्यु हो गई। पत्नी के निधन के बाद, कुछ समय तक तो मेरे दोनों बेटे मेरे साथ ही रहे, लेकिन एक-एक करके कुछ समय बाद दोनों विदेश वापस लौट गए। मैंने अपनी अधिकांश बचत अपने बेटों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षा अर्जित करने और उन्हें विदेश भेजने में लगा दी थी। जो थोड़ा-बहुत पैसा बचा था, सो वह दैनिक जीवन के भरण-पोषण में लगता चला गया।

हालाँकि, पेंशन या बीमा पर भरोसा न करने के कारण, मेरी बचत कुछ ही समय में शून्य में तब्दील हो गई, जिसकी वजह से मैं भर पेट भोजन पाने के लिए भी मोहताज हो गया। जब मदद के लिए अपने बेटों से बात की और अपनी गंभीर परिस्थितियों के बारे में उन्हें बताया, तो उन्होंने कई तरह के बहाने बनाकर मुझसे जैसे किनारा ही कर लिया। कोई अन्य विकल्प न होने पर, पेट पालने के लिए जो कुछ भी कर सकता था, वह किया। दैनिक जरूरतें ही तो पूरी करना हैं, इसलिए मामूली आय के रूप में सड़कों पर घूम-घूमकर कैंडी बेचकर अपना गुजरा कर रहा हूँ। बच्चे जब मुझे देखते ही भागते हुए मेरे पास आ जाते हैं, तो मन को कुछ ऐसा सुकून मिल जाता है, जैसे अपने पोते-पोतियों से मिलने का मौका मिल गया हो। मेरे जीने और मुस्कुराने की सबसे बड़ी वजह ही ये बच्चे बन गए हैं।

उनकी कहानी ने मुझे भीतर तक झकझोर कर रख दिया। उस दिन मैंने यह महसूस किया कि वे इस दुर्दशा से अकेले नहीं जूझ रहे हैं। देश में ऐसे अनगिनत बुजुर्ग व्यक्ति हैं, जिन्हें अपने अंतिम दिनों में इसी तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वो बच्चे, जिनका जीवन बेहतर बनाने के लिए माता-पिता अपने जीवन का सुख-चैन तक हँसी-खुशी न्यौछावर कर देते हैं, उनकी बेहतर परवरिश में कोई कसर नहीं छोड़ते, जो वे नहीं कर पाए, उनके बच्चे सब करें, ऐसी सोच रखते हैं, उन माता-पिता को समय आने पर अपने ही बच्चों से सिवाए धुत्कार कुछ नहीं मिलता। उम्र के अंतिम पड़ाव पर आकर उनके अपनों और यहाँ तक कि सरकारों द्वारा भी मौत के भरोसे छोड़ दिया जाता है, हाँ वही सरकार, जो सम्मानजनक जीवन के खोखले वादे करती है।

क्या उम्र बढ़ जाने से किसी व्यक्ति का मोल कम हो जाता है? क्या हमारा मोल सिर्फ भौतिक सुख-सुविधाओं से ही मापा जाता है? यदि हमारे युग की गंभीर वास्तविकता यही है, तो क्या इसका मतलब यह है कि 60 की उम्र पार करने के बाद बुजुर्ग पैसा खर्च करने के लायक नहीं हैं? या फिर इस उम्र में उनके कोई खर्चे ही नहीं होते हैं? कोई स्पष्ट तो करे कि इसे समझा क्या जाए? ऐसे हजारों प्रश्न हमारे समाज में बुजुर्ग नागरिकों के प्रति व्यवहार को चुनौती देते हैं और हमें अपनी प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित करते हैं।

कुछ समय पहले, माननीय राज्यसभा सांसद जया बच्चन जी द्वारा एक महत्वपूर्ण बहस छेड़ी गई थी, जिसमें उन्होंने भावुक भाषण देते हुए कहा कि सरकार को 65 वर्ष की आयु तक पहुँचने के बाद वरिष्ठ नागरिकों को अनिवार्य रूप से मार डालना चाहिए, क्योंकि सरकार उन पर ध्यान ही नहीं दे रही है। इसके अलावा, उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए कुछ विशेष अधिकारों की माँग की। हालाँकि, यह बयान सुनने और देखने में उत्तेजक प्रतीत हो सकता है, लेकिन यह भारत की बुजुर्ग आबादी द्वारा सामना किए जाने वाले कुछ बेहद गंभीर मुद्दों पर प्रकाश डालता है। ऐसा लगता है कि भारत में वरिष्ठ नागरिक न सिर्फ अपनों, बल्कि दूसरों को भी बोझ लगने लगे हैं। जीवन का सबसे अधिक तजुर्बा होने और हमें श्रेष्ठ जीवन देने के नाते उन्हें जो हकीकत में सम्मान और देखभाल मिलनी चाहिए, अब वह मॉडर्न जमाने में कहीं गुम हो गई है। नई दुनिया के ढकोसलों की चपेट में आकर शायद हम उनके अधिकारों को भूल बैठे हैं।

भारत में वरिष्ठ नागरिकों को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। 70 वर्ष की आयु के बाद उन्हें चिकित्सा बीमा से वंचित कर दिया जाता है। यह सबसे बड़े कारणों में से एक है कि उनकी उम्र बढ़ने के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवा उनकी पहुँच से बाहर होती जाती है। इतना ही नहीं, लोन और ड्राइविंग लाइसेंस तक पहुँच को भी प्रतिबंधित कर दिया जाता है, जिससे उनकी स्वतंत्रता आपो-आप ही सीमित हो जाती है। बात यहीं आकर खत्म नहीं होती, सरकार को आजीवन भर-भर कर टैक्स और प्रीमियम्स देने और समाज में तमाम तरह के योगदान देने के बावजूद उनके लिए रोजगार के अवसर कम ही हैं, जिससे वे आर्थिक रूप से दूसरों पर निर्भर हो जाते हैं।

यदि हम अब भी नहीं पहचान सकें कि वरिष्ठ नागरिक समाज के लिए एक अमूल्य संपत्ति हैं, तो बहुत देर हो जाएगी। वे ज्ञान, मार्गदर्शन और हमारी विरासत से हमें जोड़कर रखने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं। वे हमारे समाज के नैतिक ढाँचे को आकार देने में मदद करते हैं और परंपराओं को आगे बढ़ाने में सहायक होते हैं।

सरकार को चाहिए कि वह देश के वरिष्ठ नागरिकों की भलाई को प्राथमिकता दे। वे पूरे देश से समर्थन के पात्र हैं, जिसमें पेंशन, यात्रा रियायतें, सरकारी सहायता के साथ अनिवार्य बीमा और कानूनी मामलों का तुरंत समाधान शामिल है। प्रत्येक शहर में आवास के माध्यम से आवश्यक सुविधाओं के साथ वरिष्ठ नागरिकों की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है और समुदाय की भावना को बढ़ावा दिया जा सकता है।

संक्षेप में, यह जरूरी है कि हम वरिष्ठ नागरिकों के उस अपार मूल्य को स्वीकार करें, जो वे हमारे समाज में लाते हैं और उन्हें वह देखभाल, सम्मान और समर्थन प्रदान करें, जिसके वे उचित हकदार हैं, क्योंकि उन्होंने अपना पूरा जीवन हमारी देखभाल करने में बिता दिया है, इसलिए अब बारी हमारी है।

- अतुल मलिकराम

मुद्दा : चुनावों में पारदर्शिता पर जोर

रजनीश कपूर

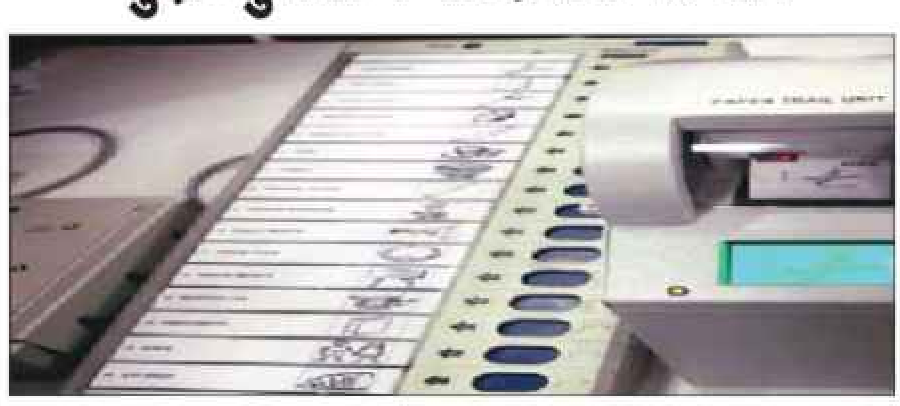

वर्ष 2024 के लोक सभा चुनाव अपने अंतिम चरण तक पहुंच गए हैं। आने वाले दिनों में सभी को चुनावी एग्जिट पोल और 4 जून का बेसब्री से इंतजार रहेगा। सभी यह देखना चाहेंगे कि विवादों में घिरी 'ईवीएम' किसकी सरकार बनाएगी? हर राजनैतिक दल बड़े-बड़े दावे कर रहा है कि उसका दल या उसके समर्थन वाला समूह सरकार बनाने जा रहा है। ऐसे में यह भी देखना जरूरी है कि केंद्रीय चुनाव आयोग जिसकी कार्यशैली पर कई सवाल उठे, वह इस चुनाव को कितनी पारदर्शिता से संपूर्ण करेगा?

देश का आम चुनाव हमेशा से ही एक पर्व की तरह मनाया जाता है। इसमें हर राजनैतिक दल अपने अपने वोटरों के पास अगले पांच साल के लिए उनके मत की अपेक्षा में उन्हें बड़े-बड़े वादे देकर लुभाने की कोशिश करते हैं, परंतु देश की जनता भी यह जान चुकी है कि दल चाहे कोई भी हो, राजनैतिक वादे सभी दल ऐसे करते हैं कि मानो जनता उनके लिए पूजनीय है और ये नेता उनके लिए कुछ भी करने को तैयार हैं, परंतु क्या वास्तव में ऐसा होता है कि चुनावी वादे पूरे किए जाते हैं? चुनाव का आयोजन करने वाली सर्वोच्च सांविधानिक संस्था केंद्रीय चुनाव आयोग इन चुनावों को कितनी पारदर्शिता से कराती है इसकी बात बीते कई महीनों से सभी कर रहे हैं। चुनाव आयोग की प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हर दल को पूरा मौका दिया जाए और निर्णय देश की जनता के हाथों में छोड़ दिया जाए। बीते कुछ महीनों में चुनाव आयोग पर पहले ईवीएम को लेकर और फिर वीवीपैट को लेकर काफी विवाद रहा। हर विपक्षी दल ने एक सुर में यह आवाज लगाई कि देश से ईवीएम को हटा कर बैलट पेपर पर ही चुनाव कराया जाए, परंतु देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश देते हुए अधिक सावधानी बरतने को कहा और ईवीएम को जारी रखा। इन विवादों के बाद चुनाव की मतगणना को लेकर फॉर्म 17सी पर एक नई बहस उठी जो देश की शीर्ष अदालत जा पहुंची। दरअसल, फॉर्म 17सी वह फॉर्म होता है जिसमें चुनाव संचालन नियम, 1961 के तहत देशभर के प्रत्येक मतदान केंद्र पर डाले गए वोटों का रिकार्ड होता है। फॉर्म 17सी में मतदान केंद्र के कोड नंबर और नाम, मतदाताओं की संख्या। उन मतदाताओं की संख्या जिन्होंने मतदान न करने का निर्णय लिया। उन मतदाताओं की संख्या जिन्हें मतदान करने की अनुमति नहीं मिली। दर्ज किए गए वोटों की संख्या। खारिज किए गए वोटों की संख्या। वोटों के खारिज करने के कारण। स्वीकार किए गए वोटों की संख्या। डाक मतपत्रों का डाटा भी शामिल होता है। इस जानकारी को मतदान अधिकारियों द्वारा भरा जाता है और प्रत्येक बूथ के पीठासीन अधिकारी द्वारा जांचा भी जाता है। मतगणना के दिन, गिनती से पहले, फॉर्म 17सी के दूसरे भाग में प्रत्येक बूथ से गिने गए कुल वोट व डाले गए कुल वोटों की समानता को जांचा जाता है। यह व्यवस्था किसी भी पार्टी द्वारा वोटों में हेरफेर से बचने के लिए बनाई गई है। यह डाटा मतगणना केंद्र के पर्यवेक्षक द्वारा दर्ज किया जाता है। प्रत्येक उम्मीदवार (या उनके प्रतिनिधि) को फॉर्म पर हस्ताक्षर करना होता है, जिसे रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जांचा जाता है। इसके बाद ही मतों की गिनती शुरू होती है। गौरतलब है कि मतदान डाटा का उपयोग चुनाव परिणाम को कानूनी रूप से चुनौती देने के लिए किया जा सकता है। एक ओर जहां चुनाव में ईवीएम से छेड़छाड़ पर सवाल उठाया गया है वहीं फॉर्म 17सी से मतदान में हुई गड़बड़ी (यदि हुई हो तो) का पता चल सकता है।

जिस तरह पहले और दूसरे चरण के मतदान के आंकड़ों को जारी करने में देरी व बदलाव को लेकर चुनाव आयोग पर प्रश्न उठा तो विपक्ष ने फॉर्म 17सी को लेकर विवाद खड़ा कर दिया। देश की शीर्ष अदालत में चुनाव आयोग ने अपना पक्ष रखा और विपक्षी पार्टियों ने अपना पक्ष रखा, परंतु सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कोई निर्णय नहीं दिया। बीते सप्ताह देश के नामी वकील और सांविधानिक विशेषज्ञ कपिल सिब्बल ने प्रेस सम्मेलन में सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से एक चेकलिस्ट जारी की। सिब्बल ने हर राजनैतिक दल और उनके मतदान/मतगणना एजेंटों के लिए आगामी 4 जून को आम चुनाव की गिनती से पहले जारी की गई इस चेकलिस्ट के माध्यम से यह समझाया है कि उन्हें कब क्या देखना है। सिब्बल के अनुसार ?बहुत से लोग कह रहे हैं कि इन मशीनों के साथ संभवतः छेड़छाड़ की गई है। इसलिए, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनके साथ कोई छेड़छाड़ न हो, इससे ज्यादा कुछ नहीं।' सिब्बल की इस चेकलिस्ट का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है। जिस तरह चुनाव आयोग इवीएम और वीवीपैट को लेकर पहले से ही विवादों में घिरा हुआ है उसे चुनाव में पारदर्शिता का न केवल दावा करना चाहिए बल्कि पारदर्शी दिखाई भी देना चाहिए।

मालिक , प्रकाशक और मुद्रक, सरवर जमाल ने आर० डी० प्रिंटस एण्ड पब्लीशर प्रा०लि० प्लाट नं०- 16-17 पाटलिपुत्रा इन्डस्टीयल एरिया रोड नं०-9 पटना - 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी ब्लाक रंजित रेसीडेन्सीज, साकेत पुरी, मछली गली, राजा बजार पटना पिन- 800014 से प्रकाशित किया। सम्पादकः शबाना प्रविन * पी.आर.बी.एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेवार। PRGI NO - BIHHIN/2023/86924, E-mail:newsindogulf 730@gmail.com Mob--9472871824/8544031786 मैनेजिंग एडिटर : डा० राजिव कुमार, सब एडिटर : डा० नुतन कुमारी

मडगांव एक्सप्रेस में शेर के किरदार में कैसे ढले प्रतीक गांधी? अभिनेता ने किया खुलासा

अभिनेता प्रतीक गांधी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म डेढ़ बीघा जमीन को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। यह फिल्म शुक्रवार से जियो सिनेमा पर अपने प्रीमियर के लिए तैयार है। अभिनेता जोरो-शोरों से इसका प्रमोशन कर रहे हैं। प्रतीक को आखिरी बार कुणाल खेमू के निर्देशन डेब्यू फिल्म मडगांव एक्सप्रेस में देखा गया था। हालिया इंटरव्यू में प्रतीक ने अपनी पिछली फिल्म पर भी बात की। साथ ही कुणाल खेमू के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा करते नजर आए।

मडगांव एक्सप्रेस में अपने किरदार पर प्रतीक की दो टूक

अभिनेता प्रतीक गांधी का कहना है कि लेखक-निर्देशक कुणाल खेमू स्पष्ट थे कि वह मडगांव एक्सप्रेस को कैसे आकार देना चाहते हैं। फिल्म में प्रतीक ने एक नम्र मामा के लड़के की भूमिका निभाई, जो एक आत्मविश्वासी व्यक्ति में बदल जाता है और गलती से नशीली दवाओं का सेवन करने के बाद शेर की तरह व्यवहार करना शुरू कर देता है। रोड ट्रिप ड्रामा खेमू के निर्देशन में पहली फिल्म थी। दिव्येंदु और अविनाश तिवारी अभिनीत, कहानी तीन बचपन के दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी लंबे समय से योजनाबद्ध गोवा यात्रा तब बिगड़ जाती है जब वे ड्रग माफियाओं और बंदूकधारी गुंडों से मिलते हैं।

बांधे कुणाल खेमू की तारीफों के पुल

गुजराती थिएटर आर्टिस्ट और फिल्म स्टार प्रतीक गांधी को हिंदी सिनेमा में स्कैम 1992- द हर्षद मेहता स्टोरी से ख्याति हासिल हुई। वहीं, मडगांव एक्सप्रेस पर अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए प्रतीक ने कहा कि खेमू ने प्रभाव को बढ़ाने के लिए पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में शेर की दहाड़ को जोड़ा। प्रतीक के अनुसार, कुणाल ने पोस्ट प्रोडक्शन में शेर की पूरी दहाड़ को जोड़ा, मुझे यकीन है कि पोस्ट में भी, उन्होंने कई चीजों की कोशिश की होगी और फिर फैसला किया कि यह सबसे अच्छा काम करता है।

सत्यवती के रूप में नज़र आनेवाली शिल्पा शेट्टी ने फिल्म की शूटिंग पूरी की

वर्ष 2024 में शिल्पा शेट्टी ने इंडियन पुलिस फोर्स में अपने प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। और अब, वह केडी - द डेविल में सत्यवती के रूप में सभी का दिल जितने के लिए तैयार है। शिल्पा शेट्टी ने मैसूर में ध्रुव सरजा और संजय दत स्टारर इस फिल्म का आखिरी शेड्यूल पूरा कर लिया है। मार्च में, यह घोषणा की गई थी कि अभिनेत्री सत्यवती के रूप में केडी के बैटलफील्ड में शामिल होंगी। पोस्टर में शिल्पा रेट्रो लुक रिलीज़ किया गया था , जिसमे वे पोल्का डॉट्स साड़ी और ओवरसाइज्ड चश्मा पहने हुए नज़र आयी थी । केडी - द डेविल के निर्देशक प्रेम ने शिल्पा को एक पावरहाउस कहा था और लिखा था, युद्ध राज्यों के बीच होता है और एक राज्य को एक शक्तिशाली सत्यवती की आवश्यकता होती है। शिल्पा पहले भी कन्नड़ फिल्मों में काम कर चुकी हैं, इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त और नोरा फतेही भी होंगी। 1970 के दशक की बैंगलोर की सच्ची घटनाओं पर आधारित एक पीरियड एक्शन एंटरटेनर, केडी - द डेविल में शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, संजय दत्त और वी रविचंद्रन भी हैं। केवीएन प्रोडक्शंस प्रस्तुत करता है केडी-द डेविल, जिसका निर्देशन प्रेम ने किया है। पैन-इंडिया बहुभाषी तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर का हुआ ब्रेकअप

बीते कई महीनों से अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा के ब्रेकअप की खबरें सुर्खियों में हैं। लेकिन अब उनसे जुड़े कुछ करीबियों ने इन खबरों को कन्फर्म कर दिया है। दोनों ही ब्रेकअप पर चुप्पी साधे हुए है और नहीं चाहते हैं कि लोग उनका रिश्ता टूटने पर बतंगड बनाएं। हाल ही में आई रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से लिखा गया है, मलाइका और अर्जुन का रिश्ता बेहद खास रहा है और दोनों के दिलों में एक-दूसरे के लिए खास जगह रहेगी। उन्होंने अलग होने का फैसला कर लिया है और वो इस मामले में गरिमामई चुप्पी बनाए रखना चाहते हैं। वो नहीं चाहते कि कोई भी इस मामले को तोड़-मरोड़कर पेश करे। आगे बताया गया है, उनका काफी लंबा, लविंग रिश्ता था, जो दुर्भाग्य से अब खत्म हो चुका है। इसका मतलब ये नहीं है कि दोनों के बीच अब कड़वाहट आ गई है। वो दोनों एक-दूसरे की इज्जत करते है और हमेशा एक दूसरे के लिए सपोर्ट बनकर रहेंगे। बदलते सालों के साथ उन्होंने एक-दूसरे को सम्मान दिया है। वो अलग होने के बाद अब भी वही इज्जत देते रहेंगे। दोनों ही लंबे सालों तक सीरियस रिलेशनशिप में रहे हैं और वो चाहते हैं कि लोग उनके इस इमोशनल टाइम में स्पेस देंगे।

शादी के चलते रिश्ते में आई अनबन!

जनवरी में आई ज़ूम की रिपोर्ट के मुताबिक, मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर ने नवंबर 2023 में ही ब्रेकअप कर लिया था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि दोनों में से कोई एक शादी कर सेटल होना चाहता था, जबकि दूसरा इसके लिए समय चाहता था। यही वजह उनकी अनबन का कारण बनी थी। बताते चलें कि दोनों के ब्रेकअप की खबरें तब सुर्खियों में आई जब मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन और उनके रिलेटिव्स को इंस्टाग्राम से अनफॉलो कर दिया।

कैसे मुझे तुम मिल गए में मेरे किरदार को दर्शक रखेंगे सालों तक याद

टीवी एक्ट्रेस किशोरी शहाणे विज एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से 35 साल से जुड़ी हुई हैं। इन दिनों वह शो कैसे मुझे तुम मिल गए में नजर आ रही हैं। अपने किरदार को लेकर उन्होंने बताया कि कैसे वह हर दिन अपना 100 प्रतिशत देती हैं, ताकि दर्शक उनके किरदार बबीता आहूजा को आने वाले कई सालों तक याद रखें। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए किशोरी ने कहा, जब मुझे पता चला कि बबीता का किरदार नेगेटिव है, तो इससे मुझे जरा भी हैरानी नहीं हुई। यह किरदार नेगेटिव होने के साथ-साथ मजबूत भी है, जो हमेशा विराट की सुरक्षा का ध्यान रखता है। उन्होंने कहा, बबीता के नजरिए से देखें तो वह अपने बेटे की रक्षा कर रही है और उसमें कुछ भी गलत नहीं है। इस किरदार को निभाना चुनौतीपूर्ण है। वह कोई बुरी इंसान नहीं है, वह सिर्फ अपने परिवार की रक्षा करती है। ऐसे कई पल आते हैं जब अमृता के प्रति उसका स्वभाव बदल जाता है, जिससे मुझे अपने किरदार में अचानक बदलाव लाना होता है, मेरा मानना है कि दर्शक इस किरदार को एन्जॉय करेंगे। एक्ट्रेस ने कहा, मेरे किरदार का एक बड़ा मकसद है और एक एक्टर के लिए ऐसे किरदार को निभाना हमेशा दिलचस्प भरा होता है। हर दिन, मैं अपना 100 प्रतिशत देती हूं ताकि आने वाले कई सालों में मेरे किरदार बबीता आहूजा को याद किया जाए। शो में सृति झा अमृता की भूमिका में हैं और अर्जित तनेजा विराट का रोल निभा रहे हैं। शो में, अमृता और विराट की नकली शादी का सीक्वेंस चल रहा है। शादी की तैयारियों के बीच वे उस अपराधी को ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं जिसने उनकी गलत तस्वीरें लीक की थी। वहीं, विराट की मां बबीता खुद को पकड़े जाने से बचाने की पूरी कोशिश कर रही है। सीरियल में हर बार की तरह दो प्यार करने वाले शख्स एक दूजे पर भरोसा करने से बच रहे हैं। ऐसे में दर्शक मेकर्स से कुछ नया लाने की मांग कर रहे हैं। कैसे मुझे तुम मिल गए जी टीवी पर प्रसारित होता है।

आप कितने भी कामयाब क्यों न हो जाओ, आप ट्रोलिंग से बच नहीं सकते

सुपरहिट धारावाहिक दीया और बाती से अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस दीपिका सिंह ने शो मंगल लक्ष्मी से छोटे पर्दे पर वापसी की। इस शो को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। जहां एक तरफ उनकी एक्टिंग की सराहना की जाती है, तो वहीं वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपने डांसिंग वीडियो को लेकर ट्रोल होती रहती है। दीपिका ने कहा, ट्रोलिंग का मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता। मैं इसे बहुत शालीनता से स्वीकार करती हूं, क्योंकि मेरे आस-पास मेरे माता-पिता, पति और मेरे ओडिसी डांस टीचर्स जैसे लोग हैं। उनके साथ रहकर मैंने जिंदगी की हर परिस्थितियों को स्वीकार करना सीखा है। उन्होंने मुझे सिखाया है कि चाहे आप कितने भी कामयाब क्यों न हो जाओ, आप इससे बच नहीं सकते। एक्ट्रेस ने कहा, सभी लोग आपको स्वीकार नहीं कर सकते। जो लोग आपकी तरह सोचते हैं, केवल वही आपको स्वीकार कर पाएंगे। मेरे जैसे लोग ही मुझे समझेंगे। दीपिका ने कहा, कुछ लोग मुझे पसंद तो करते हैं लेकिन मेरी सराहना नहीं करते। लेकिन मैं जानती हूं कि मैं क्या कर रही हूं। मैं खुद के बारे में सोचना पसंद करती हूं, ना कि इस बारे में कि दूसरे क्या सोचते हैं। मैं अपने लिए और अपनी खुशी के लिए काम करती हूं, चाहे वह मेरा इंस्टाग्राम पेज हो या मेरी एक्टिंग। एक्ट्रेस ने कहा, यह मेरी लाइफ है और भगवान ने मुझे इसके लिए चुना है, इसलिए मैं किसी के भी प्रति जवाबदेह नहीं हूं। यही वजह है कि ट्रोलिंग और आलोचनाओं का मुझ पर कोई असर नहीं होता। उन्होंने कहा, जब आपको कामयाबी मिलती है और आप ऊपर की ओर बढ़ रहे होते हैं, तो आपको प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है, क्योंकि एक ऐसी शक्ति होती है जो आपको नीचे गिराने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा, जब बिना किसी कारण के ट्रोलिंग होती है, तो मुझे पता चलता है कि मैं अच्छा काम कर रही हूं, इसीलिए लोग मुझे नीचे गिराने की कोशिश कर रहे हैं। फिर मैं और भी ज्यादा ताकत के साथ वापस आती हूं और पहले से भी बेहतर काम करती हूं। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मेरे आलोचक भी हैं। दीपिका ने कहा, कुछ लोग ऐसे भी हैं जो दिखते ही नहीं। कम से कम, मुझे लोग देख तो रहे हैं जो मेरी आलोचना कर रहे हैं, इसका मतलब है कि मैं कुछ अच्छा कर रही हूं। इसलिए मैं खुश हूं। मंगल लक्ष्मी कलर्स पर प्रसारित होता है।

भंसाली की 'देवदास' ना करने का मनोज बाजपेयी को है पछतावा

मनोज बाजपेयी की फिल्म 'भैयाजी' सिनेमाघरों में आ चुकी है। हालांकि, फिल्म कुछ खास कमाल नहीं कर पा रही है, लेकिन मनोज बाजपेयी अपने अभिनय के चलते चर्चा में बने हुए हैं। अभिनेता से जब एक साक्षात्कार में पूछा गया कि क्या उन्हें किसी फिल्म को ठुकराने का पछतावा है? इसपर अभिनेता ने कहा कि उन्होंने ऐसी कोई भी फिल्म नहीं ठुकराई है जो व्यावसायिक रुप से बहुत अच्छी चली हो, सिवाय संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' के।

देवदास बनना चाहते थे मनोज बाजपेयी

अभिनेता ने बताया कि वह भंसाली की इस फिल्म में देवदास की भूमिका निभाना चाहते थे, जो शाहरुख खान को मिली। बता दें कि अभिनेता अपने थिएटर के दिनों से ही देवदास की भूमिका निभाना चाहते थे।

'देवदास' छोड़ने का है पछतावा

यूट्यूब पर दिए गए एक साक्षात्कार में जब मनोज बाजपेयी से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी ऐसी फिल्म को ठुकराया है जो बड़ी हिट हुई हो। उन्होंने स्पष्ट रुप से कहा कि नहीं। अभिनेता ने आगे कहा, 'हां मुझे देवदास में जैकी श्रॉफ की भूमिका की पेशकश की गई थी, लेकिन उसके लिए मैंने तुरंत मना कर दिया। मैंने संजय से कहा, संजय, यार, मेरी तो हमेशा से इच्छा थी देवदास करने की। वह फिल्म सुपरहिट हुई, लेकिन मुझे उसे छोड़ने का पछतावा है। मैं अपने थिएटर के दिनों से ही देवदास का किरदार निभाना चाहता था। लेकिन मुझे इस बात का कभी बुरा नहीं लगा।'

शेखर सुमन को चुन्नी लाल के किरदार की हुई थी पेशकश

हीरामंडी के प्रचार के दौरान शेखर सुमन ने भी साझा किया था कि देवदास में उन्हें चुन्नी लाल का किरदार निभाने की पेशकश हुई थी, लेकिन अपनी व्यस्तता के चलते वह इस किरदार को नहीं कर सके। 'देवदास' शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय और माधुरी दीक्षित के करियर में मील का पत्थर साबित हुई।

ये रिश्ता क्या कहलाता है का इमोशनल ड्रामा दर्शकों को पसंद आता है

ये रिश्ता क्या कहलाता है (वाईआरकेकेएच) टीवी पर सबसे लंबे समय तक चलने वाला सीरियल है। शो में अरमान का किरदार निभाने वाले एक्टर रोहित पुरोहित का कहना है कि रिश्तों के मूल्य और इमोशनल ड्रामा दर्शकों को काफी पसंद आते हैं। उन्होंने आगे कहा, चाहे एक साथ सेलिब्रेट करने की खुशी हो या हमारे सामने आने वाली चुनौतियां, हमारे किरदार कई परिवारों के अनुभवों को दर्शाते हैं। दर्शक किरदारों के जीवन के उतार-चढ़ाव से जुड़े होते हैं, और वे पारिवारिक मूल्यों को समझते हैं। यह शो व्यक्तिगत स्तर पर लोगों के दिलों तक पहुंचता है। रोहित के लिए अरमान का किरदार निभाना काफी दिलचस्प है, जो जिंदगी के सभी उतार-चढ़ाव से भरपूर है। उन्होंने कहा, अरमान का किरदार निभाना उतार-चढ़ाव भरा रहा। मुझे अच्छा लगता है कि कैसे लेखक उनके किरदार में नए-नए शेड्स शामिल करते हैं। ये ट्विस्ट एंड टर्न दर्शकों को शो से बांधे रखते हैं। चाहे वह अभिरा के साथ अरमान की प्रेम कहानी हो या अन्य किरदारों के साथ उसका संघर्ष, इस शो का हिस्सा बनने के लिए मेकर्स का आभारी हूं।

रोहित को अपने परिवार से पूरा सपोर्ट है। वह भी शो के काफी बड़े फैन हैं। उन्होंने कहा, हां, मेरा परिवार मेरा सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम है। वे ये रिश्ता क्या कहलाता है का एक भी एपिसोड मिस नहीं करते। वे मेरे सबसे बड़े आलोचक और चीयरलीडर्स हैं।

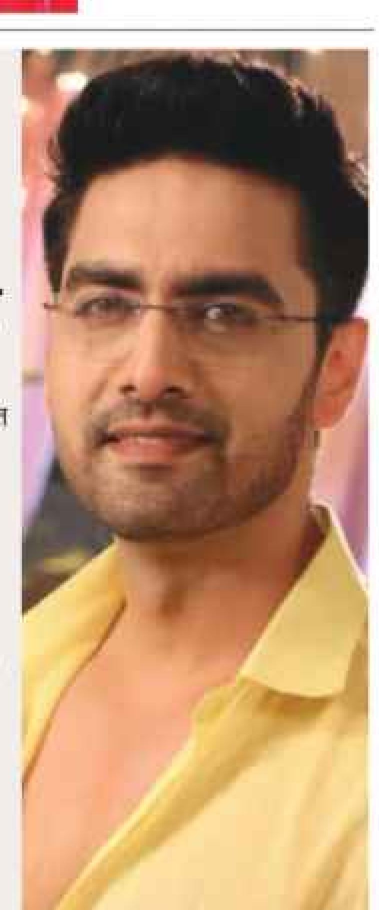

यूट्यूबर जेक पॉल से माइक टायसन का मुकाबला स्वास्थ्य कारणों से स्थगित, फैंस को हाथ लगी निराशा

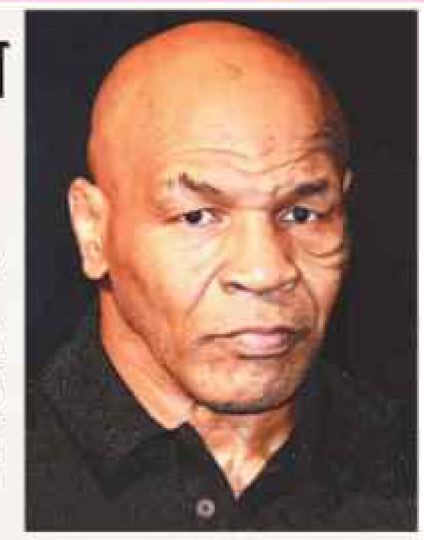

लंदन, एजेंसी। आयोजकों ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि टायसन को गुरुवार को डॉक्टरों के साथ फॉलो-अप के बाद आने वाले हफ्तों में कम से कम ट्रेनिंग की सलाह दी गई है।

माइक टायसन की यूट्यूबर जेक पॉल के खिलाफ रिंग में वापसी को लेकर फैंस को अभी और इंतजार करना होगा। पूर्व हैवीवेट चैंपियन फिलहाल स्वास्थ्य समस्याओं से गुजर रहे हैं और इसी के डर ने उन्हें वापसी करने से रोक लिया। मैच को इसके बाद स्थगित कर दिया गया है। आयोजकों ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की।

टायसन जब पिछले रविवार को मियामी से लॉस एंजिल्स आ रहे थे, तो उन्हें चिकित्सा उपचार की जरूरत पड़ी थी। चक्कर आना की शिकायत के बाद उन्हें ट्रीटमेंट के लिए ले जाया गया था। 20 जुलाई को टेक्सास में पॉल के साथ उनका मैच था। आयोजकों ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि टायसन को गुरुवार को डॉक्टरों के साथ फॉलो-अप के बाद आने वाले हफ्तों में कम से कम ट्रेनिंग की सलाह दी गई है। इसके बाद पता चला की उन्हें अल्सर है, जिसके बढ़ने से उन्हें फ्लाइट में समस्याएं आई थी। बयान में कहा गया- माइक टायसन को सलाह है कि वह अगले कुछ हफ्तों में कम से कम ट्रेनिंग करें और फिर जब मन करे तब पूरी फिटनेस ट्रेनिंग के लिए लौटें।

माइक और जेक दोनों इस बात से सहमत हैं कि यह सुनिश्चित करना उचित है कि दोनों एथलीट इस महत्वपूर्ण मैच के लिए तैयार हैं या नहीं।

आयोजकों ने कहा- एथलीट्स का स्वास्थ्य और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हम माइक को जरूरी समय लेने में पूरी तरह से समर्थन करते हैं ताकि वह उस स्तर पर प्रदर्शन कर सकें जिसकी वह खुद से अपेक्षा करते हैं। बयान में कहा गया है कि मुकाबले की नई तारीख की घोषणा सात जून तक की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

मैंने कभी नहीं सोचा था कि अमेरिका में क्रिकेट खेलने को मिलेगी: कोहली

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यहां क्रिकेट की लोकप्रियता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) ने इस विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोहली ने अमेरिकी वाणिज्य दूतावास मुंबई द्वारा एक्स पर पोस्ट एक वीडियो में कहा कि ईमानदारी से कहूं तो, मैंने कभी नहीं सोचा था कि हम अमेरिका में किसी भी रूप में क्रिकेट खेलेंगे। लेकिन अब यह हकीकत है। यह आपको दुनिया में खेल के बढ़ते प्रभाव के बारे में बताता है। संयुक्त राज्य अमेरिका इस बदलाव को स्वीकार करने के लिए काफी इच्छुक है। मुझे लगता है कि यह शुरुआत करने का एक आदर्श तरीका है, इसलिए मुझे लगता है कि इसका बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने हाल ही में अमेरिका की मास्टर लीग में लिस्ट ए का दर्जा दिया था।

इसके बाद अमेरिका में क्रिकेट तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। 2023 में हुए एमएलसी के पहले सीजन ने अमेरिकी क्रिकेट देखने के लिए मैदान में भी पहुंचे। टेक्सास और उत्तरी कैरोलिना में खचाखच भरे स्टेडियम देखे गए। अब एमएलसी के दूसरे सीजन की तैयारी चल रही है जिसमें क्रिकेट के पावरहाउस देश हिस्सा लेते नजर आएंगे। कोहली ने एमएलसी के प्रभाव और प्रशंसकों के बीच क्रिकेट में रुचि जगाने की इसकी क्षमता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि शुरुआत में एक तरह का डोमिनोज प्रभाव शुरू हुआ और मुझे उम्मीद है कि यह लंबे समय तक जारी रहेगा। जैसा कि मैंने कहा, हमारे पास राज्यों में खेल को जीवित रखने और दूसरों को अधिक जागरूक बनाने के लिए हमारे क्षेत्रों से पर्याप्त लोग हैं। मुझे लगता है कि वहां एमएलसी में भी काफी संभावनाएं हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

क्रिस वोक्स ने क्रिकेट से दूरी बनाने पर कहा, यह जीवन का सबसे मुश्किल क्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और वरिकशायर के ऑलराउंडर क्रिस वोक्स इन दिनों क्रिकेट से दूर हैं। अपनी अनुपस्थिति के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि वह अपने पिता की मृत्यु से काफी दुखी है। क्रिस वोक्स के पिता का निधन मई की शुरुआत में हो गया था।

इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में 35 वर्षीय खिलाड़ी ने बताया कि पिछला महीना उनके जीवन का सबसे चुनौतीपूर्ण समय रहा, जिसके कारण उन्हें क्रिकेट से भी ब्रेक लेना पड़ा। इंग्लैंड के क्रिकेट सेटअप में सभी प्रारूपों में 200 से अधिक मैच खेलने वाले वोक्स इस सीजन में वरिकशायर का हिस्सा नहीं हैं और आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए भी उन्होंने नहीं खेलने का फैसला किया। टी20 विश्व कप के लिए इंग्लैंड की टीम में भी वोक्स का नाम नहीं है, ऐसे में उनका ब्रेक और लंबा हो सकता है।

एक दिल को छू लेने वाले पोस्ट में क्रिस वोक्स ने बताया कि वे इस दुख के समय में अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। क्रिस वोक्स ने लिखा, पिछला महीना मेरे जीवन का सबसे चुनौतीपूर्ण महीना रहा है। दुर्भाग्य से, मेरे पिताजी का मई की शुरुआत में निधन हो गया। वोक्स ने इस मुश्किल दौर में अपने परिवार के साथ समय बिताने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने लिखा, हम सभी स्पष्ट रूप से शोक मना रहे हैं और निस्संदेह अपने जीवन के सबसे कठिन क्षणों से गुजरने की कोशिश कर रहे हैं। वोक्स ने कहा कि वह सही समय पर क्रिकेट में वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप: 2024

भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर न्यूयॉर्क में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, छावनी में बदला नासाउ स्टेडियम

न्यूयॉर्क, एजेंसी। आईएसआईएस ने जो धमकी दी थी, उसमें खतरा लोन वुल्फ अटैक को लेकर डराया था। लोन वुल्फ आतंकवादी संगठनों से जुड़े सदस्य हैं जो संगठनों से इजाजत लेकर स्वतंत्र रूप से काम करते हैं, जिससे उन्हें ट्रैक करना अधिक कठिन हो जाता है। आतंकी हमले के खतरे को देखते हुए न्यूयॉर्क की नासाउ काउंटी में नौ जून को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले टी20 विश्व कप मुकाबले के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था होगी। दरअसल, आईएसआईएस के एक आतंकी संगठन ने भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर धमकी दी थी। आईएसआईएस-के ने वीडियो जारी करते हुए लोन वुल्फ अटैक की धमकी दी थी। नासाउ काउंटी के स्टेडियम में टूर्नामेंट के आठ मैच खेले जाएंगे जिसमें भारत के तीन मैच भी शामिल हैं। भारतीय टीम एक जून को यहां बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच भी खेलेगी।

न्यूयॉर्क की गवर्नर ने क्या कहा?

न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने कहा कि उन्होंने राज्य पुलिस को दर्शकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने का निर्देश दिया है। कैथी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, विश्व कप की तैयारी में मेरी टीम संघीय और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है जिससे कि उपस्थित लोगों को सुरक्षित रखा जा सके। हालांकि इस समय कोई विश्वसनीय खतरा नहीं है, मैंने न्यूयॉर्क पुलिस को सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने का निर्देश दिया है और हम निगरानी जारी रखेंगे।

1. आईएसआईएस-के द्वारा वैश्विक धमकी

सीएनएन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि न्यूयॉर्क के अधिकारी विश्व कप के खिलाफ इस साल की शुरुआत में आतंकवादी समूह आईएसआईएस-के द्वारा वैश्विक धमकी के बाद सुरक्षा को लेकर सावधानी बरत रहे हैं। एक महीने पहले अप्रैल में आंतकी संगठन आइएसआइएस ने विश्व कप के दौरान हमले की धमकी दी थी।

नासाउ काउंटी के पुलिस आयुक्त पैट्रिक राइडर ने बुधवार को कहा कि इस टूर्नामेंट को लेकर अप्रैल में भी आईएसआईएस-के से जुड़ी धमकी मिली थी। हालांकि, इस बार खतरा लोन वुल्फ का है। लोन वुल्फ आतंकवादी संगठनों से जुड़े सदस्य हैं जो संगठनों से इजाजत लेकर स्वतंत्र रूप से काम करते हैं, जिससे उन्हें ट्रैक करना अधिक कठिन हो जाता है।

2. अमेरिका में गन प्रवृति से खतरा

अमेरिका में आम लोगों के पास भी गन है। इस कारण इस देश में अकसर सार्वजनिक जगहों पर गोलीबारी की घटनाएं आम बात हैं। पुलिस को डर है कि कहीं विश्व कप मैच के दौरान और खासतौर पर भारत-पाकिस्तान मैच में इस तरह की घटना हो सकती है।

भारत बनाम पाकिस्तान मैच को लेकर धमकियां

रिपोर्ट में कहा गया है, इसके बाद नौ जून को होने वाले भारत बनाम पाकिस्तान मैच को लेकर और अधिक विशिष्ट धमकियां दी गई और ऑनलाइन प्रसारित होने वाले एक वायरल वीडियो का संदर्भ दिया गया जिसमें 'अकेले भेड़िये को कार्रवाई करने' के लिए कहा गया है। राइडर ने रिपोर्ट में कहा, मैं आपको इसकी गारंटी दे सकता हूं।

यह इस काउंटी के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी सुरक्षा व्यवस्था है, और मैं आपको यह भी गारंटी दे सकता हूं कि नौ जून को नासाउ काउंटी में सबसे सुरक्षित जगह स्टेडियम के अंदर होगी।

छावनी में तब्दील नासाउ स्टेडियम

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में तो यह तक भी कहा जा रहा है कि नौ जून को मैच के दिन इस स्टेडियम में करीब 3500 पुलिसकर्मा मौजूद होंगे। 35 हजार दर्शकों की क्षमता वाले इस स्टेडियम में 3500 पुलिसकर्मियों का होना किसी आश्चर्य से कम नहीं है।

अमेरिका में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध खेल अमेरिकन फुटबॉल, बेसबॉल और बास्केटबॉल में भी कभी इतनी सिक्योरिटी नहीं लगाई गई है। इसके अलावा मैदान के अंदर दर्शकों की जांच के लिए स्क्रीनिंग मशीनें होंगी। साथ ही उन पर नजर रखने के लिए डॉग स्क्वॉड भी लगाए जाएंगे। इतना ही नहीं हेलीकॉप्टर से भी स्टेडियम पर नजर रखी जाएगी। साथ ही कई वॉच टावर भी बनाए गए हैं। आइजनहावर पार्क स्थित इस स्टेडियम को लेकर पुलिस एक्शन में है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस आइजनहावर पार्क को दो जून से अपने कब्जे में ले लेगी ताकि किसी भी प्रकार की गतिविधियों पर नजर बनाया जा सके। इस मैदान पर पहला मैच तीन जून को दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा।

भारत न्यूयॉर्क में तीन मैच खेलेगा

रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगी। उसके बाद नौ जून को पाकिस्तान के खिलाफ बहुप्रतीक्षित मुकाबला होगा।

भारत को 12 जून को मेजबान अमेरिका का सामना करना है। इस प्रतियोगिता पर आतंकी खतरे का खुलासा सबसे पहले त्रिनिदाद के प्रधानमंत्री कीथ रोली ने किया था और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि प्रतियोगिता के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए मजबूत सुरक्षा घेरा बनाया गया है।

आईसीसी ने क्या कहा था?

आईसीसी ने कहा था, टूर्नामेंट में सभी की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है और हमारे पास एक व्यापक और मजबूत सुरक्षा योजना है। हम अपने मेजबान देशों के अधिकारियों के साथ मिलकर काम करते हैं और वैश्विक परिदृश्य की निरंतर निगरानी और मूल्यांकन करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारी प्रतियोगिता के लिए पहचाने गए किसी भी जोखिम को कम करने के लिए उचित योजनाएं बनाई गई हैं।

रोहित अकेले दम पर विरोधी टीम से मैच छीन सकते हैं: शाकिब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ वार्म अप मैच से पहले बांग्लादेश के अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की जमकर सराहना करते हुए कहा कि रोहित ऐसे बल्लेबाज है, जो अकेले ही पूरा मैच पलटने का माद्दा रखते हैं। भारत और बांग्लादेश शनिवार को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एक दूसरे से भिड़ेंगे। इस बीच स्टार स्पोर्ट्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें शाकिब ने कहा, मुझे लगता है कि पिछले कुछ साल जिस तरह से रोहित शर्मा ने भारतीय टीम की कमान संभाली है, वह शानदार है।

टीम में एक लीडर के तौर पर उनकी छवि बहुत अच्छी है और सभी खिलाड़ी उनका सम्मान करते हैं। रोहित एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जो अकेले ही किसी भी मैच को विरोधी टीम से दूर और अपने पक्ष में ले जाने का दम रखते हैं। दूसरी तरफ स्टेडियम का दौरा करने के बाद रोहित शर्मा ने कहा कि 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप अभियान शुरू करने से पहले यूएस की कंडीशन को समझना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, यह मैदान, पिच और इस तरह की चीजों को महसूस करने की लय में आने के बारे में है। सलामी बल्लेबाज स्टेडियम में प्रशंसकों को देखने के लिए उत्सुक हैं। अमेरिका, वेस्टइंडीज के साथ मिलकर अपना पहला क्रिकेट विश्व कप आयोजित कर रहा है। रोहित ने कहा, न्यूयॉर्क में लोग विश्व कप देखने के लिए बेताब होंगे, क्योंकि विश्व कप पहली बार यहां हो रहा है। मुझे पूरा यकीन है कि सभी टीमों के सभी प्रशंसक काफी उत्साहित हैं और इस टूर्नामेंट का इंतजार कर रहे हैं।

साथ ही खिलाड़ी भी टूर्नामेंट शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकते। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में शनिवार को होने वाले अभ्यास मैच से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने अमेरिका में नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का दौरा किया।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मार्श की फिटनेस पर सस्पेंस, ओमान के खिलाफ नहीं करेंगे गेंदबाजी

पोर्ट ऑफ स्पेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श की फिटनेस को लेकर अब भी सस्पेंस बना हुआ है। हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से उन्हें फिट बताया जा रहा है लेकिन वह ओमान के खिलाफ बतौर ऑलराउंडर नहीं बल्कि बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे।

भारत में आईपीएल खेलने के दौरान मार्श अप्रैल में हैमस्ट्रिंग की चोट का शिकार हो गए थे, जिसके कारण उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। टी20 विश्व कप 2024 के आगाज से पहले, इस सप्ताह की शुरुआत में हुए दो अभ्यास मुकाबलों में वह फिर से मैदान पर लौटे।

दोनों ही मैचों में उन्होंने पूरी पारी में फील्डिंग नहीं की। हालांकि, एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने पुष्टि की है कि मार्श 6 जून को बारबाडोस में ओमान के खिलाफ मैच खेलेंगे, लेकिन केवल बल्लेबाज के रूप में। गेंदबाजी में उनकी वापसी अभी भी अनिश्चित है। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने एंड्रयू मैकडोनाल्ड के हवाले से कहा, मिचेल के लिए, (वार्म-अप मैच) उनके शरीर की स्थिति को परखने के बारे में थे। उन्होंने अधिक ओवर फील्डिंग की, वह अधिक स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ पाए, इसलिए उन्होंने वहां थोड़ा आत्मविश्वास हासिल किया।

ऐसा लग रहा है कि वह पहले मैच के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा, दूसरा भाग तब होगा जब गेंदबाजी फिर से शुरू होगी...यह पहला गेम नहीं होगा। मार्श ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान के रूप में सेवानिवृत्त हुए आरोन फिंच की जगह ली।

Èé¤ÅUÕæòÜ

किंग्स कप के फाइनल में अल हिलाल से हार के बाद, फूट-फूटकर रोए क्रिस्टियानो रोनाल्डो

नई दिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाली सुपरस्टार का व्यक्तिगत तौर पर शानदार सीजन था, लेकिन उन्होंने इसे ट्रॉफी रहित समाप्त किया।

इससे ही वह दुखी हो गए और इतने संघर्ष के बाद ट्रॉफी नहीं जीत पाने से उनकी आंखों में आंसू आ गए। सऊदी अरब की फुटबॉल लीग में अल नस्र से खेलने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो किंग्स कप फाइनल में कट्टर प्रतिद्वंद्वी अल-हिलाल के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हार के बाद फूट-फूटकर रोने लगे। मैच का परिणाम अपने पक्ष में नहीं आने के बाद रोनाल्डो मैदान पर लेट गए और रोने लगे। फुल टाइम और फिर एक्स्ट्रा टाइम में स्कोर 1-1 से बराबर रहने के बाद अल हिलाल ने अल नस्र को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराया। अल हिलाल के गोलकीपर गोलकीपर यासीन बूनो ने दो सेव किए और अल हिलाल की जीत के हीरो रहे।

पेरिस ओलंपिक से पहले विनेश फोगाट को मिली खुशखबरी, खेल मंत्रालय ने वर्ल्ड चैंपियन नीरज चोपड़ा की भी यह मांग मानी

नईदिल्ली, एजेंसी। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने शुक्रवार 31 मई 2024 को कॉमनवेल्थ और एशियाड में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला पहलवान विनेश फोगाट और ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा की मांगों को अपनी मंजूरी दे दी। विनेश फोगट ने खेल मंत्रालय से हंगरी में 10 से 21 जून तक होने वाले प्रशिक्षण शिविर में अपने निजी स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच वेन लोम्बार्ड को शामिल करने का अनुरोध किया था।

खेल मंत्रालय ने पेरिस खेलों की तैयारी के लिए कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज और फिजियो इशान मारवाह के साथ 60 दिन के लिए यूरोप में प्रशिक्षण लेने की वर्ल्ड चैंपियन नीरज चोपड़ा के योजना को भी मंजूरी दे दी। भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी। पेरिस ओलंपिक में 50 किग्रा वर्ग में हिस्सा लेने वाली विनेश फोगाट ने लोम्बार्ड के हवाई किराये, वीजा शुल्क, भोजन, आवास तथा हंगरी में स्थानीय परिवहन के लिए मदद का अनुरोध किया था।

विनेश फोगाट बुडापेस्ट में 6 से 9 जून तक होने वाली यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग 2वुश रैंकिंग सीरीज (पोलाक इमरे एवं वर्गा जानोस मेमोरियल टूर्नामेंट) में हिस्सा लेंगी। एमओसी ने विनेश फोगाट के मैड्रिड में 5 से 7 जुलाई तक होने वाले स्पेन के ग्रैंड प्रिक्स में हिस्सा लेने के अनुरोध को भी मंजूरी दे दी।

मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन नीरा चोपड़ा 29 मई से 18 जून तक कुओर्टेन (फिनलैंड) में प्रशिक्षण लेंगे। उनके साथ कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज और फिजियो इशान मारवाह भी होंगे। जैवलिन थ्रोअर (भाला फेंक खिलाड़ी) नीरज चोपड़ा 19 जून से 7 जुलाई तक जर्मनी के सारब्रुकेन में पेरिस ओलंपिक खेलों की तैयारी करेंगे। इसके बाद 26 साल का यह खिलाड़ी 8 जुलाई से तुर्की के ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरिना में होंगे।

गायत्री-त्रिशा की जोड़ी सिंगापुर ओपन से बाहर

नईदिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड नंबर-4 जापान की नामी मात्सुयामा और चिहारू शिडा ने भारतीय जोड़ी को 23-21, 21-11 से हराया। भारत की गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली की जोड़ी सिंगापुर ओपन से बाहर हो गई है।

सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-4 जापान की नामी मात्सुयामा और चिहारू शिडा ने 47 मिनट चले इस मैच में भारतीय जोड़ी को 23-21, 21-11 से हराया। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारत का सफर समाप्त हो गया है। भारत के सात्विक-चिराग, पीवी सिंधु और एचएस प्रणय पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं।

लगातार गेम में हारी भारतीय जोड़ी

जापान और भारत के बीच हुए विमेंस डबल्स के सेमीफाइनल में पहला गेम काफी रोमांचक रहा। दोनों ही जोड़ी एक पॉइंट्स से ज्यादा की लीड नहीं ले पा रही थीं। जापान ने तीन बार मैच पॉइंट्स का मौका गंवाया। हालांकि, भारतीय जोड़ी की गलती के कारण मात्सुयामा और शिडा गेम जीतने में कामयाब रहीं। दूसरे गेम में भारतीय टीम दबाव में नजर आई। शुरुआती 2 पॉइंट्स के बाद टीम पिछड़ती चली गई। गायत्री और त्रिशा को दूसरे गेम में 21-11 से हार मिली और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

भारत की त्रिशा और गायत्री का यह इस सीजन का पहला सेमीफाइनल था। उन्होंने राउंड -16 में वर्ल्ड नंबर-2 साउथ कोरिया की बेक हा ना और ली सो ही को तीन गेम 21-9, 14-21, 21-15 से हराया था। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में वर्ल्ड नंबर-6 साउथ कोरिया जोड़ी किम यिओंग और कॉन्ग यॉन्ग को 21-18, 21-9, 24-23 से मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले दोनों साल 2023 के ऑल इंग्लैंड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थी। टीम ने तीसरे नंबर पर फिनिश किया था।

पूर्वी अफगानिस्तान में नाव पलटने से 20 लोगों की मौत

काबुल । पूर्वी अफगानिस्तान में एक नदी पार करते हुए एक नाव पलटने से 20 लोगों की मौत हो गई। तालिबान के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। प्रांतीय निदेशक कुरैशी बदलोन ने कहा कि दारा जिले में एक नदी पार करते हुए नौका डूबने से महिलाओं और बच्चों सहित 20 लोगों की मौत हुई। बदलोन ने बताया कि नाव में 25 लोग सवार थे। ग्रामीणों के अनुसार, इसमें से पांच ही लोग जीवित बचे हैं। नगरहार के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अभी तक एक पुरुष, एक महिला, दो लड़कों और एक लड़की सहित पांच शव बरामद किए गए हैं। एक चिकित्सा दल और एम्बुलेंस को इलाके में भेजा गया है। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि हादसे किस वजह से हुआ। उन्होंने कहा कि बचावकर्मी अब भी अन्य शवों की तलाश कर रहे हैं।

जबालिया शिविर में करीब 70 फिलिस्तीनी नागरिकों के शव बरामद

गाजा । उत्तरी गाजा के जबालिया शरणार्थी शिविर में इजरायली सशस्त्र बलों की वापसी के बाद करीब 70 फिलिस्तीनी नागरिकों के शव बरामद हुए हैं। इजरायल ने लगभग तीन सप्ताह के हमले के बाद अपने सशस्त्र बलों को वापस बुला लिया है। चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि एम्बुलेंस और नागरिक सुरक्षा दल ने शिविर से 20 बच्चों सहित लगभग 70 शवों को निकाला।

भारत ने किया इशारा...उधर श्रीलंका में आईएसआईएस का हैंडलर गिरफ्तार

कोलंबो । श्रीलंकाई पुलिस ने प्रतिबंधित इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) संगठन के साथ कथित संबंधों के कारण भारत में अहमदाबाद हवाई अड्डे से गिरफ्तार किए गए चार श्रीलंकाई नागरिकों के संदिग्ध आका (हैंडलर) को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट में बताया कि कोलंबो में आपराधिक जांच विभाग ने गेराड पुष्पराजा उस्मान को गिरफ्तार किया। श्रीलंकाई पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी में मददगार साबित होने वाली विश्वसनीय जानकारी देने वाले को 20 लाख रुपए नकद इनाम देने की घोषणा की थी। गुजरात के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने आईएसआईएस से संबंध रखने के आरोप में चार श्रीलंकाई नागरिकों को गिरफ्तार किया था। ये लोग 'इंडिगो' की उड़ान के द्वारा कोलंबो से 19 मई को चेन्नई पहुंचे थे। श्रीलंकाई सुरक्षा बलों को संदेह है कि 46 वर्षीय संदिग्ध उस्मान इन चार श्रीलंकाई नागरिकों का आका है। श्रीलंकाई प्राधिकारियों ने गुजरात में गिरफ्तार किए गए चार श्रीलंकाई नागरिकों के खिलाफ जांच के लिए पिछले महीने एक उच्च स्तरीय अभियान शुरू किया था।

मिशेल ओबामा की मां मारिया का निधन

वाशिंगटन । अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा की मां मारियां शील्ड्स रॉबिन्सन का निधन हुआ है। वह 86 वर्ष की थी। वे अपने दामाद बराक ओबामा के राष्ट्रपति चुने जाने पर उनके परिवार के साथ 'व्हाइट हाउस' में ही रही थी। 'व्हाइट हाउस अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय है। मिशेल ओबामा और परिवार के अन्य सदस्यों ने रॉबिन्सन के निधन की जानकारी दी। रॉबिन्सन के पति का निधन पहले हो चुका है। रॉबिन्सन जीवनभर शिकागो में रही और 2009 में अपनी नातिन मालिया तथा साशा की देखभाल करने के लिए 'व्हाइट हाउस' आई थी। उनका जन्म 30 जुलाई 1937 को शिकागो में हुआ था। उन्होंने 1960 में शादी की और अपने बच्चों की शिक्षा को काफी महत्व दिया।

तुर्किये के ड्रोन हमले में अमेरिका समर्थित चार लड़ाके मारे गए

अंकारा । उत्तरी सीरिया में तुर्किये के ड्रोन हमले में अमेरिका समर्थित चार लड़ाके मारे गए, जबकि 11 नागरिक घायल हुए। कुर्द की अगुवाई वाले बल ने इसकी जानकारी दी। अमेरिका समर्थित एवं कुर्द की अगुवाई वाले 'सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) पर हमले से एक दिन पहले ही तुर्किये के राष्ट्रपति ने कहा था कि कुर्द की अगुवाई वाले समूह यदि स्थानीय चुनाव कराने की अपनी योजना पर आगे बढ़ते हैं तब उनकी सरकार उन पर कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगी। तुर्किये सरकार का आरोप है कि इन समूहों का तुर्किये में प्रतिबंधित कुर्द उग्रवादियों के साथ संबंध है। एसडीएफ ने कहा कि ड्रोन ने कामिशली और उसके आसपास उसके परिसरों तथा आम लोगों के मकानों एवं वाहनों पर आठ बार प्रहार किया।' कुर्दिश रेड क्रीसेंट ने कहा कि जब उसके अर्ध चिकित्साकर्मी हमले वाले क्षेत्रों में पहुंचने की कोशिश कर रहे थे तब भी तुर्किये ने उसकी एक एंबुलेंस को निशाना बनाया। यह हमला कामिशली के पश्चिम अमौदा शहर के समीप हुआ। अभी तुर्किये की ओर से तत्काल कोई बयान नहीं आया है।

दिन-दहाड़े 3 मिनट में करोड़ों की लूट... नेवार्क में ज्वेलरी शॉप पर डकैती

-भारतीय मूल के अमेरिकी की दुकान

वॉशिंगटन । अमेरिका के नेवार्क में एक भारतीय मूल के अमेरिकी की ज्वेलरी शॉप पर डकैती हुई है। इस डकैती के बाद नेवार्क में पुलिस एक दर्जन से ज्यादा लुटेरों की तलाश कर रही है। नेवार्क के न्यूपार्क मॉल के सामने महंगे आभूषणों की दुकान में तोड़फोड़ हुई है। न्यूपार्क मॉल रोड पर स्थित भिंडी ज्वैलर्स की दुकान पर पहले यह डकैती देखी गई। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि लोगों के झुंड ने अंदर घुसकर सब कुछ तोड़ दिया। यह एक डरावनी और हिंसक घटना थी, इस घटना ने सभी को सदमे में डाल दिया। नेवार्क पुलिस प्रमुख जोली मैकियास ने कहा कि इस शोरूम में दो कांच के बंद दरवाजे हैं। उन्होंने कहा कि लुटेरों ने उन दरवाजों को तोड़ने के लिए हाथ वाले एक बड़े औजार का इस्तेमाल किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि लगभग 12 से 15 पुरुष और महिलाएं मास्क और दस्ताने पहनकर शोरूम के अंदर दाखिल हुए। शोरूम के अंदर आते ही उन्होंने भारी मात्रा में आभूषणों को लूटना शुरू कर दिया। लोगों ने बताया कि लुटेरे चार अलग-अलग कारों में यात्रा कर रहे थे। वह सोने की अंगूठी, महंगी घड़ियां और हीरे के हार ले गए। शोरूम में इतने आभूषण थे कि वह लोग सही से लूट भी नहीं सके। भागने के दौरान वह इन्हें जमीन पर गिराते जा रहे थे। पुलिस कप्तान मैकियास ने कहा कि कंपनी अभी भी अपने कुल नुकसान को जोड़ रही है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक इनके चार स्टोर हैं। इनमें से तीन कैलिफोर्निया और एक जॉर्जिया में हैं। वेबसाइट पर दिख रही तस्वीरों के मुताबिक इसमें लाखों डॉलर की कीमत के आभूषण हैं। एक छोटा का टुकड़ा भी हजारों डॉलर का हो सकता है। इसलिए मुझे लगता है कि यह एक बड़ी रकम होगी। यह बेहद निराशा की बात है कि ऐसी घटना दिनदहाड़े हुई है। माना जा रहा है कि भारतीय मुद्रा में करोड़ों रुपयों का माल लुटेरे साथ ले गए। पुलिस ने कहा कि लुटेरे तीन मिनट से भी कम समय में लूट कर चले गए। डकैती में इस्तेमाल दो वाहनों को बरामद किया गया है, जो कि चोरी के हैं।

भारतीय पायलट अभिनंदन को छोड़ने डोनाल्ड ट्रंप ने इमरान खान को किया था फोन

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी ने एक साक्षात्कार में किया खुलासा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी ने दावा किया कि भारतीय पायलट अभिनंदन की गिरफ्तारी के बाद अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के पीएम इमरान खान को फोन किया था। फोन पर ट्रंप ने अभिनंदन को रिहा करने और भारत वापस भेजकर तनाव को खत्म करने का आग्रह किया था। बता दें 2019 में भारतीय और पाकिस्तान वायु सेना ने डॉग फाइट में एक दूसरे के फाइटर जेट को गिरा दिया था। भारतीय पायलट अभिनंदन का विमान पाकिस्तानी क्षेत्र में क्रैश हो गया था, जिसके बाद पाकिस्तान ने अभिनंदन को हिरासत में ले लिया था। बाद में पाकिस्तान ने अभिनंदन को रिहा कर दिया था। इसे भारत की बड़ी कामयाबी माना गया था। चौधरी ने पाकिस्तान के टीवी चैनल से बातचीत करते हुए कहा कि अभिनंदन की गिरफ्तारी के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फोन आया था और तनाव खत्म करने की गुजारिश की थी। चौधरी ने दावा किया कि ट्रंप ने इस संकट के लिए भारत को ही जिम्मेदार ठहराया था लेकिन साथ ही कहा कि इसे अब और बढ़ाने की जरूरत नहीं है।

ग्लासगो में इजरायल और स्कटलैंड की महिला टीमों के बीच यूरो कप फुटबॉल मैच से पहले लोग फिलिस्तीनी झंडे लहराकर विरोध जताते हुए।

बाइडेन ने कही युद्ध विराम की बात.... इजराइज रफाह के मध्य हिस्सों में हमला करने को तैयार

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गाजा में युद्ध विराम के लिए इजरायल के तीन चरणों वाले प्रस्ताव को पेश किया, इसके बदले में इजरायली बंधकों को रिहा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युद्ध को समाप्त करने का समय आ गया है और हमास से सकारात्मक प्रारंभिक प्रतिक्रिया मिली। बाइडन ने दावा किया कि हमास अब इजरायल पर बड़े पैमाने पर एक और हमला करने में सक्षम नहीं रह गया है। साथ ही उन्होंने इजरायल और हमास से आग्रह किया कि वे शेष बंधकों को रिहाकर युद्ध-विराम समझौता करें। उधर इजरायली सेना ने पुष्टि की कि अब उसकी सेना राफह के मध्य हिस्सों में हमला करने को तैयार है। बाइडन ने कहा, हमास का कहना है कि वह भी युद्ध विराम चाहता है। इसके बाद यह समझौता यह साबित करने का एक अवसर है कि क्या वे वास्तव में ऐसा चाहते हैं। इस महीने की शुरुआत में हमास और इजरायल के बीच युद्ध-विराम समझौता होने से रुक गया था क्योंकि हमास ने यह मांग की थी कि युद्ध समाप्त होने के बाद इजरायली सेना गाजा से पूरी तरह हट जाएगी और इसके बदले में हमास उनके सभी बंधकों को रिहा कर देगा, लेकिन इजरायल ने हमास की इस मांग को अस्वीकार कर दिया था।

युद्ध तब तक खत्म नहीं होगा जब तक हमास का खात्मा नहीं हो जाता: नेतन्याहू

यरुशलम (एजेंसी)। हाल ही में अमेरिका ने बड़ा दावा करते हुए कहा था कि इजरायल ने शांति के लिए एक नया रोडमैप पेश किया है। इस रोडमैप पर कोई बात होती इससे पहले ही इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू का बड़ा बयान आ गया। उन्होंने साफ कहा कि गाजा युद्ध तब तक खत्म नहीं होगा जब तक कि हमास की शासन करने और युद्ध करने की क्षमता का खात्मा नहीं हो जाती। नेतन्याहू के कार्यालय का कहना है, पीएम नेतन्याहू ने वार्ता दल से बंधकों की वापसी के लिए एक रूपरेखा पेश करने का निर्देश दिया है। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि युद्ध तब तक समाप्त नहीं होगा जब तक सभी लक्ष्य प्राप्त नहीं कर लिए जाते, जिसमें हमारे सभी बंधकों की वापसी और हमास की सैन्य और सरकारी क्षमताओं का उन्मूलन शामिल है। उनका यह भी कहना है कि इस्राइल द्वारा पेश रूपरेखा इस्राइल को इन सिद्धांतों को बनाए रखने की अनुमति देता है।

आठ महीने से चल रहे संघर्ष के समाधान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बाइडन ने कहा कि प्रस्ताव छह सप्ताह के चरण से शुरू हुआ है, जिसमें इस्राइली सेना गाजा के सभी आबादी वाले क्षेत्रों से हट जाएगी। उन्होंने कहा कि इस युद्ध के खत्म होने का समय आ गया है। उन्होंने आगे कहा कि शांति के मौके का फायदा उठाने के लिए हम इस पल को गंवा नहीं सकते। दुनिया के कई देश युद्ध में घिरे हुए हैं। जहां रूस-यूक्रेन जंग को दो साल से ज्यादा का वक्त हो चुका है। इधर, हमास और इस्राइल बीते सात महीने से लड़ाई लड़ रहे हैं। अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। युद्ध शुरू होने के बाद से फलस्तीन के 35,984 लोग मारे गए हैं और 80,643 अन्य घायल हुए हैं। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया कि आईडीएफ ने गाजा पट्टी में आठ नरसंहार किए। इसमें आगे कहा गया है कि कई पीड़ित अभी भी मलबे के नीचे दबे हैं या सड़कों पर हैं। इसलिए, एंबुलेंस और नागरिक सुरक्षा दल उन तक नहीं पहुंच सकते। उधर, जानकारी दी कि राफा में इस्राइली हमलों में कम से कम 20 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई। एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक, फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि राफा पर इस्राइल के हवाई हमले में 22 लोग मारे गए हैं, जो शिविरों में रह रहे थे। सीएनएन के मुताबिक, मृतकों का यह आंकड़ा बढ़कर 35 हो गया है।

पाकिस्तान ने माना पीओके उसका हिस्सा नहीं है, वह विदेशी जमीन

-इस्लामाबाद हाईकोर्ट में एक सरकारी वकील ने किया दावा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने माना था कि पाकिस्तान ने 1999 में भारत के साथ समझौता तोड़कर गलती की। अब पाकिस्तान ने माना है कि उसके कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) जिसे वह आजाद जम्मू कश्मीर कहता है वह एक विदेशी जमीन है। यह भारत के लिए अच्छी खबर है कि पाकिस्तान यह मान चुका है कि पीओके उसका हिस्सा नहीं है। पाकिस्तान के कई लोगों को इससे हैरानी हुई है। इस्लामाबाद हाईकोर्ट में एक सरकारी वकील ने दावा किया, जिसमें कहा गया कि पीओके एक विदेशी इलाका है। पीओके से कवि और पत्रकार अहमद फरहद शाह के कई दिनों से गायब होने को लेकर सुनवाई चल रही थी। बाद में पता चला कि वह पुलिस कस्टडी में ही है। कोर्ट में दिए गए बयान के शब्दों पर ध्यान देना चाहिए। पाकिस्तान ने यह नहीं कहा है कि पीओके या कश्मीर एक स्वतंत्र देश हैं। बल्कि उसने कहा है कि पीओके एक विदेशी क्षेत्र है। इसका मतलब वह यह मानता है कि कश्मीर स्वतंत्र नहीं बल्कि किसी और देश का हिस्सा है। परोक्ष रूप से ही सही, पाकिस्तान यह तो रहा है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और उसने इसके एक इलाके पर जबरन कब्जा कर रखा है। पाकिस्तान में अब इसे लेकर लोगों में बौखलाहट साफ दिख रही है। पाकिस्तानी पत्रकार हामिद मीर हाइकोर्ट में सरकार के इस बयान को लेकर कई लोग भड़के गए। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि पाकिस्तान आजाद कश्मीर को बहुत नकारात्मक परिप्रेक्ष्य में पेश कर रहा है। उन्होंने इस्लामाबाद से एक कवि का अपहरण कर लिया। उनमें अपहरण को स्वीकार करने का नैतिक साहस नहीं है और अब उन्होंने आजाद कश्मीर में उसकी गिरफ्तारी दिखाई है और इस्लामाबाद हाईकोर्ट में आजाद कश्मीर को एक विदेशी क्षेत्र बताया है। इसका मतलब है कि उनके पास आजाद कश्मीर में कब्जा करने वाली सेना का अधिकार है, लेकिन पाकिस्तानी अदालतों का कोई क्षेत्राधिकार नहीं है।

चीन की बढ़ती जासूसी ने पश्चिमी देशों की बढ़ाई चिंता

लंदन (एजेंसी)। चीन की जासूसी के बढ़ते खतरे पर पश्चिम के देशों ने चिंता जताई है। कई सालों से पश्चिमी जासूसी एजेंसियां चीन पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत पर जोर दे रही हैं। इस सप्ताह ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी के चीफ ने इसे एक गंभीर चुनौती बताया है। ब्रिटेन की ओर से ये ऐसे समय कहा गया है, जब चीन के लिए जासूसी और हैकिंग के आरोप में पश्चिम के कई देशों में गिरफ्तारियां हुई हैं। हांगकांग की खुफिया सेवाओं की मदद का आरोप लगने के बाद ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने चीन के राजदूत को तलब किया था। ये पश्चिम और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा के खुलकर सामने आने का संकेत है।

एक रिपोर्ट में बताया गया है कि वरिष्ठ अधिकारियों को चिंता है कि अमेरिका और पश्चिम के उसके सहयोगियों ने काफी समय तक चीन की चुनौती को बहुत गंभीरता से नहीं लिया लेकिन अब वे चीन की जासूसी के प्रति अधिक संवेदनशील हैं। पश्चिमी अधिकारियों की चिंता चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के दृढ़ संकल्प को लेकर है कि बीजिंग एक नई अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को आकार देगा।

चीनी खुफिया एजेंसी 2000 के दशक में ही औद्योगिक जासूसी में लगी हुई थी लेकिन पश्चिमी कंपनियां आम तौर पर चुप रहती थीं। वे इस डर से इसकी रिपोर्ट नहीं करना चाहते थे कि ऐसा करने से चीन के बाजारों में उनकी स्थिति खतरे में आ जाएगी। एक और बड़ी चुनौती यह रही है कि चीन पश्चिम से अलग ढंग से जासूसी करता है। इससे इसकी गतिविधि को पहचानना और सामना करना मुश्किल है।

अधिकारियों का कहना है कि पश्चिम भी चीन की जासूसी कर रहा है लेकिन चीनी खुफिया जानकारी इकट्ठा करना एमआई6 और सीआईए जैसी पश्चिमी खुफिया सेवाओं के लिए चुनौतीपूर्ण है। इसकी बड़ी वजह है कि चीन पश्चिमी तकनीक के बजाय खुद की तकनीक का इस्तेमाल करता है। एमआई6 के प्रमुख सर रिचर्ड मूर कहते हैं कि हम जिस प्रतिस्पर्धी से भरी दुनिया में रह रहे हैं, उसमें हमें हमेशा संघर्ष के बारे में चिंता करनी चाहिए और हमें इससे बचने के लिए अपने आप को तैयार करना चाहिए।

गांधी जी की पार्टी नेटाल इंडियन कांग्रेस पूर्ण बहुमत से चूकी

-30 साल की बादशाहत बरकरार रहने में अंदेशा

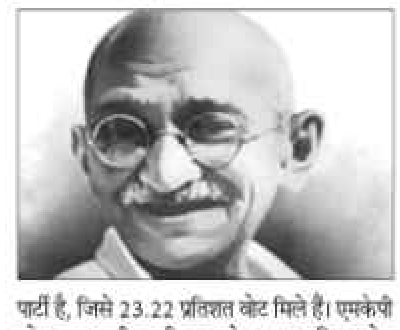

केपटाउन (एजेंसी)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने साउथ अफ्रीका में जिस पार्टी की नींव रखी थी वो आज वहां उसे आम चुनावों में पूर्ण बहुमत प्राप्त होता नजर नहीं आया है। गौरतलब है कि साल 1894 में गांधी जी ने साउथ अफ्रीका में नेटाल इंडियन कांग्रेस की स्थापना की थी। बाद में यही पार्टी अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस के रूप में जानी गई। करीब 30 साल तक साउथ अफ्रीका की सत्ता पर काबिज रहने के बाद अब अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस पार्टी अपने वर्चस्व को बचाने में कामयाब होती नहीं दिख रही है।

यहां बतलाते चले कि साउथ अफ्रीका में किसी भी पार्टी को सरकार बनाने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत वोट की दरकार होती है। एएनसी को इस बार महज 41.88 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। मतलब साफ है कि वो सरकार बनाने से 8.12 प्रतिशत वोट से चूक गए हैं। अब अपने दम पर साउथ अफ्रीका की कांग्रेस पार्टी सरकार नहीं बना सकती है। दूसरे स्थान पर डीए पार्टी है, जिसे 23.22 प्रतिशत वोट मिले हैं। एमकेपी को साउथ अफ्रीका की जनता ने 11.52 प्रतिशत वोट दिए। इसी तर्ज पर ईएफएफ को 9.49 परसेंट वोट लोगों ने दिए। अब एएनसी को सरकार बनाने के लिए किसी अन्य दल के समर्थन की जरूरत होगी।

गांधी जी ने लंदन से वकालत की थी। उस समय सेठ अब्दुल्ला ने अपना केस लड़ने के लिए गांधी जी को साउथ अफ्रीका बुलाया था। उन्हें ट्रेन के फर्स्ट क्लास से बाहर निकाल दिया गया था। अफ्रीका में उन्होंने भारतीयों की तकलीफ को समझा। साल 1894 में उन्होंने साउथ अफ्रीका में भारतीयों को वोटिंग राइट दिलाने के लिए नेटाल इंडियन कांग्रेस बनाई थी। इस मुहीम के माध्यम से वो भारतीयों को साउथ अफ्रीका में एकजुट करने में सफल रहे थे। नेटाल इंडियन कांग्रेस से प्रेरित होकर आगे चलकर 8 जनवरी 1912 को साउथ अफ्रीका नेशनल कांग्रेस की स्थापना हुई, जिसका मकसद साउथ अफ्रीका के काले लोगों को बराबरी का अधिकार दिलाना था। साल 1948 से 1990 तक इस पार्टी ने देश में रंग के आधार पर भेदभाव के खिलाफ जमकर आवाज उठाई। इस दौरान पार्टी पर कई बार प्रतिबंध भी लगा।

रंग-भेद खत्म होने के बाद 90 के दशक में नई सरकार का गठन हुआ। नेलसन मंडेला काले लोगों के साथ हो रहे भेदभाव के जनक थे। साउथ अफ्रीका की आज की कांग्रेस पार्टी के पहले राष्ट्रपति मंडेला ही बने। तभी से यह पार्टी देश में सत्ता में है। मालूम हो कि अपने करियर के शुरुआती 20 साल साउथ अफ्रीका में बिताए थे, जहां उन्होंने भारतीयों के खिलाफ हो रहे भेदभाव को लेकर आवाज उठाई और अंग्रेजों की नाक में दम कर दिया था। इस दौरान वो चार बार जेल भी गए।

Jinnah के मुल्क में VIP भी सुरक्षित नहीं, इस्लामाबाद से वियतनामी राजदूत की पत्नी लापता

पाकिस्तान में वियतनामी राजदूत गुयेन टीएन फोंग की पत्नी कथित तौर पर इस्लामाबाद में लापता हो गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि राजदूत ने बताया कि उनकी पत्नी सुबह 11 बजे उनके आवास से निकली और वापस नहीं लौटीं। वहीं, उनका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है, लिहाजा उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह पता लगाने के लिए जांच जारी है कि क्या गुमशुदगी का घटना से कोई संबंध है। इस्लामाबाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और लापता महिला की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए शहर के कैमरों से सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। अधिकारियों ने उल्लेख किया कि जांच और परिचालन प्रभागों के लिए अलग-अलग टीमें स्थापित की गई हैं, जिनमें डीआइजी और एसएसपी ऑपरेशंस प्रयासों की निगरानी कर रहे हैं। पिछले हफ्ते, इस्लामाबाद के राजनयिक एन्क्लेव में एक दुखद घटना घटी जब सु-6 सुपरमार्केट में पुलिस अधिकारियों के भेष में कपड़े पहने धोखेबाजों ने एक विदेशी नागरिक महिला को लूट लिया। सूत्रों की रिपोर्ट है कि दो लोगों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर महिला को चेक के लिए रोका और अन्य कीमती सामान के साथ 500 जब्त कर लिया। सूत्रों ने संकेत दिया कि जब नकली पुलिस अधिकारियों ने विदेशी नागरिक महिला को रोका तो वे वर्दी में नहीं थे। एक अलग घटना में इस्लामाबाद के जी-6/4 इलाके में एक विदेशी महिला की सुरक्षा के लिए नियुक्त सुरक्षा गार्ड द्वारा कथित तौर पर उसके साथ बलात्कार किया गया।

असली फैसला 5 नवंबर को लोगों द्वारा सुनाया जाएगा: ट्रम्प

-'फेलोनी' आरोपों का दाग अपने माथे पर लेकर लोगों के बीच जाएंगे पूर्व राष्ट्रपति

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक सेक्स स्कैंडल को छिपाने के लिए अपने बिजनेस रिकॉर्ड में हेराफेरी की थी। ये सेक्स स्कैंडल सामने आ जाता तो 2016 में ट्रम्प के लिए राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतना मुश्किल हो जाता। यह केस आम नहीं था, जिसने अमेरिकी जूडिशियल सिस्टम के लचीलेपन की जांच की और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपराधी घोषित किया। जूरी ने ट्रम्प को उन पर लगाए गए सभी 34 'फेलोनी' आरोपों में दोषी माना। यह फैसला पूरे देश और दुनिया में गूंजेगा। यह राष्ट्रपति पद की राजनीति के एक नए युग की शुरुआत है।

ट्रम्प अब राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अपने तीसरे अभियान में 'फेलोनी' आरोपों का दाग अपने माथे पर लेकर लोगों के बीच जाएंगे। अमेरिकी मतदाताओं को अब एक मौजूदा राष्ट्रपति और एक जघन्य अपराध के लिए दोषी करार दिए गए शख्स में किसी एक को चुनना होगा। डोनाल्ड ट्रम्प ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में अपनी हार को मानने से इनकार कर दिया था।

विगत दिवस जब डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ फैसला आया तो उन्होंने फैसले पर कोई बात नहीं कही बस अपनी आंखें बंद कर लीं और धीरे-धीरे अपना सिर हिलाते रहे। इस दौरान कोर्ट रूम में सन्नाटा छा हुआ था, लेकिन जब ट्रम्प कोर्ट से बाहर आए तो उन्होंने पत्रकारों से बात की। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव के दिन का जिक्र करते हुए कहा कि असली फैसला 5 नवंबर को लोगों द्वारा सुनाया जाएगा।

अमेरिकी कानून में फेलोनी को आम तौर पर एक ऐसे अपराध के रूप में जाना जाता है, जिसके लिए कम से कम एक साल की जेल या मौत की सजा हो सकती है। इसके विपरीत, दुष्कर्म को अक्सर ऐसे अपराधों के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिनके लिए केवल जुर्माना या स्थानीय जेलों में कारावास की छोटी सजा दी जाती है। मूलरूप से अंग्रेजी कानून में फेलोनी एक ऐसा अपराध था जिसके लिए अपराधी की अचल और निजी संपत्ति जब्त करने के साथ जो भी सजा दी जाती थी, उसे भुगतना होता था। अमेरिकी कानून के तहत अपराधी की सारी संपत्ति जब्त नहीं की जाती है। रैकेटियरिंग वाले अपराधों में संपत्ति जब्ती की जाती है।

भाजपा का खड़गे पर तंज, राहुल को पीएम बनने पर ममता या केजरीवाल से पूछा?

नई दिल्ली । कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे के राहुल गांधी मेरी पसंद के प्रधानमंत्री वाले बयान भाजपा ने तंज कस दिया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि खड़गे की पसंद जो भी हो (इंडिया अलायंस के पीएम चेहरे के लिए), सवाल यह है कि क्या वे जनता की पसंद है? उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस या इंडिया गठबंधन किसी को भी सत्ता में आने का मौका नहीं दे रही है। पूनावाला ने कहा कि जब कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने अपनी पसंद बताई, तब क्या उन्होंने ममता बनर्जी या अरविंद केजरीवाल से पूछा? भाजपा प्रवक्ता पूनावाला ने कहा कि आखिरी चरण में इंडिया गठबंधन अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। शनिवार की बैठक में ममता बनर्जी शामिल नहीं होंगी। जो लोग दिल्ली में दोस्ती निभा रहे थे, वे पंजाब में दुश्मन बन रहे हैं। दरअसल खड़गे ने कहा कि अगर इंडिया ब्लॉक गठबंधन लोकसभा चुनाव जीतता है, तब अगले प्रधानमंत्री बनने के लिए राहुल गांधी उनकी पसंद हैं। उन्होंने कहा कि वह युवाओं और पूरे देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। हालांकि, कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि इंडिया ब्लॉक ने फैसला किया है कि वे एक साथ लड़ रहे हैं, और जीतने के बाद, गठबंधन संयुक्त रूप से तय करेगा कि पीएम कौन होगा। उन्होंने इस बात को भी खारिज कर दिया कि वह भी पीएम पद के उम्मीदवार हो सकते हैं।

दो साल की बच्ची के साथ मामा ने ही किया दुष्कर्म

पटना । सीतामढ़ी में दो साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया है। घटना के बारे में बच्ची की मां ने बताया कि खिलाने के बहाने आरोपी बच्ची को गोद में उठाकर बाहर ले गया। जब बच्ची घर आई, तब देखा कि जांघ पर खून लगा हुआ था और बच्ची जोर-जोर से चिल्ला रही थी। तब पता चला कि खिलाने के बहाने उसके साथ दुष्कर्म हुआ है। जब आरोपी को खोजा गया तबतक अपने घर भाग गया था। बताया गया कि आरोपी रिश्ते में बच्ची का चचेरा मामा लगता है। घटना के बाद बच्ची की मां इसकी सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने भूपभौरो गांव से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान मोहन राय के पुत्र गुलशन कुमार के रूप में हुई है। जिससे पुलिस पूछताछ कर रही है। वहीं, बच्ची की मां के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वहीं गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। घटना को लेकर लोगों में आक्रोश है।

स्ट्रांग रूम में तैनात उप निरीक्षक की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत

रायबरेली । उत्तरप्रदेश के रायबरेली जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में स्ट्रांग रूम (जहां मतदान के बाद ईवीएम रखी जाती हैं) में तैनात 58 वर्षीय उप निरीक्षक की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। दरअसल मतदान होने के बाद ईवीएम को गोरा बाजार स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में बने स्ट्रांग रूम में रखा गया। सुरक्षा के लिए भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस ने बताया कि उप निरीक्षक हरिशंकर की भी स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में ड्यूटी लगाई गई थी। शुक्रवार दोपहर बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद साथ में तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान हरिशंकर की मौत हो गई।

परिणाम से पहले विदेश यात्रा से लौटे सीएम जगन मोहन रेड्डी

विजयवाड़ा । आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी एक पखवाड़े की छुट्टी के बाद राज्य लौट आए। मुख्यमंत्री रेड्डी राज्य में एक साथ हुए लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बाद 18 मई को अपने परिवार के साथ विदेश चले गए थे। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) ने पोस्ट में कहा, परिवार के साथ विदेश यात्रा पूरी करने के बाद, मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी आज विजयवाड़ा लौट आये। गन्नवरम में हवाई अड्डे पर मंत्रियों, विधायकों, राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के एक समूह ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

जदयू महानगर अध्यक्ष की बदमाशों ने कर दी पिटाई

पटना । भागलपुर में जदयू महानगर अध्यक्ष राजा यादव की बदमाशों ने जमकर पिटाई कर दी। मामला परवत्ती चौक के पास का है। पीटने वालों ने राजा यादव के पकड़े फाड़ कर उसी हालत में भरे बाजार में घसीटा। राजा अपने पास के एक प्लॉट के निर्माण में जुटे मजदूरों संग पिटाई की सूचना पर मौके पर पहुंचे थे। तभी उनकी पिटाई कर दी गई। पीटने वालों का कहना था कि ये प्लॉट उनका है। राजा यादव इस पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा था। मारपीट की ये घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई है। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस से जदयू नेता ने लिखित शिकायत कर बदमाशों पर कार्रवाई की मांग की है। वहीं घटना के बाद स्थिति तनावपूर्ण है। पुलिस बल को वहां पर तैनात कर दिया गया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। इसमें जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन पर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस कस्टडी से भागा आरोपी, चौथी मंजिल से कूदा, मौत

पानीपत। जिला अदालत में पुलिस कस्टडी में पेशी पर आया एक लूटपाट के आरोपी ने पुलिस से हाथ छुड़ाकर भागा वह जहां भागा था उस ओर रास्ता नहीं था। पीछे के रास्ते वह सीधा चौथी मंजिल से नीचे गिर गया। पुलिस उसे तुरंत स्पताल ले गई। जहां डॉक्टरों ने चेकप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक सौरव (30) सौदापुर गांव का रहने वाला था। पुलिस के मुताबिक 8 नवंबर 2021 को सेक्टर 29 थाना पुलिस को पप्पू ने बताया था कि वह मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर जिला का रहने वाला है। हाल में वह पानीपत की दानीराम कॉलोनी, गांव सिवाह में रहता है। वह अपने रिश्तेदार रामनाथ चौधरी के साथ रेलवे स्टेशन पर मजदूरी कर रहा है। 7 नवंबर की रात करीब 11 बजे वे दोनों लोग काम करके ऑटो से कमरे पर वापस आ गए। ऑटो में उस समय चालक समेत कुल 4 लोग सवार थे। सिवाह गांव के पास आते ही पीछे बैठे 2 लड़कों ने रामनाथ चौधरी को ऑटो से नीचे फेंक दिया। इसके बाद उसने ऑटो रोकने के लिए शोर मचाया तो चालक ने ऑटो की रफ्तार बढ़ा दी। इसके बाद आरोपियों ने उस पर चाकू अड़ा दिया। मारपीट करते हुए उससे 5 हजार रुपए और उसका मोबाइल लूट छीन लिया। इसके बाद उसे भी चलते ऑटो से फेंक दिया और फरार हो गए। इस लूट के मामले में आरोपी युवक को कोर्ट में पेशी पर लाया गया था।

झारखण्ड में लू से चार की मौत, सैकड़ों लोग अस्पताल में भर्ती

रांची। देश के करीब सभी राज्य भीषण गर्मी की चपेट में है। गर्मी से लोगों का बुरा हाल कहीं राज्यों में भीषण गर्मी और लू से कई लोगों की जानें भी जा चुकी हैं। वहीं झारखंड में भीषण गर्मी और लू ने चार लोगों की जान ले ली है और 1326 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी जिला अस्पतालों और अन्य चिकित्सा प्रतिष्ठानों को लू से पीड़ितों को वातानुकूलित कमरों और बेडों का इंतजाम रखने के निर्देश दिए गए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड के मिशन निदेशक डॉ. आलोक त्रिवेदी ने बताया कि झारखंड में चार लोगों की लू से मौत हो गई। मरने वालों में तीन पलामू से जबकि एक जमशेदपुर से है। इन लोगों की मौत अस्पतालों में नहीं हुई। गर्मी से जुड़ी बीमारियों के कारण राज्य के कई जिलों में 1326 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें से 63 मामले लू की चपेट में आने से जुड़े हैं। झारखंड के 24 जिलों में से अधिकतर में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा वहीं डाल्टनगंज और गढ़वा में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। अधिकारियों ने बताया कि हजारीबाग, रांची, गढ़वा और पलामू समेत राज्य के अन्य हिस्सों से चमगादड़ों के मरने की सूचना है। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि चमगादड़ खाने वाले लोगों को अलग से रखा गया है और उनकी निगरानी की जा रही है। उनके नमूने आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) भेजे जाएंगे। मृत चमगादड़ों का दफनाने का भी काम किया जा रहा है।

ओपनएआई का दावाः भारत के लोकसभा चुनाव में गड़बड़ी करना चाहते थे बाहरी

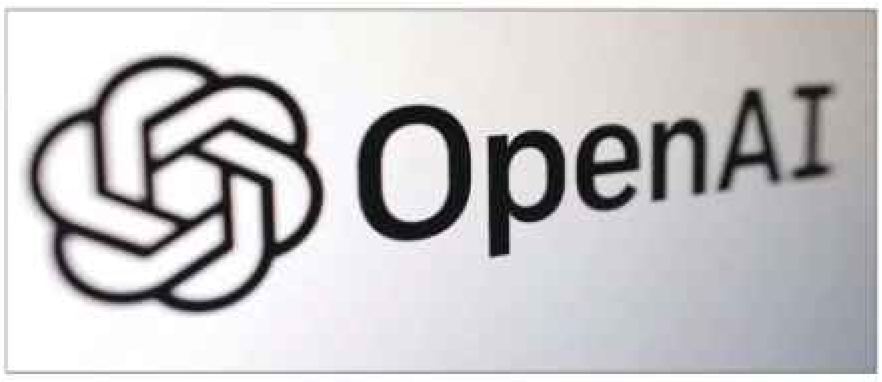

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में आखिरी चरण का मतदान जारी है। वहीं चैटजीपीटी के निर्माता ओपनएआई ने दावा किया है। भारतीय चुनावों पर केंद्रित सीक्रेट ऑपरेशन में एआई के भ्रामक इस्तेमाल को रोकने के लिए 24 घंटे में कार्रवाई की है। जिससे इसका इस्तेमाल करने वालों की संख्या में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई। एक रिपोर्ट में ओपनएआई ने कहा कि इजराइल में एक राजनीतिक कैंपेनिंग प्रबंधन फर्म एसटीओआईसी ने गाजा संघर्ष के साथ-साथ भारतीय चुनावों पर सामग्री तैयार की है।

ओपनएआई ने कहा कि मई में लोकसभा चुनाव को लेकर भारत पर केंद्रित कमेंट्स तैयार करना शुरू कर दिया था, जिसमें सत्तारूढ़ बीजेपी की आलोचना की गई और विपक्षी कांग्रेस की तारीफ। भारत के लोकसभा चुनाव में गड़बड़ी करना चाहते थे बाहरी। हालांकि, हमने भारतीय चुनाव शुरू होने के 24 घंटे से पहले ही उस पर केंद्रित कुछ गतिविधि को बाधित कर दिया। ओपनएआई ने कहा कि उसने इजराइल से संचालित हो रहे अकाउंट्स के एक ग्रुप पर प्रतिबंध लगा दिया है। इनका इस्तेमाल सोशल मीडिया एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम समेत दूसरी वेबसाइटों और यूट्यूब में फैले एक प्रभाव का संचालन करने के लिए सामग्री बनाने और एडिट करने के लिए किया जा रहा था।

इस अभियान ने कनाडा, अमेरिका और इजराइल के दर्शकों को अंग्रेजी और हिब्रू में कंटेंट के साथ टारगेट किया गया था। मई की शुरुआत में इसने अंग्रेजी भाषा की कंटेंट के साथ भारत के दर्शकों को टारगेट करना शुरू कर दिया। रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि यह बिल्कुल साफ है कि ॠ बीजेपीइंडिया कुछ भारतीय राजनीतिक दलों की ओर से या उनके प्रभाव संचालन, गलत सूचना और विदेशी हस्तक्षेप का लक्ष्य था और है। यह लोकतंत्र के लिए खतरा है। इसकी गहन जांच और पर्दाफाश करने की जरुरत है।

ओपनएआई ने कहा कि वो सुरक्षित और व्यापक रूप से लाभकारी एआई विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। संदिग्ध गुप्त प्रभाव संचालन की हमारी जांच सुरक्षित एआई तैनाती के हमारे लक्ष्य को पूरा करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इसने यह भी कहा कि यह उन नीतियों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है जो दुरुपयोग को रोकती हैं और एआई-जनित सामग्री के आसपास पारदर्शिता में सुधार करती हैं।

आप पहली तारीख को जश्न मनाएं, हम 4 तारीख को जश्न मनाएंगे : कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर जवाबी हमला किया। कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा ने लिखा कि अमित शाह जी यहां सौदा है। आप पहली तारीख को जश्न मनाएं। हम 4 तारीख को जश्न मनाएंगे। खेड़ा ने कहा, कांग्रेस पार्टी 4 जून से चर्चा में फिर से सहर्ष भाग लेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने दावा किया कि टेलीविजन चैनलों पर एग्जिट पोल की बहसों में भाग नहीं लेने का कांग्रेस का फैसला स्पष्ट पुष्टि है कि विपक्षी दल ने 2024 के लोकसभा चुनाव में हार मान ली है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष कर शाह ने कहा कि जब से उन्होंने कांग्रेस के मामलों में अहम भूमिका निभानी शुरू की है, तब से कांग्रेस 'नकारने के मोड' में है।

खालिस्तान का समर्थन करने के लिए बनाए फर्जी फेसबुक, इंस्टाग्राम अकाउंट

-मेटा ने किया अशांति फैलाने के चीन के नापाक इरादों का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। फेसबुक और इंस्टाग्राम की स्वामित्व वाली कंपनी मेटा ने भारत में अशांति फैलाने के चीन के नापाक इरादों का खुलासा किया है। मेटा ने कहा है कि भारत में खालिस्तानी आतंकियों के पक्ष में माहौल बनाने और समर्थन करने के लिए चीन से फर्जी फेसबुक और इंस्टा अकाउंट बनाए गए हैं। इन फर्जी अकाउंट्स के निशाने पर सिख समुदाय था, जिनके बीच खालिस्तान समर्थक भावनाओं को उभारने का प्रयास किया जा रहा था।

मेटा ने खालिस्तान को बढ़ावा देने वाले 37 फेसबुक अकाउंट, 13 पेज, 5 ग्रुप और 9 इंस्टाग्राम अकाउंट को हटा दिया है। इन अकाउंट्स की गतिविधियां संदिग्ध और अप्रमाणिक पाई गई हैं। इन अकाउंट्स से फर्जी खबरें, तस्वीरें, छेड़छाड़ वाले वीडियो और प्रॉपगैंडा पोस्ट किए जा रहे थे। फेसबुक और इंस्टाग्राम के मालिक मेटा ने अपनी एडवर्सरियल थ्रेट रिपोर्ट में कहा कि उन्होंने समन्वित अप्रामाणिक व्यवहार के खिलाफ अपनी नीति का उल्लंघन करने के लिए इन अकाउंट्स, पेज और ग्रुप को हटाया दिया है।

मेटा ने 2024 अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वह नेटवर्क चीन में बनाया गया और इसने ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, यूके और नाइजीरिया समेत वैश्विक सिख समुदाय को निशाना बनाया। मेटा ने कहा कि इस गतिविधि में चीन से संचालित कई फर्जी अकाउंट के समूह शामिल थे, जो भारत और तिब्बत क्षेत्र को निशाना बनाते थे।

रिपोर्ट में कहा गया है, इनमें से कुछ समूहों ने एक-दूसरे को बढ़ावा दिया, जिनमें से ज्यादातर ने अपने फर्जी अकाउंट्स के जरिए प्रचार किया, जिससे अभियान को वास्तविकता से ज्यादा लोकप्रिय दिखाया जा सकते। मेटा ने कहा कि इस ऑपरेशन में फर्जी और संदिग्ध अकाउंट का इस्तेमाल किया गया है, जिनमें से कुछ को हमारी जांच से पहले ही हमारी प्रणाली के जरिए पता लगाकर निष्क्रिय कर दिया गया। ये फर्जी अकाउंट सिख पहचान के साथ बने थे।

मेटा ने रिपोर्ट में कहा कि चीन स्थित नेटवर्क ने एक काल्पनिक ऑपरेशन के बनाया, जिसमें न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया समेत सिख समर्थक विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया गया। इसने यह भी दावा किया कि उसने ऑपरेशन के गतिविधियों की पहचान कर ली और उसे हटा दिया। मेटा ने कहा कि उन्होंने मुख्य रूप से अंग्रेजी और हिंदी में न्यूज और वर्तमान घटनाओं के बारे में पोस्ट किया, जिसमें फोटो एडिटिंग के जरिए छेड़छाड़ की गई या एआई द्वारा बनाई तस्वीरें शामिल थीं। इसके अलावा पंजाब क्षेत्र में बाढ़, दुनिया भर में सिख समुदाय, खालिस्तान के लिए कथित आंदोलन, हरदीप सिंह निज्जर की हत्या और भारत सरकार की आलोचना के बारे में पोस्ट की गई थी।

शत्रुघ्न का पीएम मोदी की साधना पर कटाक्ष... प्रचार का आखिरी हथकंडा

पटना (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में शनिवार को 8 राज्यों की 57 सीटों पर मतदान हो रहा है। बॉलीवुड स्टार और टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सांसद सिन्हा ने पटना में कदमकुआं की बूथ पर अपना वोट डाला। इस मौके पर पत्रकार से बात करते हुए सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योग साधना पर सवाल उठाया। टीएमसी सांसद ने पीएम की योग साधना पर कहा, ''यह आखिरी चरण के लिए चुनाव प्रचार करने का एक तरीका है। लोग कह रहे हैं कि वह मेडिटेशन कर रहे हैं, मगर यह सब वह मीडिया अटेंशन पाने के लिए कर रहे हैं। यह चुनाव प्रचार का एक हिस्सा है।''

मोदी सरकार के 400 के पार वाले नारे पर शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, 400 के पार नारे में कोई दम नहीं है। इसमें कोई भी सच्चाई नहीं है। सच्चाई यह कि चाहे एससी, एसटी का परिवार हो, किसान हो, महिलाएं हों, महंगाई की मार हो, आसमान छूती डॉलर की कीमत हो, गिरता रुपया हो क्यों न हो, कुल मिलाकर बात यह है कि इस बार यह चुनाव मुद्दा बनाम मोदी है। उन्होंने कहा कि इस बार देश में मुद्दे बहुत हावी हैं। सारे मुद्दे इस बार विपक्ष और रूलिंग पार्टी के पास हैं। उन्होंने कहा कि देश का युवा इस बार विपक्ष के मुद्दों के साथ है। बेरोजगारी और महंगाई की मार को लेकर आज जनता विपक्ष का समर्थन कर रही है। पीएम मोदी पर हमला कर शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि पीएम मोदी को मुद्दों से भटकाने की कला आती है।

शत्रुघ्न सिन्हा ने पीएम मोदी की साधना पर कटाक्ष कर उनके प्रचार का आखिरी हथकंडा है, जिसका भाजपा इस्तेमाल कर रही है। मैं पीएम मोदी और उनके नेताओं से कहना चाहता हूं कि अब चुनाव नतीजे आने वाले हैं, वह अब जो भी करें, अब काफी देर हो चुकी है। शत्रुघ्न सिन्हा तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर पश्चिम बंगाल के आसनसोल से प्रत्याशी हैं।

तंबाकू लोगों के स्वास्थ्य के लिए बन रहा गंभीर संकट

- शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी की गाइडलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। तंबाकू खाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है इसके बाद भी कई लोग इसकी लत लगा लेते हैं और अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं कई की तो जान भी चली जाती है। इसी के मद्देनजर विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गाइडलाइंस जारी की है। शिक्षा मंत्रालय ने देश के सभी शिक्षा संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाने का लक्ष्य दिया है, वहीं स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों को तंबाकू की लत छुड़वाने के लिए देश के मेडिकल संस्थानों में विशेष सेंटर्स बनाने के लिए ऑपरेशनल गाइडलाइंस जारी की हैं। तंबाकू से हर साल करीब 13 लाख मौतें होने का अनुमान है और यह लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर संकट बनता जा रहा है। इसको लेकर दोनों मंत्रालयों ने यह पहल की है। शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने कहा कि हम सभी को अपने जीवन और स्वास्थ्य पर तंबाकू के हानिकारक प्रभाव को समझना होगा। तंबाकू से हमेशा दूर रहना चाहिए। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि ग्लोबल यूथ टबैको सर्वे 2019 के मुताबिक स्कूल जाने वाले बच्चों में से 13-15 साल के 8.5 फीसदी बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। वहीं बहुत से लोग ऐसे हैं जो 20 साल से भी पहले तंबाकू का सेवन करना शुरू कर देते हैं और इसके आदी हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। शिक्षा संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों को न बेचे जाने के नियम का कड़ाई से पालन करवाया जाएगा। गाइडलाइंस में कहा गया है कि हर शिक्षा संस्थान को अपने परिसर में प्रमुख जगहों पर तंबाकू मुक्त एरिया के पोस्टर, बैनर लगाने होंगे। शिक्षा संस्थानों में रेंडम चेकिंग होनी होगी।

72 घंटे में तुम्हारा खेल खत्म ... फिर विवादों में पंडित धीरेंद्र शास्त्री का भाई

– दोस्त को दी लॉरेंस बिश्नोई की धमकी

छतरपुर (एजेंसी)। बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई लगातार विवादों में रहते हैं। पिटाई से लेकर गुंडागर्दी करने तक के मामले में उन पर दर्ज हैं। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई शालिग्राम गर्ग ने अपने पूर्व दोस्त को धमकी दी है। उसका व्हाट्सएप चैट वायरल है। चैट में शालिग्राम अपने दोस्त को धमकी दे रहे हैं कि तू लॉरेंस बिश्नोई को जानता है न। साथ ही दोस्त को लिख रहे हैं कि अगर नहीं जानता है, तब इंटरनेट पर सर्च कर लेना।

दरअसल, पंडित धीरेंद्र शास्त्री के भाई शालिग्राम का अपने पूर्व के दोस्त जीतू तिवारी के साथ विवाद चल रहा था। विवाद के बाद जीतू ने एक पोस्ट सोशल मीडिया पर किया था। उसमें जीतू ने लिखा था कि बागेश्वर धाम सरकार के छोटे भाई का अब आस्तित्व खत्म कर दूंगा। मेरे पास इसतरह के कई वीडियो हैं, जिससे धाम का आस्तित्व संकट में आ जाएगा। अब बागेश्वर धाम सरकार सतर्क रहें।

इस पोस्ट के स्क्रीन शॉट के साथ बागेश्वर सरकार के भाई जीतू को धमकी भरा मैसेज भेजा। तेरा आस्तित्व 72 घंटे में खत्म होने वाला है। जीतू तुमने जिस थाली में खाया उसी में छेद किया। इसके बाद शालिग्राम ने लिखा कि लॉरेंस बिश्नोई को, तब जानता ही होगा। इंटरनेट पर सर्च कर लेना।

जीतू तिवारी ने एक मीडिया को बताया कि शालिग्राम ने अपने अन्य गुंडों के साथ मिलकर मेरे घर आकर हमला किया। इस हमले में मेरी बहन और पिता हमला कर दिया, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। जीतू तिवारी ने बताया कि मारपीट और संदेश मिलने के बाद से परिवार डरा हुआ है। गढ़ा में बने अपने घर नहीं जा पा रहे हैं। हमें डर है, इसलिए पुलिस से मदद मांग रहे हैं।

जीतू ने बताया कि शालिग्राम से उनकी पुरानी दोस्ती है। दोनों गहरे दोस्त थे। बाबा बागेश्वर की कई कथाओं में दोनों का साथ जाना होता था लेकिन कुछ दिनों से शालिग्राम को इसका शक था कि मेरी बात राजनगर विधायक अरविंद पटेरिया से होती है, जिसकी वजह से उन्होंने मेरी कॉल डिटेल्स भी चेक की थी। कॉल डिटेल्स चेक करने के बाद उन्होंने मुझे वापस अपने साथ बुलाया। मैंने जाने से मना कर दिया, जिसके बाद वह गुस्सा गए। मेरे परिवार के साथ मारपीट कर मुझे लॉरेंस बिश्नोई की धमकी दे डाली। घटना के बाद छतरपुर पुलिस ने शालिग्राम गर्ग सहित दो अन्य लोगों पर मामला दर्ज कर लिया।

तेजस्वी का दावा– मतदान के अंतिम चरण में भाजपा का सूपड़ा साफ

पटना । लोकसभा चुनाव के अंतिम सातवें चरण में शनिवार को बिहार की 8 सीटों पर हो रहे मतदान के बीच आरजेडी नेता तेजस्वी यादव व्हील चेयर पर एक मतदान केंद्र पर मतदान करने पहुंचे हैं। इस दौरान उनके साथ उनके बड़े भाई तेज प्रताप यादव भी मौजूद हैं। लालू यादव, राबड़ी देवी और रोहिणी आचार्य के बाद तेजस्वी और तेज प्रताप यादव ने पटना के वेटरनरी ग्राउंड स्थित मतदान केंद्र पर अपना वोट डाल दिया है। इस दौरान उन्होंने लोगों से वोट डालने की अपील की। उन्होंने ये भी कहा कि जनता सब देख रही है, आखिरी दौर की वोटिंग है। इसके बाद बीजेपी सफाचट हो जाएगी।

कांग्रेस का आरोप, बेटी बचाओं का नारा देने वाले पीएम मोदी...प्रज्वल रेवन्ना के मामले में चुप क्यों

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हासन सीट से जनता दल (सेक्युलर) सांसद प्रज्वल रेवन्ना के मामले में चुप्पी तोड़ने और सुनिश्चित करने का आग्रह किया है, कि वे गिरफ्तार सांसद को अब किसी भी तरह का समर्थन ना दें ताकि बेटियों को न्याय मिल सके।

महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा कि कई महिलाओं के साथ दुष्कर्म के मामले में मिली शिकायतों के बाद सांसद को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने उम्मीद जाहिर कि इस गिरफ्तारी से सैकड़ों पीड़ित महिलाओं को न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा, हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना को कर्नाटक सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने गिरफ्तार कर लिया है। इसके लिए हम कर्नाटक सरकार को बधाई देते हैं। कांग्रेस महिला नेता लांबा ने मामले में प्रधानमंत्री से चुप्पी तोड़ने का आग्रह कर कहा, नरेंद्र मोदी बेटी बचाओ का नारा देते रहे लेकिन प्रज्वल रेवन्ना पर अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने श्री मोदी को पत्र लिखकर कहा कि देश छोड़कर भाग चुके रेवन्ना को वापस लाया जाए लेकिन पीएम ने सीएम के पत्र का कोई जवाब नहीं दिया। ये दिखाता है कि रेवन्ना के मामले को लेकर मोदी कितने गंभीर थे। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने पीड़िताओं को न्याय का आश्वासन दिया था। उन्होंने श्री मोदी से पूछा था कि आप मास रेपिस्ट को क्यों बचा रहे हैं। इतना ही नहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी प्रज्वल रेवन्ना के मामले में मोदी की खामोशी पर सवाल उठाए थे लेकिन श्री मोदी ने इस मुद्दे पर आजतक चुप्पी नहीं तोड़ी।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हकीकत यह है कि प्रज्वल के हजारों वीडियो के बारे में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को जानकारी दी थी इसके बावजूद नरेंद्र मोदी ने मंच पर खड़े होकर प्रज्वल रेवन्ना के लिए वोट मांगे। सुश्री लाम्बा ने कहा, हम मांग करते हैं कि विशेष अदालत या त्वरित अदालत का गठन हो और तीन महीने के अंदर आरोपियों को सजा मिले। यह सारा अपराध पिता और बेटा दोनों कर रहे थे। उसके मोबाइल से कलेक्ट सारे वीडियो प्रधानमंत्री, गृहमंत्री तथा भाजपा अध्यक्ष तक पहुंचे थे इसके बावजूद रेवन्ना को टिकट देने, उसका समर्थन कर उसके लिए प्रचार करने और वोट मांगने का फैसला लिया जाता है। उन्होंने मध्य प्रदेश में सागर में हुए सामूहिक दुष्कर्म का भी मुद्दा उठाकर कहा कि भाजपा सरकार के शासन में सागर में सामूहिक दुष्कर्म की पीड़िता की एंबुलेंस से गिरकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाती है। प्रधानमंत्री दुष्कर्म के मामलों में चुप्पी सधे है और उनके मौन से अपराधियों के हौसले बढ़ रहे हैं।